वर्ष 20 | अंक 226 | पृष्ठ 12 | मूल्य 5.00 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 07 मार्च, 2025 | माघ कृष्ण पक्ष दशमी, संवत् 2076

7 मार्च
राजस्थान पत्रिका 70वां स्थापना दिवस

राजस्थान पत्रिका

(70 साल पहले 07 मार्च 1956 को प्रकाशित किया गया राजस्थान पत्रिका का पहला हैडर)

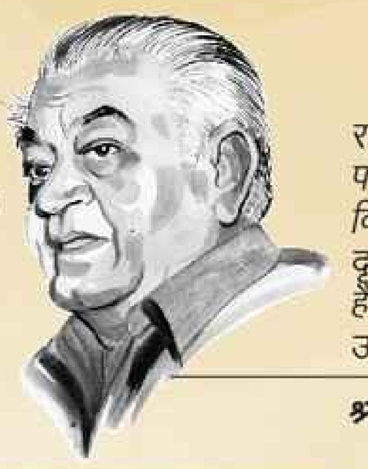

राजस्थान पत्रिका में यह परम्परा रही है कि उसमें किसी विवाद के हर पहलू और दृष्टिकोण को स्थान दिया जाता है। पत्रिका की असली ताकत उसके पाठक हैं।

श्रद्धेय कर्पूर चन्द्र कुलिश

पत्रिका अखबार हर दिन लोगों के घर के दरवाजे खोलता है और पढ़ने के बाद मन के दरवाजे खोलता है। — **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

पाठक ही पूंजी

गुलाब कोठारी

महर्षि याज्ञवल्क्य ने कहा था कि जो स्त्री उत्तम संतान प्रसव करती है वह राष्ट्र का, विष्णु का कार्य करती है। उसकी रक्षा करना राष्ट्र का धर्म है। उसकी दो प्रकार से देखभाल होनी चाहिए। एक- यह देखना कि जो गर्भवती के शरीर में जाता है- भोजन, वस्त्र, जल, वायु आदि- सब स्वच्छ हो। दो- जो कुछ बाहर जाता है वह भी समयानुसार हो। याज्ञवल्क्य संतान को कितना महत्व देते थे। विष्णु यज्ञ (संगठन) का नाम है। देखभाल करने वाली वैष्णवी (समाज) है।

इस दृष्टि से राजस्थान पत्रिका वह उत्तम संतान है जिसके विकास में समाज का पूरी जागरूकता के साथ सहयोग रहा है। पाठक ही हमारी पूंजी है। आज जब मीडिया ने मुद्रा का रूप ले लिया, सोशल मीडिया तो सत्य रूपी खानदान को बेचकर खाने लगा है, वहीं पत्रिका लोकतंत्र के जागरूक प्रहरी की भूमिका संकल्प की तरह निभा रहा है। गीता के उद्घोष-'धर्म संस्थापनार्थाय संभवामि युगे-युगे' का अनुसरण करते हुए-'परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्' यज्ञ में अपनी विनम्र आहुतियां जारी रखे हुए है। यही तो पत्रिका के बीज-पुरुष श्रद्धेय बाबूसा. का ध्येय था। गुठली का मधुर रस आम में बना हुआ है। पाठक खाद-पानी के प्रति आज भी उतने ही संवेदनशील हैं, जितने पत्रिका के शैशव काल में थे। नतमस्तक होकर पाठकों का आभार!

यह सच है कि मीडिया सभ्यता के साथ बदलता है। किंतु जहां संस्कृति सुरक्षित रहे, वहीं देश के विकास का प्रतिनिधि बनता है। संस्कारविहीन संतानें कितनी भी हों अंत में आसुरी संपदा ही साबित होती है। राज भी वही करती है, किंतु कठिनाई के समय जनता का साथ नहीं देती। हमारे बागवानों ने सदा हमें मर्यादा में रखा। हर खबर के प्रति जागरूक रहते हैं। हमारे दफ्तर पहुंचने से पहले शिकायतकर्ता पत्रिका लेकर पहुंच जाते थे। वे हमारी विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए तपते थे। आभार!

> **संस्कारविहीन संतानें कितनी भी हों अंत में आसुरी संपदा ही साबित होती है। राज भी वही करती है, किंतु कठिनाई के समय जनता का साथ नहीं देती।**

कभी-कभी उठाईगिरे भी विज्ञापनों के माध्यम से धन बटोरते थे। ऐसे प्रत्येक विज्ञापनदाता के कामकाज का लगातार पीछा करते थे। आज यह भी गर्व का विषय है कि एक ओर तो पाठकों का विश्वास दृढ़ हो गया, वहीं दूसरी ओर विज्ञापनदाताओं को भी पत्रिका के साथ गर्व का अनुभव होता है। 'जैसी संगत बैठिए तैसोई फलदीन।' इसी कारण पत्रिका लोकतंत्र का चौथा पाया नहीं है। हर चुनाव में लोकतंत्र को सींचने का कार्य करता रहता है। अच्छे जनप्रतिनिधि चुनने के लिए जागो जनमत-जनप्रहरी जैसे अभियान चलाकर सही प्रतिनिधि चुनने में भूमिका निभाना एवं जनता के सहयोग से अच्छे को चुन लेना। इससे बड़ी दौलत क्या हो सकती है।

सरकारें भी अब पहले जैसे त्वरित निर्णय नहीं लेती। मंत्री कम, अफसरों की भीड़। दोनों की शिक्षा-दीक्षा के बीच बड़ी खाई। सबके अपने-अपने अहंकार और संस्कारों का टकराव। वहां भी देव और असुर उतने ही हैं जितने सृष्टि और समाज में हैं। धन कमाना सबकी प्राथमिकता हो गई। यश किसको चाहिए! सरिस्का में अवैध निर्माण, 700 हैक्टेयर सरकारी जमीन की लूट, संस्कृत विश्वविद्यालय पर प्रशासनिक अतिक्रमण, मास्टर प्लान एवं जलमहल जैसे मुद्दों पर कानून की अवहेलना, राजस्थान सरकार का कांग्रेस के भ्रष्ट मंत्री के पक्ष में गुहार (सर्वोच्च न्यायालय में) आदि कुछ बानगी है नए लोकतंत्र की। पत्रिका लगभग सभी मुद्दों पर दृढ़ता के साथ लोहा ले रहा है। लंका में सब बावन गज के, पत्रिका बहुत छोटा है। गिलहरी की तरह जुटा हुआ है।

पत्रिका को गर्व है कि उसने पाठकों के सहयोग से प्रदेश में जनहित के अनेक मामलों में कीर्तिमान बनाए। अमृतं जलम्, बाढ़ राहत, हरयाळो राजस्थान/हरित प्रदेश, एक मुट्ठी अनाज योजना, काला कानून के विरुद्ध संघर्ष, रामगढ़ बांध के लुटेरों से संघर्ष, पेपरलीक, मादक पदार्थ-बजरी तस्करी, भू-माफिया का आतंक, नकली दवाओं के विरुद्ध अभियान, तेल चोरी के डकैत, सट्टेबाज, महिला अत्याचारों-साइबर ठगों के खिलाफआदि मुद्दों पर अभियान जारी हैं, आगे भी जारी रहेंगे। जन-जागरूकता प्रशिक्षण कार्य भी जारी रहेंगे।

चुनौती भरा होगा आने वाला कल @पेज 09

gulabkothari@epatrika.com

हमारा ध्येय: पाठकों की आवाज
संकल्प: सत्ता को जगाए रखना...

पत्रिका की पहचान इसके स्वतंत्र विचारों के लिए है तो सटीक खबरों के लिए भी, तभी तो दूर तक असर होता है। हमारा एक ही ध्येय है- पाठकों की चिंता करना। पाठकों की आवाज बनकर सत्ता को जगाए रखना। लोकतंत्र का सजग प्रहरी बनने के संकल्प के साथ सात दशक पहले पत्रिका की शुरुआत हुई। पत्रिका ने उस संकल्प को निरंतर मजबूती देने के लिए सरकारों की नाराजगी की भी परवाह नहीं की। न किसी दबाव में आया और न ही किसी प्रभाव में। समय के साथ काफी कुछ बदला। पत्रिका भी बदलाव के साथ रहा, लेकिन अपनी रीति-नीति से समझौता किए बिना। आइए, आप और हम भी समय के साथ आगे बढ़ें, ऊपर उठें।

भविष्य की उड़ान
समाज में बदलाव

समाज को जोड़ने की पहल पत्रिका भविष्य में ऐसे 12 बड़े सामाजिक अभियान चला सकता है, जो लोगों को परिवार के सदस्य की तरह जोड़ें और बदलाव लाने में सहायक हों।

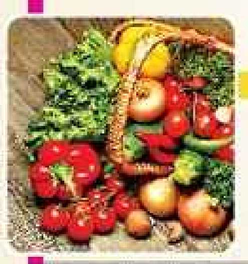

1 सस्टेनेबल फूड टेक्नोलॉजी
भविष्य की थाली...
जरूरत क्यों: खान-पान में बदलाव आ रहा है। प्लांट-बेस्ड डाइट के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। ऑनलाइन फूड डिलीवरी की शुद्धता जांच का सिस्टम नहीं।

2 स्वच्छ भारत मिशन
स्वच्छता + तकनीक = उज्ज्वल भविष्य... **जरूरत क्यों:** इंदौर-सूरत ने दिखाई राह, बाकी शहर उनकी बराबरी में नहीं पहुंच पा रहे। देश के अधिकांश स्मार्ट सिटी इसमें पीछे हैं।

3 अपनी उपज- अपना उद्योग
दाम भी, काम भी... **जरूरत क्यों:** कृषि से जुड़े स्थानीय प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देकर अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा सकता है, लेकिन इसके लिए अभी प्रयास नहीं हो रहे।

4 रोजगार 2.0: वर्चुअल इकोनॉमी
युवा भारत, वित्तीय भविष्य... **जरूरत क्यों:** भविष्य में जॉब्स पूरी तरह बदल जाएंगी। डिजिटल करेंसी और वर्चुअल असेट्स से मौजूदा अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आएगा।

5 अपना खनिज-अपना उद्योग
बदलेगी तकदीर... **जरूरत क्यों:** समृद्ध खनिज संसाधनों का उपयोग कर स्थानीय उद्योगों का विकास हो, जिससे बाहरी बाजारों पर निर्भरता कम हो सके और लोगों का आर्थिक सशक्तीकरण हो।

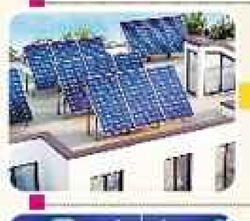

6 हरित ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन
घर-घर सौर शक्ति... **जरूरत क्यों:** जलवायु परिवर्तन दुनिया के लिए चुनौती बना हुआ है। भविष्य में बिजली की बढ़ती मांग को ग्रीन एनर्जी से पूरा करना हमारा लक्ष्य रहेगा।

7 ब्लॉकचेन आधारित सरकारी सेवाएं
भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन... **जरूरत क्यों:** पारदर्शिता और सुरक्षा के लिए ब्लॉकचेन तकनीक को सरकारी सिस्टम का हिस्सा बनवाने के प्रयास, ताकि भ्रष्टाचार में कमी आए।

8 महिला सुरक्षा 2.0, सशक्तीकरण भी
सशक्त नारी, सुरक्षित समाज... **जरूरत क्यों:** महिलाओं की सुरक्षा पहले से ही बड़ा मुद्दा रहा, भविष्य में सुरक्षा के साथ ही उनके अधिकारों को नई तकनीकों से मजबूती देनी होगी।

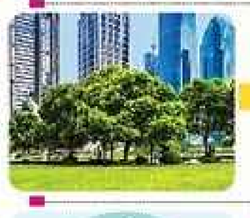

9 क्लाइमेट-फ्रेंडली शहरीकरण
भविष्य के शहर, जलवायु के अनुरूप...
जरूरत क्यों: बढ़ती आबादी व प्रदूषण को देखते हुए स्मार्ट शहरीकरण की जरूरत। अब शहरों की संरचना बदलनी होगी।

10 युवा मानसिक स्वास्थ्य अभियान
स्वस्थ दिमाग, खुशहाल जीवन...
जरूरत क्यों: भागदौड़ भरी जिंदगी मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही है। युवाओं के आत्महत्या के मामले कम नहीं हो रहे।

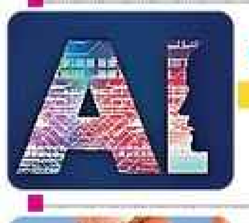

11 एआई साक्षरता अभियान
हर हाथ में तकनीक, हर दिमाग में समझ...
जरूरत क्यों: भविष्य में हर सेक्टर में एआई का दखल बढ़ेगा। इसे समझना और उपयोग करना हर वर्ग के लिए आवश्यक होगा।

12 फेक न्यूज और साइबर सेफ्टी
सत्य की रक्षा... **जरूरत क्यों:** डीपफेक वीडियो, फेक न्यूज और ऑनलाइन फ्रॉड आने वाले समय में बड़ी समस्या बन सकते हैं। इसके प्रति जागरूकता आवश्यक है।

सात दशक से पत्रिका
आपकी आवाज आपका भरोसा

7 पहल 7 बदलाव

पत्रिका ने जनता को मजबूत बनाने और सरकार से लोगों को उनके हक दिलाने के लिए चलाए गए ये प्रमुख अभियान

शहरों का मास्टर प्लान

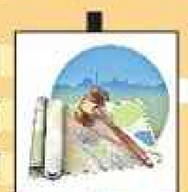

2004 से लगातार
बदलाव: अनियंत्रित विस्तार को रोककर कई कस्बों में भी मास्टर प्लान और सेक्टर प्लान बनने लगे।

'जब तक काला, तब तक ताला'

वर्ष 2017
बदलाव: राजस्थान सरकार ने भ्रष्टाचार करने वालों को संरक्षण देने के लिए लाए गए अध्यादेश और विधेयक को वापस लिया।

जन-गण-मन यात्रा, जनप्रहरी

वर्ष 2003
बदलाव: पंचायतों से लेकर विधानसभा तक अभियान से जुड़े कुल 519 प्रतिनिधि विजयी हुए।

अमृतं जलम्

2004 से शुरू
बदलाव: 6,50,000 स्वयंसेवकों को प्रेरित कर 3,000 जल निकायों को पुनर्जीवित किया। लोगों को इसके लिए जागृत किया।

हरियाळो राजस्थान/ हरित प्रदेश

2005 से शुरू
बदलाव: 26.67लाख से अधिक पौधे लगाए। राजस्थान सरकार ने हरियाळो राजस्थान के नाम से पौधारोपण अभियान शुरू किया।

नींव

वर्ष 2015
बदलाव: राजस्थान के सभी ब्लॉक्स में स्कूलों की मैपिंग की गई, राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिली।

पत्रिका रक्षा कवच

वर्ष 2024 से शुरू
बदलाव: साइबर अपराधों से बचाव के लिए लोग जागरूक हुए, ठगी से बचे। पत्रिका को धन्यवाद दिया।

बढ़ते गए कदम...
पाठक सर्वोपरि...

***पत्रिका** अपनी स्थापना के समय से ही हर दिन एक अखबार से बढ़कर पाठकों की भावनाओं का गुलदस्ता बनकर पेश होता रहा है। विचारों से सहमत नहीं होने पर भी विचार प्रकट करने के अधिकारों की रक्षा की। आपातकाल हो या कोई अन्य दशक, हर वक्त पाठकों के मन की बात का सम्मान किया। कई बार इसकी कीमत भी चुकानी पड़ी, लेकिन लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता जागरुकता अभियान चलाने से लेकर सरकार के काला कानून लाने के विरोध में 'जब तक काला-तब तक ताला' अभियान जारी रखा। यही तो कारण है, पीढ़ी दर पीढ़ी पाठक हमारे साथ खड़ा है और हम पाठक के साथ।*

दशक - दर - दशक

1956-1965

पाठकों का साथ
पहला अंक 7 मार्च 1956 को सायंकालीन दैनिक के रूप में। वाल्तेयर के कथन 'हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत नहीं हूं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा।' को बनाया ध्येय वाक्य। राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर में बैंच के आंदोलन के दौर में पत्रिका रहा मुखर। 1962 में भारत-चीन युद्ध के हर पहलू से रखा पाठकों को अपडेट।

1966-1975

नवाचार के साथ अपनाई तकनीक
***वर्ष** 1966 में स्वचालित मशीन से छपाई शुरू। पहली स्टोरियो मशीन भी पत्रिका में लगी। वर्ष 1975 में तत्कालीन पीएम इन्दिरा गांधी का चुनाव अवैध ठहराने को बताया उचित। आपातकाल की घोषणा पर विरोध स्वरूप संपादकीय को खाली छोड़ा।*

1976-1985

जनता के साथ, मिले पुरस्कार
***जनता** की परेशानियों को देखते हुए राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर में बैंच की मांग का समर्थन। वर्ष 1977 के चुनावों के नतीजों में पत्रिका की भविष्यवाणी रही सटीक। जयपुर के 250वें स्थापना दिवस पर शहर में पत्रिका की ओर से भव्य आतिशबाजी पत्रिका मुख्यालय केसरगढ़ में। पत्रिका का प्रकाशन अंग्रेजी में भी। मुद्रण व डिजायन के लिए पत्रिका को राष्ट्रीय पुरस्कार।*

1986-1995

सामाजिक सरोकार को प्राथमिकता
***कोटा** व बीकानेर से पत्रिका के चौथे व पांचवे संस्करण की शुरुआत। सामाजिक सरोकार के कार्यों को प्राथमिकता दी। करगिल युद्ध के शहीदों के परिजनों को सहायता पहुंचाई, तो सुनामी प्रभावित परिवारों की सहायता की। गिद्धों के संरक्षण के लिए गिद्ध देखो, गिद्ध बचाओ अभियान शुरू किया।*

1996-2005

उत्तर-दक्षिण के बीच सेतु
***बेंगलूरु** में संस्करण के साथ दक्षिण में कदम। इसी दशक में अहमदाबाद (गुजरात) कोलकाता (पश्चिम बंगाल) व चैन्नई (तमिलनाडु) में भी पत्रिका की दस्तक। उत्तर-दक्षिण के बीच सेतु बना पत्रिका। एशिया भर में रिपोर्टिंग व मुद्रण में श्रेष्ठता का पत्रिका को अवार्ड। मतदाता जागरुकता कार्यक्रमों की शुरुआत की।*

2006-2015

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ में दस्तक
***मध्यप्रदेश** की राजधानी भोपाल में पत्रिका। छत्तीसगढ़ में भी शुरुआत। वार्ड स्तर पर क्रिकेट खिलाड़ियों को तराशने के लिए पत्रिका कप। पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी के दिशा बोध कार्यक्रम की शुरुआत। न्यूज फोटोग्राफी के लिए पत्रिका को इफ्रा एशिया अवार्ड। कुलिश जी की स्मृति में अंतरराष्ट्रीय अवार्ड शुरू।*

2016-2025

लोकतंत्र मजबूती के कदम
***मतदाता** जागरुकता के लिए चुनाव आयोग से दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार हासिल किया। शहरों को मास्टर प्लान से नियोजित करने की मुहिम, राजस्थान में भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने वाले काले कानून को निरस्त कराया। मध्यप्रदेश में भी सरकार के ऐसे ही प्रयासों को रोका। कोविडकाल में जनता का साथ दिया और उन्हें कमजोर नही पड़ने दिया।*

***पत्रिका** की **सात दशक** की यात्रा से जुड़ी शॉर्ट फिल्म को आप **क्यूआर कोड स्कैन** कर देख सकते हैं।*

जनता की आवाज उठाई तो सरकारें भी झुकने को हुई मजबूर

20-02-2018

काला कानून वापस

राजस्थान: राजस्थान सरकार ने जब भ्रष्ट अफसरों को बचाने के लिए सीआरपीसी की कुछ धाराओं में संशोधन किया। पत्रिका सच के लिए खड़ा हुआ।
असर : लंबी लड़ाई के बाद सरकार को 'काला कानून' वापस लेना पड़ा।

16-01-2018

रिफाइनरी का शिलान्यास

राजस्थान: बाड़मेर में 2003 में क्रूड ऑयल का खजाना मिला। पत्रिका ने राज्य की पहली रिफाइनरी स्थापित कराने के लिए अभियान शुरू किया।
असर : अंततः पचपदरा में रिफाइनरी का शिलान्यास किया।

27-11-2024

टॉयलेट एक शर्मकथा

राजस्थान: कामकाजी महिलाओं के लिए दफ्तरों में स्वच्छ टॉयलेट, रेस्ट रूम, क्रैच व कॉमन रूम जैसी आवश्यक सुविधाएं आज भी नहीं हैं।
असर : हाईकोर्ट ने पीआइएल दर्ज की। बजट में 500 पिंक टॉयलेट की घोषणा।

01-12-2024

पत्रिका रक्षा कवच

राजस्थान: साइबर अपराधियों के ठिकानों पर जाकर उनको सामने लाने का साहसिक कार्य किया। इसका मकसद था अनजान अपराधी सामने आएं।
असर : पुलिस ने धरपकड़ की और उनको सलाखों के पीछे पहुंचाया।

28-09-2024

हूटरबाज लीडर

मध्यप्रदेश: सुप्रीम कोर्ट के आदेश मंत्रियों सहित प्रभावशाली नेताओं की गाड़ियों से लालबत्तियां तो उतर गईं, लेकिन हूटर नहीं उतर पाए। इसको मुद्दा बनाया।
असर : कमिश्नर के आदेश पर हूटर उतारे गए, वीआईपी कल्चर समाप्त।

17-09-2024

बस सेवा का श्रीगणेश

मध्यप्रदेश: मध्यप्रदेश में परिवहन सेवाओं की स्थिति और उससे सरकार की दूरी को लेकर अभियान चलाया गया।
असर: सरकारी बस सेवा का श्रीगणेश, लोगों को सहुलियत होगी।

08-01-2025

घटिया इंजेक्शन

छत्तीसगढ़: मरीज को इंजेक्शन लगाने के बावजूद खून पतला नहीं हुआ। मुद्दा उठाने पर जांच में हिपेरिन इंजेक्शन घटिया होने का खुलासा।
असर : जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई। कांट्रेक्ट निलम्बित।

श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित बिजनेस कॉन्क्लेव में बोले लोकसभा अध्यक्ष

भारत की महिलाएं और युवा दुनिया भर में परिवर्तन के अग्रदूत होंगे : बिरला

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत के ऊर्जावान और दूरदर्शी युवा पूरी दुनिया में इनोवेशन और रिसर्च में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। भारत की प्रगति और विकास में महिलाएं सबसे आगे हैं। भविष्य में देश के युवा और महिलाएं दुनियाभर में परिवर्तन के अग्रदूत होंगे।

बिरला ने यह बातें दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स की ओर से आयोजित बिजनेस कॉन्क्लेव में कहीं। बिरला ने देश की उन्नति को गति देने में युवाओं की अपरिहार्य भूमिका के बारे में बात की। बिरला ने विद्यार्थी जीवन को जीवन का स्वर्णिम चरण बताया और कहा कि इस समय उनके पास असीम अवसर और संभावनाएं हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे शीघ्र अपनी दिशा तय करें, लक्ष्य निर्धारित करें और दृढ़ संकल्प के साथ उन्हें प्राप्त करें। अपने सपनों को पूरा करने के लिए महत्वाकांक्षा के साथ ही दृढ़ निश्चय और अटल इरादे की जरूरत होती है। बिरला ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे संसाधनों की कमी को अपनी प्रगति में बाधा न बनने दें। दृढ़ संकल्प से चुनौतियों को अवसरों में बदला जा सकता है। सशक्त और सकारात्मक सोच से समाज और राष्ट्र की बेहतरी में योगदान देने के साथ ही व्यक्तिगत लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। बिरला ने कहा कि शिक्षा हमारे मन-मस्तिष्क को आलोकित करती है, आत्मा को संपुष्ट करती है और व्यक्ति को समाज के भीतर परिवर्तन और प्रगति का वाहक बनने की प्रेरणा देती है। बिरला ने स्वीकार किया कि तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकी के परिदृश्य में मानसिक आयामों के विस्तार की अपार संभावना है। लेकिन तकनीकी क्रांति को अपनाते हुए हमें इसके सामाजिक पहलू और इससे उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के बारे में सचेत रहना चाहिए।

नई दिल्ली के कैबिनेट मंत्री ने किए महाकाल के दर्शन

उज्जैन @ पत्रिका. नई दिल्ली के नवनिर्वाचित कैबिनेट मंत्री व उपनेता सदन प्रवेश वर्मा ने सपत्नीक अपने उज्जैन प्रवास के दौरान महाकालेश्वर भगवान का दर्शन व पूजन किया।

उन्होंने कहा कि महाकालेश्वर मंदिर के दर्शन व्यवस्था तारीफ के काबिल हैं। प्रदेश सरकार यहां अच्छा काम कर रही है। बाबा महाकाल का पूजन दर्शन करने के साथ ही नंदीजी के कानों मे अपनी मनोकामना भी कही।

पूजन पुजारी राजेश शर्मा व आकाश शर्मा द्वारा सम्पन्न करवाया गया। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उपप्रशासक एस.एल.सोनी व सिम्मी यादव ने उनका सम्मान किया।

तीनों राज्यों के बीच भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को विकसित करने के लिए बनेगा रोडमैप

राजस्थान ही नहीं, गुजरात के साथ भी जुड़ेगा मप्र का श्रीकृष्ण पाथेय

भोपाल @ पत्रिका. अब मध्यप्रदेश का श्रीकृष्ण पाथेय राजस्थान के साथ गुजरात से भी जुड़ेगा। तीनों राज्यों में इस पाथेय के तहत उन स्थलों को चिह्नित किया जाएगा, जो भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े हैं। इन्हें धार्मिक पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जाएगा। अब सरकार इसका नए सिरे से रोडमैप बनाएगी। पहले यह पाथेय मप्र और राजस्थान के बीच विकसित किया जाना था, अब गुजरात को इसलिए शामिल किया जा रहा है, क्योंकि मप्र के उज्जैन में रहने के दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने उक्त काल में विरोधी ताकतों से लड़ने के लिए गुजरात की यात्राएं भी की थीं।

असल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार भगवान श्रीकृष्ण पाथेय के विकास को लेकर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। इसमें राजस्थान के प्रतिनिधि के रूप में राज्यमंत्री दर्जा प्राप्त ओंकार सिंह लखावत भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने बताया कि उक्त पाथेय को लेकर मप्र के साथ राजस्थान सरकार एकमत हैं। दोनों सरकारें तो मिलकर काम करेंगी ही, अब गुजरात से भी सहयोग लेंगे।

समितियों के पदाधिकारी काम पर लग जाएं: पाथेय के लिए अलग-अलग समितियां बनी है। मुख्यमंत्री ने सभी के प्रमुखों को सक्रिय होकर काम करने, पुरातत्वविदों, धर्माचार्यों एवं भगवान श्रीकृष्ण साहित्य के अच्छे लेखकों को जोड़ने के निर्देश दिए और कहा कि उज्जैन, राजस्थान के जयपुर, भरतपुर, ब्रज, चौरासी कोस या अन्य किसी विशिष्ट स्थल पर समिति बैठक करें। ताकि राज्यों में श्रीकृष्ण पाथेय के लिए सकारात्मक वातावरण बन सके।

उज्जैन का सांदीपनि आश्रम बनेगा केंद्र बिंदु

भगवान श्रीकृष्ण का मप्र के अलावा अन्य राज्यों में भ्रमण का उल्लेख मिलता है। इन सभी गमन स्थलों को चिह्नित कर, इनका अभिलेखीकरण किया जाएगा। उज्जैन के सांदीपनि आश्रम को श्रीकृष्ण पाथेय के विकास एवं विस्तार के लिए केंद्र बिंदू बनाया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार भगवान श्रीकष्ण ने मथुरा, उज्जैन, द्वारिका, ब्रज मंडल, मेवात, मालवा, निमाड़, गुजरात, राजस्थान, विदर्भ, महाराष्ट्र के अनेक क्षेत्रों की यात्राएं की थीं। उनकी यात्रा का प्रमुख केंद्र उज्जैन रहा था।

सी-डॉट ने केरल पुलिस के लिए बनाया 'त्रिनेत्र'

नई दिल्ली . दूरसंचार विभाग (डीओटी) के प्रमुख अनुसंधान एवं विकास केंद्र सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट) ने केरल पुलिस के लिए साइबर सुरक्षा परिचालन केंद्र 'त्रिनेत्र' डिजाइन और विकसित किया है। केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने पुलिस प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के लिए साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस केंद्र 'त्रिनेत्र' का उद्घाटन किया। सी-डॉट का 'त्रिनेत्र' समाधान एक एआइ-संचालित, स्वदेशी, एकीकृत साइबर सुरक्षा मंच है जिसे उद्यमों और महत्वपूर्ण क्षेत्रों की साइबर सुरक्षा के लिए तैयार किया गया है।

हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए सकारात्मक कार्रवाई तुष्टीकरण राजनीति से अलग

ऐतिहासिक रूप से लोकलुभावनवाद बुरी अर्थव्यवस्था : धनखड़

मुंबई में 'नेतृत्व और शासन' विषय पर पहले मुरली देवड़ा मेमोरियल डायलॉग्स में उद्घाटन पर बोले उपराष्ट्रपति

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली/ मुंबई. उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि डेमोक्रेसी से ''इमोक्रेसी'' की ओर बदलाव पर राष्ट्रीय बहस जरूरी है।भावना-संचालित नीतियां, भावना-संचालित बहसें, विमर्श सुशासन को खतरा पहुंचाते हैं।

ऐतिहासिक रूप से लोकलुभावनवाद बुरी अर्थव्यवस्था है। एक बार नेता लोकलुभावनवाद से जुड़ जाए, तो संकट से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है।

उपराष्ट्रपति ने महाराष्ट्र के मुंबई में ''नेतृत्व और शासन'' विषय पर पहले ''मुरली देवड़ा मेमोरियल डायलॉग्स'' में उद्घाटन भाषण देते हुए यह बातें कही। धनखड़ ने कहा कि लोगों को क्षणिक सशक्त करने के बजाय उन्हें स्वयं को सशक्त बनाने के लिए सशक्त करें, क्योंकि यह उनकी उत्पादकता को प्रभावित करता है।

धनखड़ ने कहा कि एक नई रणनीति का उदय हो रहा है, और वह है तुष्टीकरण या प्रशमनकारी होने की। यदि चुनावी वादों पर अत्यधिक खर्च किया जाता है, तो राज्य की बुनियादी ढांचे में निवेश करने की क्षमता उसी अनुपात में कम हो जाती है। यह विकास परिदृश्य के लिए हानिकारक है। लोकतंत्र में चुनाव महत्वपूर्ण है लेकिन यह अंत नहीं है। इस अवसर पर महाराष्ट्र के राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे,राज्य सभा सांसद एवं वरिष्ठ कोटक प्रतिनिधि मिलिंद देवड़ा, कोटक महिंद्रा बैंक के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि सकारात्मक कार्रवाई, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण पवित्र है। ग्रामीण भारत, किसान के लिए अपवादात्मक स्थितियां हैं, जहां सकारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। यह तुष्टिकरण नहीं, बल्कि न्यायसंगत आर्थिक नीति है। इसलिए, यह अच्छा नेतृत्व है जो राजनीतिक दूरदर्शिता और नेतृत्व की रीढ़ के मामले में वित्तीय अर्थ में कहां रेखा खींचनी है, इस पर निर्णय ले सकता है।

राजनीतिक दलों से वादों की समीक्षा की अपील

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों के हित में सभी राजनीतिक दलों के नेतृत्व से आह्वान है कि वे इस आम सहमति को जन्म दें कि ऐसे चुनावी वादों में शामिल होना, जिन्हें केवल राज्य के पूंजीगत व्यय की कीमत पर पूरा किया जा सकता है, की समीक्षा की जानी चाहिए। कुछ सरकारें जिन्होंने इस तुष्टीकरण तंत्र का सहारा लिया, उन्हें सत्ता में बने रहना बहुत मुश्किल हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए सकारात्मक कार्रवाई तुष्टीकरण राजनीति से अलग है।

सिलवासा में अस्पताल का लोकार्पण, सूरत में अन्न सुरक्षा संतृप्तिकरण अभियान का आगाज

दो दिन दक्षिण गुजरात के मेहमान रहेंगे पीएम मोदी, बांटेंगे सौगात

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली/सूरत. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7 और 8 मार्च को दक्षिण गुजरात के मेहमान बनेंगे। इस दौरान वह सिलवासा, सूरत और नवसारी में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे साथ ही जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के आगमन से पहले तीनों ही जगह पर सुरक्षा व्यवस्था समेत सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सात मार्च सुबह सात बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सूरत एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे। यहां से वे हेलीकॉप्टर के जरिए सिलवासा में पहुंचेंगे। यहां पर 555 बेड के अस्पताल का लोकार्पण करने के साथ ही जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर को वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए ही सूरत के लिंबायत क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम के लिए सूरत पहुंचेंगे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नवसारी के वांसी बोरसी में लखपति दीदियों से करेंगे मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के रूट पर गुरुवार को रिहर्सल करते हुए।

नवसारी में सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेंगी महिला पुलिस

8 मार्च, विश्व महिला दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नवसारी के वांसी बोरसी में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री सूरत से सुबह कार्यक्रम के लिए रवाना होंगे। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस कार्यक्रम की सुरक्षा पूरी तरह से महिला पुलिस के कंधों पर रहेगी। हेलीपेड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा व्यवस्था महिला पुलिस टीम के हाथों में रहेगी। जिसके लिए गृह विभाग की प्रमुख सचिव निपुणा तोरवणे की देखरेख में 2420 महिला पुलिस व अधिकारी तैनात रहेंगे।

लखपति दीदी सम्मलेन में एक लाख महिलाएं भाग लेंगी, 10 लखपति दीदियों के साथ संवाद

महिला दिवस पर मोदी ढाई लाख महिलाओं को 450 करोड़ की मदद देंगे

5 को सम्मानित करेंगे पीएम, महिलाओं को सक्षम बनाने दो नई योजना भी शुरु करेंगे

अहमदाबाद. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 7 व 8 मार्च को गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नवसारी जिले के वांसी बोरसी में लखपति दीदी सम्मेलन में लखपति दीदियों को आर्थिक प्रोत्साहन देंगे। साथ ही वे महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने वाली दो महत्वपूर्ण राज्य विशिष्ट योजनाएं -जी सफल व जी मैत्री- भी शुरू करेंगे। लखपति दीदी कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के हाथों 25 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों (सेल्फ हेल्प ग्रुप) की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को 450 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता दी जाएगी। इसमें नवसारी, वलसाड तथा डांग जिलों की 1 लाख महिलाएं भाग लेंगी। इन महिलाओं में स्वयं सहायता समूहों की वे सदस्य महिलाएं शामिल होंगी, जो लखपति दीदी बनी हैं या बनने की इच्छा रखती हैं। चयनित 10 लखपति दीदियों के साथ प्रधानमंत्री संवाद करेंगे और 5 को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित करेंगे।

मुआवजे के विवाद में बेटियों ने रोका मां का अंतिम संस्कार

बेंगलूरु. चिकबल्लापुर जिले के गौरीबिदनूर थाना क्षेत्र के दोड्डकुरुगोडू गांव में मुआवजे के बंटवारे को लेकर बेटों और बेटियों के बीच विवाद के कारण मां अनंतक्का (65) का अंतिम संस्कार रुक गया। उनकी आयु-संबंधी बीमारी से उनकी मृत्यु हो गई थी।

कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआइएडीबी) ने अनंतक्का की 1 एकड़ जमीन अधिग्रहित कर 93 लाख रुपए मुआवजा दिया था। यह राशि चार बेटों ने अपने खातों में जमा कर ली, जिससे नाराज बेटियों ने कोर्ट का रुख किया। कोर्ट ने बेटियों को 40 लाख रुपए देने का आदेश दिया, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। बुधवार रात अनंतक्का की मृत्यु के बाद बेटों ने अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू की, लेकिन बेटियों ने 40 लाख रुपए की मांग करते हुए शव देने से इनकार कर दिया। विवाद बढ़ने पर उन्होंने शव को ग्रामीण थाने के बाहर रखकर शिकायत दर्ज की। गुरुवार सुबह तहसीलदार ने हस्तक्षेप कर बेटियों को मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया, तब जाकर अंतिम संस्कार हुआ। अनंतक्का के पति की मृत्यु पहले ही हो चुकी है।

शिविर प्रभारी भू-अभिलेख निरीक्षक को नोटिस

जयपुर @ पत्रिका. जिला कलक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को किसान रजिस्ट्री शिविर में प्रत्येक किसान का पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं। कलक्टर सोनी ने गुरुवार को किसान रजिस्ट्री शिविरों का निरीक्षण किया।

अदालतें छह माह में डिक्री निष्पादन मामलों को निपटाएं: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली @ पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाईकोर्टों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि निचली अदालतें अगले छह माह में सिविल डिक्री निष्पादन संबंधी मामलों में फैसला करें। कोर्ट ने कहा कि निष्पादन कार्यवाही में देरी से डिक्रीधारकों के अधिकार प्रभावित होते हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने यह निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर पीठासीन अधिकारी को प्रशासनिक तौर पर हाईकोर्ट के प्रति जवाबदेह होना होगा। कोर्ट ने तमिलनाडु के 40 साल पुराने डिक्री निष्पादन संबंधी मामले का निपटारा करते हुए यह निर्देश दिए।

मायावती के भतीजे आकाश आनंद समेत अन्य कार्यकर्ताओं से कांग्रेस में शामिल होने की अपील

सामाजिक आंदोलन से बनी बसपा का हुआ भाजपाकरण : उदित

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती के पिछले दिनों के सियासी दांवपेच पर कांग्रेस आक्रमक हो गई है। कांग्रेस नेता व दलित, ओबीसी, मॉइनोरिटीस एवं आदिवासी (डोमा) परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदित राज ने कहा कि सामाजिक आंदोलन से बनी बसपा का अब भाजपाकरण हो गया है। उन्होंने मायावती के भतीजे आकाश आनंद समेत अन्य बसपा कार्यकर्ताओं से कांग्रेस में शामिल होकर दलित-पिछड़ों के हक की लड़ाई लडने की अपील की है।

उदित राज ने यह बातें गुरुवार को पत्रकार वार्ता में कहीं। उन्होंने कहा कि बसपा का उत्थान अन्य दलों से भिन्न है। शुरुआत इसकी सामाजिक आंदोलन से हुई और बाद में राजनीतिक पार्टी बनी। सामाजिक न्याय और समानता की सोच रखने के चलते पिछले चार दशक से आरोप पर आरोप लगाने के बावजूद कांग्रेस ने पलट कर जवाब नहीं दिया। कांग्रेस ने दलित, आदिवासी और पिछड़ों को हिस्सेदारी दी और उसी को अंबेडकर विरोधी और दलित विरोधी बताकर हमला बोला जाता रहा। अब जब बसपा का भाजपाकरण हो गया है तो चुप बैठा नहीं रहा जा सकता। बसपा का जन्म और ताक़त देने वाले ग़रीब दलित और कर्मचारी थे।

इन्होंने अपने खून-पसीने से बसपा को सींचा है। कांशीराम के बढ़ाए नेतृत्व का अपमान करना और अंत में उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया। उन्होंने कहा कि जो आंदोलन डॉ अंबेडकर के विचारों के आधार पर खड़ा हुआ, आज वही विपरीत दिशा में चल पड़ा है।

आकाश आनंद के बयानों से भाजपा थी परेशान

उदित राज ने कहा कि आकाश आनंद को दो बार कॉर्डिनेटर बनाना और निकालना, दर्शाता है कि बसपा को भाजपा संचालित कर रही है। बिना दबाव मायावती ऐसा आत्मघाती कदम नहीं उठातीं। आकाश आनंद कांग्रेस-सपा से आगामी विधान सभा चुनाव में समझौता करने की वकालत कर रहे हैं, जिससे भाजपा परेशान हो गई। भाजपा का वोट बैंक और कहीं से नहीं बढ़ने वाला है। सिर्फ बसपा के वोट में भाजपा सेंध लगा सकती है, लेकिन आकाश आनंद के रहते यह मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद को कांग्रेस पार्टी में आकर संविधान, आरक्षण बचाने और जाति जनगणना की लड़ाई में सहयोग करना चाहिए।

42 महिलाओं को लोकमाता अहिल्याबाई होलकर महिला सम्मान : केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा...

ऐसा समाज बनाएं, जो समानता अपनाए और हीन भावना समाप्त हो

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केंद्रीय सड़क व परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि एक ऐसा समाज बनाना है, जो समानता को अपनाए और हीन भावना को समाप्त करें। भारतीय संविधान सामाजिक और आर्थिक समानता को बढ़ावा देता है, जो हमारे राष्ट्र की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण है और ज्ञान इसके केंद्र में है। गडकरी ने यह बातें अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में कमला अंकिबाई घामंद्रम गोवानी ट्रस्ट की ओर से प्रधानमंत्री संग्रहालय में आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होलकर महिला सम्मान 2025 समारोह में कहीं।

इस अवसर पर 42 महिलाओं को सम्मानित किया गया। गडकरी ने कहा कि हमारा देश प्रतिभा से भरा हुआ है, जिसमें पुरुष और महिलाएं अपनी उपलब्धियों के माध्यम से सम्मान अर्जित कर रहे हैं। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर महिला सम्मान उन अद्भुत महिलाओं को पहचानता है, जो हमें प्रेरित करती हैं। यह पुरस्कार हमारे समर्पण का प्रतीक है, जो प्रतिभा को ऊंचा उठाने और नए युग की परिवर्तन चैंपियनों को सम्मानित करता है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि महिलाएं हमारे समुदायों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हम एक अद्भुत परिवर्तन देख रहे हैं, क्योंकि वे नेतृत्व की भूमिकाओं में कदम रख रही हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि हमारे समाज में महिलाओं की ताकत, लचीलापन और संभावनाओं का प्रमाण हैं। कमला गोवानी ट्रस्ट की संस्थापक निदर्शना गोवानी ने कहा कि आज महिलाएं बाधाओं को तोड़ते हुए सभी क्षेत्रों में अद्भुत सफलता प्राप्त कर रही हैं।

वे शक्ति, लचीलापन और अडिग संकल्प की मिसाल हैं। आज हम जिन महिलाओं का सम्मान कर रहे हैं, वे परिवर्तन की अग्रदूत हैं। इस समारोह में श्रम और रोजगार मंत्री मानसुख मंडाविया, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष व विधायक वानाथी श्रीनिवासन और सांसद मनोज तिवारी उपस्थित रहे।

पोलमपोल भायो

रक्सा खातिर माँग ल्यो, जन-गण सूँ भुगतान।
नेता-गण ने भी अजी, भेजो 'बिल' श्रीमान !!

ट्रेंडिंग वीडियो

1.

लंदन में खालिस्तानियों ने की जयशंकर पर हमले की कोशिश

2.

अब तक का सबसे बड़ा मायरा, सुनकर उड़ जाएंगे होश

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV
राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

सरकार की पहल : टोंक-देवली में 8 की हुई नीलामी, खनिज विभाग ने की तैयारियां

लोगों को मिल सकेगी सस्ती बजरी, 34 जगह जारी होगी लीज

जलालुद्दीन खान
patrika.com

टोंक. भवन निर्माण करने वालों को सस्ती बजरी उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने पहल की है। सरकार ने इस बार बजरी की दर तय की है। इससे अधिक दर लेने पर संबंधित फर्म पर कार्रवाई होगी। फिलहाल मनमर्जी की दर वसूली जा रही है। राज्य सरकार की ओर से जिले से गुजर रही बनास नदी को बजरी खनन के लिए 34 हिस्सों में बांटा है। ऐसे में 34 प्लाट के मुताबिक बजरी की लीज जारी की जाएगी। इसमें अलग-अलग बजरी के लीज धारक होने पर मनमर्जी नहीं चल सकेगी। लोगों को तीन से चार गुना सस्ती बजरी मिल सकेगी और लोगों को आशियाना बनवाने में आर्थिक मदद मिल सकेगी। खनिज विभाग ने अभी तक 8 लीज की नीलामी कर दी है। पर्यावरण अनुमति मिलने के बाद यह शुरू होगी। खनिज विभाग के अधिकारियों के मुताबिक राज्य सरकार ने 50 रुपए प्रति टन की दर तय कर रखी है। लेकिन लीज धारक की ओर से फिलहाल प्रति टन 750 रुपए लिए जा रहे थे।

टोंक. बनास नदी में किया जा रहा बजरी का खनन।

सरकार ने तय किया

राज्य सरकार ने बजरी की दर 50 रुपए प्रति टन के हिसाब से चार गुना तक यानी 200 रुपए प्रति टन तय की है। लीज धारक इससे अधिक की राशि नहीं ले सकेंगे। इससे लोगों को तीन से चार गुना तक फायदा होगा।

यहां हो चुकी नीलामी

खनिज विभाग ने 8 लीज की नीलामी की है। इसमें बोरदा, बंथली, जलसीना, डोडावाड़ी व मूंडिया में एक-एक तथा सतवाड़ा में तीन लीज जारी की है। यह प्रत्येक 40 से 100 हैक्टेयर तक की लीज है।

यह है क्षेत्रफल

बनास नदी में बजरी खनन की लीज 8 हजार 837.84 हैक्टेयर में है। इसमें टोंक में 2 हजार 389.36, पीपलू में 3 हजार 342.10, देवली में एक हजार 667.78, टोडारायसिंह में एक हजार 260.96 तथा उनियारा में 177.64 हैक्टेयर क्षेत्र शामिल है। इसके अलावा बजरी का खनन नहीं किया जा सकता।

यहां होगा खनन: देवली क्षेत्र में राजमहल, सतवाड़ा, संथली, दूनी में 11 लीज में बंथली, जलसीना, जलेरी, नोंदपुरा, आमली, टोंक में 11 में पालड़ा, बोरदा, अहमदपुरा, लहन, छान, अरनियानील, अमीनपुरा, आदि पीपलू में 5 लीज शामिल हैं।

राज्य सरकार की ओर से टोंक जिले से गुजर रही बनास नदी में बजरी लीज के लिए 34 प्लॉट जारी किए जाएंगे। इनमें से 8 लीज जारी हो चुकी है। बाकी प्रक्रियाधीन है। इस बार रेट कंट्रोल की जाएगी। ताकि लोगों को सस्ती बजरी मिल सकेगी। **सोहनलाल सुथार,** सहायक अभियंता, खनिज विभाग टोंक

पांच अप्रेल तक सत्रांक भेजने होंगे

बीकानेर @ पत्रिका. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा में शामिल विद्यार्थियों के सत्रांक पांच अप्रेल तक बोर्ड कार्यालय को भेजने होंगे। संस्था प्रधानों को इसके बाद विलंब शुल्क अथवा दोगुना शुल्क देना होगा। माध्यमिक, उच्च माध्यमिक, वरिष्ठ उपाध्याय, प्रवेशिका एवं व्यावसायिक शिक्षा के नियमित परीक्षार्थियों के सत्रांक अंक शुक्रवार से भेजने शुरू कर दिए जाएंगे। पांच अप्रेल सत्रांक भेजने की अंतिम तिथि रखी गई है। सत्रांक अपलोड करने के बाद हार्ड कॉपी प्रिंट स्कूल प्रबंधन को अपने पास में रखना होगा। निर्धारित अवधि के बाद त्रुटि सुधार के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाएगा।

न्यूज शॉर्ट्स

राजनीति विज्ञान के साक्षात्कार 10 से

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग के तत्वावधान में सहायक आचार्य राजनीति विज्ञान (कॉलेज शिक्षा विभाग), 2023 के साक्षात्कार 10 मार्च से शुरू होंगे। सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सहायक आचार्य राजनीति विज्ञान (कॉलेज शिक्षा विभाग) के साक्षात्कार 21 मार्च तक चलेंगे। साक्षात्कार के समय अभ्यर्थियों को पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो, नवीनतम स्पष्ट फोटोयुक्त मूल पहचान-पत्र एवं समस्त मूल प्रमाण-पत्र और फोटो प्रति साथ लाना जरूरी होगा।

व्यावसायिक गतिविधियों में लगे वाहनों पर कार्रवाई, 13 वाहन जब्त

हनुमानगढ़ @ पत्रिका. क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी व जिला परिवहन अधिकारी के नेतृत्व में गुरुवार को गांव जण्डांवाली के पास कंस्ट्रक्शन कंपनी के निर्माण स्थल पर कामर्शियल वाहनों की जांच की। डीटीओ देवानंद के अनुसार तीन घंटे चली कार्रवाई में लगभग सात डंपर, ट्रक और ट्रोले, तीन क्रेन, दो एक्सक्वेटर मशीन और एक हाइड्रा मशीन ऐसी मिली, जिनके कागजात नियमानुसार सही नहीं थे, उन्हें जब्त किया गया।

शिक्षा विभाग : सरकारी योजनाओं की डिलीवरी में सबसे खराब प्रदर्शन

यूनिफॉर्म-छात्रवृत्ति बिना पढ़ाई, जरूरत के समय मदद नहीं

दिनेश कुमार स्वामी
patrika.com

बीकानेर. करीब पांच लाख कार्मिक और 80 लाख विद्यार्थियों वाला शिक्षा विभाग योजनाओं की डिलीवरी में फिसड्डी साबित हो रहा है। सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की जरूरतों के हिसाब से संचालित योजनाओं के तहत पुस्तकें, यूनिफॉर्म से लेकर साइकिल और दूध उपलब्ध कराने के प्रावधान हैं। चालू शिक्षा सत्र 2024-25 को ही देखें, तो सत्र समाप्ति में महज तीन महीने शेष हैं। बोर्ड की परीक्षा हो रही है, परन्तु विद्यार्थियों को अब तक स्कूल यूनिफॉर्म नहीं मिली। आधा शिक्षा सत्र बीतने के बाद गत नवंबर में छात्राओं को साइकिल नसीब हो पाई। कक्षा में बैठने के पहले दिन जिस सामान की जरूरत पड़ती है, वह आधे सत्र या इसके बाद मिलती है। इस बार भी विद्यार्थियों को अगस्त-सितम्बर में पुस्तकों का वितरण हो पाया।

बीकानेर में स्कूल यूनिफॉर्म बिना पहने स्कूल जा रहे बच्चे।

टॉपिक एक्सपर्ट

वेलकम किट में मिले तभी लाभ की सार्थकता

शिक्षा हर बच्चे का कानूनी अधिकार है। सरकारी स्कूलों में छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन योजनाएं संचालित होती हैं। किसी भी वजह से विद्यार्थी शिक्षा से वंचित नहीं रहे, इसके लिए मदद के प्रावधान किए गए हैं। इनमें साइकिल, यूनिफॉर्म, नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें, पोषाहार शामिल हैं। शिक्षा सत्र शुरू होते ही विद्यार्थी को वेलकम किट के रूप में पुस्तकें, ड्रेस, साइकिल, छात्रवृत्ति आदि मिल जानी चाहिए। **-ओम प्रकाश सारस्वत,** पूर्व संयुक्त निदेशक, माध्यमिक शिक्षा राजस्थान

शिक्षा सत्र 2024-25 : योजनाएं और उनकी प्रगति

योजना	पात्रता	चालू सत्र की प्रगति-हश्र
नि:शुल्क ड्रेस	आठवीं तक के विद्यार्थी	जुलाई 2024 में मिलनी थी, अब तक नहीं
नि:शुल्क साइकिल	9वीं कक्षा की सभी छात्राएं	जुलाई 2024 की जगह नवम्बर में मिलीं
टैबलेट योजना	कक्षा 8,10, 12 के मेधावी विद्यार्थी	जुलाई 2024 में मिलने थे, अब तक नहीं मिले
पुस्तकें वितरण	सभी विद्यार्थियों को मई में सत्र शुरू	पढ़ने को मिली अगस्त में
छात्रवृत्ति योजना	एससी, एसटी, दिव्यांग, सीडब्ल्यूएस	जुलाई 2024 में शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद
दूध वितरण	कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थी	जुलाई की जगह नवम्बर में उपलब्ध कराया

केंद्रीय मंत्री शिवराज के बेटे की शादी में पहुंचे बड़े नेता

विस में भाषा का स्तर सुधारने के प्रयास हों : तोमर

मध्यप्रदेश विस अध्यक्ष की पत्रकारों से बातचीत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के बेटे कार्तिकेय और उद्योगपति अनुपम बंसल की बेटी अमानत की शादी गुरुवार को उम्मेद भवन में हुई। इसमें राजस्थान और मध्यप्रदेश के प्रमुख नेताओं ने भी शिरकत की। शादी में राजस्थान के राज यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी व उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, गजेन्द्रसिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर शामिल हुए। तोमर ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विधानसभा विचार विमर्श का लोकतंत्र में एक सशक्त मंच है और सभी पक्षों को भाषा के स्तर को और ऊंचाई देने के लिए प्रयास करने चाहिए। मैं भी पक्ष और विपक्ष से लगातार इस बारे में बात करता हूं और मध्यप्रदेश में हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

जोधपुर. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह के बेटे के शादी समारोह में शामिल हुए सीएम भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा।

बड़े नेताओं की सदन में अनुपस्थिति चर्चा में रही

दो दिग्गज नेता पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और अशोक गहलोत का विधानसभा की कार्यवाही से दूरी बनाए रखना भी इस आयोजन के राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना। राजस्थान पत्रिका ने रिपोर्ट प्रकाशित की थी कि गहलोत और वसुंधरा दोनों ही वर्तमान बजट सत्र के दौरान विधानसभा में एक भी दिन उपस्थित नहीं रहे। इस मुद्दे पर राजनीतिक हलकों में काफी चर्चाएं हुईं और अब उम्मेद भवन में हुई इस शादी में भी यह विषय नेताओं के बीच चर्चित रहा। इस दौरान प्रदेश की राजनीति से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चाएं भी हुईं। विधायकों का कहना है कि यह समझ नहीं आ रहा कि दोनों राजनीतिक व्यस्तता या फिर किसी अलग कारण से विधानसभा से दूर हैं।

सत्ता से दूर...तो सदन में एक भी दिन नहीं आए गहलोत-वसुंधरा

प्रकाशित खबर।

परिवहन विभाग : विशेष अभियान शुरू

दुर्घटनाओं पर लगाम के लिए ओवरलोड वाहनों पर सख्ती

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोटा. प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं और ट्रैफिक जाम की बढ़ती समस्याओं को देखते हुए प्रदेश सरकार ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ एक विशेष अभियान शुरू करने का निर्णय किया है। अभियान प्रदेश भर में सभी प्रादेशिक परिवहन अधिकारियों के नेतृत्व में चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य ओवरलोड वाहनों के बढ़ती संख्या को कम करना और दुर्घटनाओं को रोकना है। प्रदेश सरकार के परिवहन विभाग ने इस अभियान के तहत ओवरलोड वाहनों पर कड़ी कार्रवाई करने का आदेश जारी किया है। विभाग ने निर्देश दिया है कि सभी प्रादेशिक परिवहन अधिकारी और उनकी टीमों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी वाहन निर्धारित वजन सीमा से अधिक लोड लेकर न चले। इसके साथ ही, ओवरलोड वाहन पकड़े जाने पर उन पर जुर्माना लगाया जाएगा और जरूरी होने पर वाहनों को जब्त भी किया जाएगा।.

सड़कों को भी नुकसान

ओवरलोड वाहनों से दुर्घटनाओं के साथ सड़कों को भी नुकसान होता है। सड़क की गुणवत्ता खराब होती है। सड़कों के निर्माण और मरम्मत में अधिक खर्चा आता है। वहीं, ओवरलोड ट्रक लोगों की जान के लिए खतरे का कारण बन जाते हैं।

पैनी नजर : जब्ती और जुर्माना भी

अभियान के दौरान परिवहन अधिकारी ओवरलोड वाहनों की धरपकड़ के लिए विभिन्न स्थानों पर चेकिंग करेंगे। वैन, ट्रक, और अन्य भारी वाहनों की जांच करेंगे। निर्धारित सीमा से अधिक लोड मिलने पर जब्ती करेंगे और जुर्माना भी लगाएंगे। आमजन से भी अपील की है कि वे ओवरलोड वाहनों की जानकारी संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि अभियान को सफल बनाया जा सके।

परिवहन विभाग ने ओवरलोड वाहनों के चालकों पर सख्ती बरतने की पूरी तैयारी कर ली है। इसके लिए निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं। अगर कोई ओवरलोड वाहन जुर्माना नहीं देता है,तो वाहन जब्त करने के निर्देश हैं। सभी ट्रक मालिकों से भी आग्रह है कि वे अपने वाहनों का संचालन अंडरलोड ही करें। **- मनीष शर्मा,** कोटा आरटीओ

फोटो स्टोरी

आनासागर झील में 'बसेरा'...

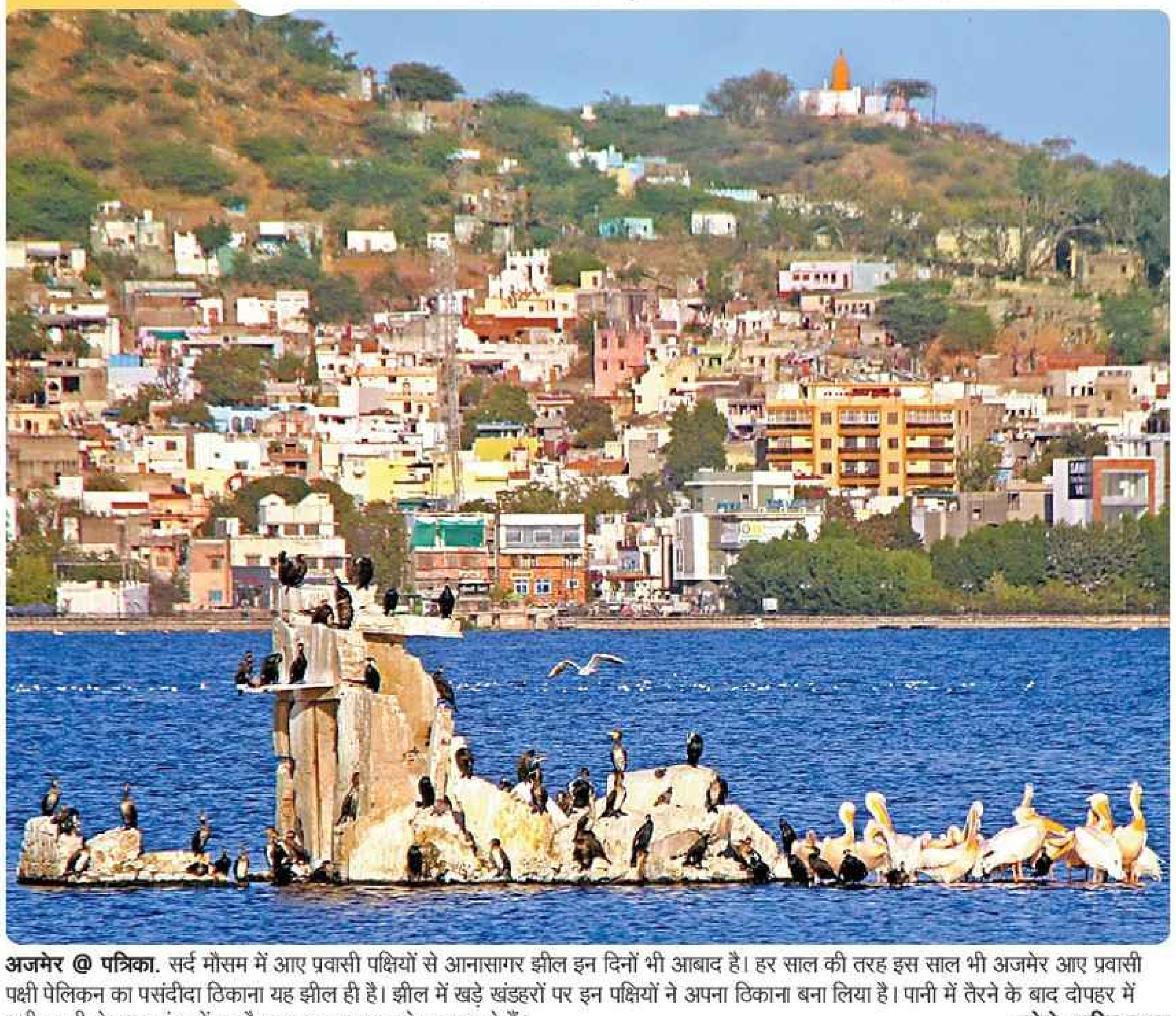
अजमेर @ पत्रिका. सर्द मौसम में आए प्रवासी पक्षियों से आनासागर झील इन दिनों भी आबाद है। हर साल की तरह इस साल भी अजमेर आए प्रवासी पक्षी पेलिकन का पसंदीदा ठिकाना यह झील ही है। झील में खड़े खंडहरों पर इन पक्षियों ने अपना ठिकाना बना लिया है। पानी में तैरने के बाद दोपहर में पक्षी काफी देर इन खंडहरों पर बैठकर आराम फरमाते नजर आते हैं। **-फोटो : वाहिद पठान**

उपहार स्वरूप सौंपा 51 हजार रुपए का चेक

शहीद की बेटी का विवाह : साथी सैनिकों ने निभाया वादा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शाहजहांपुर (अलवर). भारतीय सेना में साथ काम करते समय कंवरपाल सिंह चौहान से उसके साथी सैनिकों ने वादा किया कि जब तुम्हारी बेटी की शादी होगी, तब हम सब आशीर्वाद देने आएंगे। कुछ समय बाद कंवरपाल सिंह चौहान शहीद हो गए।

बुधवार को कंवरपाल सिंह चौहान की बेटी बबली कंवर की शादी थी। कंवरपाल सिंह चौहान के साथी सैनिक दोस्त से किया वादा निभाने उसके गांव कुतीना पहुंचे और बबली कंवर को आशीर्वाद देकर विदा किया। ग्रामीणों ने बताया कि शहीद कंवरपाल सिंह चौहान की यूनिट से सात और राष्ट्रीय राइफल से दस सैनिक कुतीना गांव पहुंचे। उन्होंने शहीद कंवरपाल सिंह चौहान से किए वादे के अनुसार उनकी पुत्री के विवाह में पिता की तरह सभी रस्मों को पूरा कर बबली कंवर को विदा किया। साथ ही उपहार स्वरूप 51 हजार रुपए का चेक सौंपा।

सलेमगढ़ गांव में हादसा

आशीर्वाद देते ससुर के कंधे से बंदूक फिसली, दबा ट्रिगर, दामाद की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

टिब्बी (हनुमानगढ़). टिब्बी के गांव सलेमगढ़ में विवाह समारोह में चली अचानक गोली की आवाज के बाद खुशियां मातम में बदल गई। बताया जा रहा है कि सलेमगढ़ निवासी गुमानाराम के बेटे की शादी के बाद परिवार के सदस्य मेहमानों की विदाई की रस्म अदा कर रहे थे। इसी दौरान गुमानाराम का बड़ा भाई रूपराम जो एक बैंक में गार्ड के तौर पर कार्यरत है। वह अपनी ड्यूटी पर जाने के लिए बंदूक के साथ मौके पर पहुंचा । जैसे ही उसने दामाद चोहिलांवाली निवासी सुनील कुमार को आशीर्वाद देना चाहा तो उसके कंधे पर लटकी बंदूक फिसल गई। बंदूक पकड़ने के प्रयास में उसका ट्रिगर दब गया। जिससे चली गोली सुनील के पेट में लगी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के लिए हनुमानगढ़ जिला चिकित्सालय ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घना से किनारा | **मंगोलिया के अलावा हिमालयी क्षेत्रों से सर्दियों में आते हैं ये पक्षी**

सरिस्का में ढाई सौ प्रजाति के पक्षी कर रहे कलरव

सुशील कुमार
patrika.com

अलवर. मंगोलिया व हिमालयी क्षेत्रों से आने वाले पेंटेड स्टॉर्क व ब्लैक स्टॉर्क केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी उद्यान घना भरतपुर से किनारा कर रहे हैं। अब इन पक्षियों को सरिस्का टाइगर रिजर्व का जंगल भा गया है। ये पक्षी न केवल यहां अपना ठिकाना बना रहे हैं, बल्कि दूसरे पक्षियों के साथ भी जुगलबंदी कर रहे हैं। पक्षी विशेषज्ञों का मानना है कि घना में बढ़ता प्रदूषण, वाहनों का शोर और प्रवास पैटर्न में बदलाव के कारण माइग्रेटेड पक्षी अब घना के नजदीक सरिस्का को अपना ठिकाना बना रहे हैं। बहुत हद तक पानी-भोजन की उपलब्धता और सुरक्षा के मानक स्तर भी सुदूर क्षेत्रोंसे आने वाले पक्षियों का आवास पैटर्न तय करते हैं। इसका ही फायदा सरिस्का को मिल रहा है। वन विभाग के हालिया सर्वे में गिद्धों से लेकर चील, बाज के बारे में पता लगा है। इस समय सरिस्का में मंगोलिया के पक्षी पेंटेड स्टॉर्क व ब्लैक स्टॉर्क पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। सरिस्का में 250 से अधिक पक्षियों की प्रजातियों का डेरा बना हुआ है।

दुर्लभ प्रजाति है ब्लैक स्टॉर्क

ब्लैक स्टॉर्क भरतपुर के घना पक्षी उद्यान में काफी पाया जाता था, लेकिन अब इसकी संख्या कम हो रही है, लेकिन इस समय सरिस्का में डेरा डाले हुए है। पानी में शिकार की तलाश में झुंड के रूप में इसे चलते हुए देखना आकर्षक लगता है।

जिस पेड़ पर रहते, उसका तिनका नहीं तोड़ते

गाइड विजय सिंह ने बताया कि पेंटेड स्टॉर्क का वैज्ञानिक नाम मायक्टेरिया ल्यूकोसेफला है। इसे जांघिल भी कहा जाता है। इसके शरीर पर हल्के सफेद रंग के ऊपर गुलाबी व नारंगी रंग चढ़ा हुआ है, जो ऐसा लगता है कि मानो किसी पेंटर ने अपने ब्रश से बड़े करीने से रंग भर दिया हो। लंबी और पतली टांगे, नुकीली लंबी चोंच उसे दूसरे पक्षियों से अलग करती है। यह सुरक्षा के लिए आसपास की हरियाली बचा कर रखता है।

सरिस्का के जंगल में पक्षियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। विदेशी पक्षी भी अपना ठिकाना बना रहे हैं। पानी से लेकर उनके आवास के लिए सुरक्षित स्थान है। **-संग्राम सिंह कटियार,** क्षेत्रीय निदेशक, सरिस्का

भरतपुर पक्षी उद्यान व सरिस्का की आबोहवा में अंतर है। सरिस्का की जमीन में नमी है। सारस प्रजाति के पक्षी ज्यादा पसंद करते हैं। कृत्रिम तालाब भी सरिस्का में काफी हैं । पेंटेड स्टॉर्क को यहां भरपूर भोजन मिल रहा है। प्रदूषण भी सरिस्का में नहीं है।**-राजेंद्र तिवारी,** एक्सपर्ट एवं अध्यक्ष, नाहरगढ़ वन एवं वन्यजीव संरक्षण समिति

जांच के लिए एसआइटी गठित

भीलवाड़ा @ पत्रिका. शहर में युवती के संग गैंगरेप व ब्लैकमेल कांड की जांच के लिए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह ने एसआइटी (विशेष अनुसंधान टीम) गठित की है।

यह आरोपियों व घटना से जुड़े विभिन्न तथ्यों की जांच करेगी। अजमेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि घटना को लेकर जिला पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। गौरतलब है कि सांसद दामोदर अग्रवाल ने एसपी से मुलाकात कर घटना की गंभीरता से जांच के लिए एसआइटी के गठन की जरूरत बताई थी। दूसरी तरफ कोतवाली पुलिस ने प्रकरण में एक युवती समेत गिरफ्तार सभी नौ आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

परिणाम निकले दो माह बीते, साक्षात्कार का मुहूर्त नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अजमेर @ पत्रिका. आरएएस एवं अधीनस्थ सेवा परीक्षा-2023 में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को साक्षात्कार का इंतजार है। परिणाम निकले दो माह बीत चुके हैं। सहायक आचार्य कॉलेज शिक्षा और अन्य भर्तियों के साक्षात्कार के चलते राजस्थान लोक सेवा आयोग ने फिलहाल कार्यक्रम जारी नहीं किया है।आयोग ने 972 पदों पर भर्ती के लिए पिछले साल 20 और 21 जुलाई को आरएएस मेंस परीक्षा कराई थी। इनमें राज्य सेवा के 491 और अधीनस्थ सेवाओं के 481 पद शामिल हैं। आयोग ने 2 जनवरी को घोषित मुख्य परीक्षा के परिणाम में कुल पदों की एवज में 2168 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए उत्तीर्ण किया है। इनके अलावा राजस्थान वाणिज्यिक कर अधीनस्थ सेवा के विभागीय वर्ग के लिए 19 अभ्यर्थियों को भी साक्षात्कार के लिए सफल घोषित किया गया है।

बीमारियों की जांच की देती हैं ट्रेनिंग

गांव के लोगों को करती हैं सेहत के प्रति जागरूक

पत्रिका फीचर डेस्क
patrika.com

बुनियादी सुविधाओं की राह देख रहे गांव में निःशुल्क चिकित्सकीय सुविधाएं उपलब्ध करवा रही हैं उज्जैन के कोयल गांव की अमिता चौहान।

32 वर्षीय अमिता न केवल गांव के लोगों की चिकित्सकीय जांच करती हैं बल्कि उन्हें कम्युनिटी हैल्थ के लिए जागरूक भी करती हैं। अमिता कहती हैं कि वह बचपन से ही चिकित्सा के क्षेत्र में काम करना चाहती थी, लेकिन 10वीं तक पढ़ाई के बाद शादी कर दी गई और फिर घर-गृहस्थी के कारण यह सपना पीछे छूट गया। कोरोना काल में उन्होंने देखा कि गांव में कई लोगों को बीपी, शुगर संबंधित बीमारी थी, लेकिन जांच व जानकारी के अभाव में वे लोग समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाए और उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने कहा, 'इस बात ने मुझे काफी दुखी किया और मैंने एक संस्था की मदद से कई बीमारियों की मूलभूत जांचों का पता किया और उनकी ट्रेनिंग ली।'

2021 से अभी तक उन्होंने 2 हजार से अधिक लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया और स्वास्थ्य जांच ट्रेनिंग दी है।

सास ने दिया साथ

अमिता बताती हैं कि जब मैं गांवों में लोगों की जांच करने के लिए जाती तो उन्हें मुझ पर विश्वास नहीं होता कि वे क्यों मुझसे स्वास्थ्य जांच करवाएं। लेकिन मैंने कई केसों को हल कर लोगों का विश्वास जीता। जब भी मैं बाहर के गांवों में जांच करने के लिए जाती तो कई लोग कहते कि महिला है, रात में अकेली कैसे जाएगी। इस पर मेरी सास ने मेरा साथ दिया और मुझे जाने की इजाजत दी। अब लोगों को मैं बेसिक बीमारियों की जांच करने की ट्रेनिंग देती हूं ताकि वे समय पर इलाज ले सकें।

रेनबो

बालकनी डेकोरेशन के लिए पहले करें थीम तैयार

आपके घर की बालकनी एक ऐसा स्थान है, जहां आप अपनी किताबों के साथ सुकून के पल गुजार सकती हैं। वहीं कई लोग बालकनी में बैठकर बाहर का नजारा देखना पसंद करते हैं। अगर आप चाहती हैं कि लोग आपकी बालकनी की तारीफ करें तो इसके लिए कुछ बदलाव कर सकती हैं।

तरूणा,
इंजीरियर डिजाइनर
patrika.com

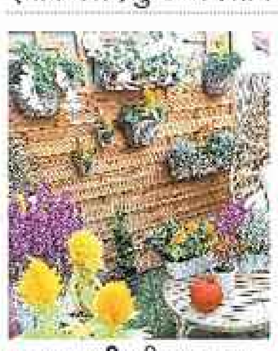

- **बालकनी** की सजावट के लिए सबसे पहले तो आप थीम तय करें। इसके लिए रंगीन बैकग्राउंड या वॉल आर्ट का प्रयोग करें।
- **बालकनी** को आकर्षक दिखाने के लिए उसमें बहुत बड़े पौधों की जगह मीडियम साइज के पौधे लगाएं। रंगीन और छोटे पौधों को बालकनी के साइड में हैंग कर सकती हैं।
- **अगर** आपकी बालकनी छोटी है तो आप इसमें फोल्डेबल चेयर रख सकते हैं। जब इसकी जरूरत हो इसका उपयोग किया जा सकता है।
- **बालकनी** के फर्श को सजाने के लिए एरिया रग्स या वुडन डेकिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- **बालकनी** की सुन्दरता अधिक बढ़ाने के लिए इसमें स्ट्रिंग लाइट्स, छोटे गार्ड बल्ब या हैंगिंग लाइट्स लगा सकते हैं।

ऐप की मदद से कर सकते हैं काम

सीनियर सिटीजन SPECIAL

बुजुर्गों को काम के लिए किसी की राह देखनी न पड़े, इसलिए एक ऐप तैयार किया है मुंबई की मीनाक्षी मेनन ने। 65 वर्षीय मीनाक्षी ने अपने रिटायरमेंट के बाद खाली समय में पाया कि बुजुर्गों को अपने छोटे-छोटे कामों के लिए अपने बच्चों पर निर्भर रहना पड़ता है। वे यह सारे काम खुद कर सकें, इसके लिए उन्होंने एक ऐसा ऐप बनाया, जिसके जरिए बुजुर्गों की पेंशन हो या सुरक्षा के लिए कैमरे लगवाने जैसे काम में उनकी सहायता की जाती है। 12 भाषाओं में जारी इस ऐप से बुजुर्गों का मनोरंजन भी करती हैं।

आर्ट एण्ड क्राफ्ट

हरा-भरा होम मिनिएचर गार्डन

सामग्री: गमला, मिट्टी, मिनी फर्निचर, रंगीन पत्थर, मॉस, मिनी फाउंटेन, मिनी ट्रेल्स, आइसक्रीम स्टिक्स, लोहे का वायर, अपनी पसंद के अनुसार एक्रेलिक कलर, छोटे पॉट, पवन चक्की जैसे डेकोरेटिव आइटम्स

कैसे बनाएं: सबसे पहले अपनी पसंद का गमला लें। इसमें 30 फीसदी कम्पोस्ट, 20 प्रतिशत रेत और 50 प्रतिशत मिट्टी भरें। मिट्टी में पानी डालकर उसे सेट होने दें। अब आइसक्रीम स्टिक्स और कार्डबोर्ड की सहायता से छोटी झोपड़ी बनाएं और इसमें अपनी पसंद का कलर करें। अब इसे गमले में साइड में या बीच में अपनी आकृति के अनुसार रखें। इसके बाद झोपड़ी के ऊपर फोल्ड करके वायर लगाएं और इस पर एक छोटा प्लांट लगाएं। इसके बाद छोटे रंगीन पत्थरों को इस प्रकार सेट करें कि झोपड़ी में जाने का रास्ता बनें। गमले में अपनी पसंद के अनुसार डेकोरेटिव आइट्म्स लगाएं। एक छोटे गमले को कलर कर इसमें छोटा पौधा लगाएं। साथ ही छोटे-छोटे पौधों को गमले के बीच में लगाएं, जिससे प्राकृतिक लुक दिखाई दे। आप चाहे तो इसमें छोटा फाउन्टेन भी लगा सकती हैं।

नेहा संदीप शर्मा, patrika.com

किचन में कार्य करते समय खाना बनाने से लेकर उसकी साफ-सफाई तक में काफी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आपके पास कुछ किचन सोल्युशन हों तो आपके नाम व अपनी फोटो सहित हमें वाट्सऐप नंबर 9057531584 पर भेजें। शी न्यूज पेज पर इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। फेसबुक पेज से जुड़ने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें।

पत्रिका शी न्यूज़

हमसे जुड़ें facebook.com/patrikaSheNews

जैतारण रोडवेज बस स्टैंड पर कार्मिकों का टोटा, अब यात्री परेशान

बुकिंग कार्यालयों पर ताले, निजी बस चालकों की बल्ले-बल्ले

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पाली. जैतारण @ पत्रिका. जैतारण क्षेत्र में लम्बे समय से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बस सेवा 38 ग्राम पंचायतों में से 33 ग्राम पंचायतों में संचालन नहीं हो रहा है और अब जैतारण शहर सहित निमाज व बर यातायात बुकिंग कार्यालयों के ताले तक लग चुके हैं। इससे यात्रियों के लिए परेशानी बढ़ गई है। जैतारण की रोडवेज बुकिंग बंद रहने पर यात्रियों को बसों के बारे में इधर-उधर पूछना पड़ रहा है। वहीं रोडवेज बस स्टैंड पर अव्यवस्था के चलते अब निजी वाहन संचालक के बल्ले-बल्ले हो गई है।

जैतारण बस स्टैण्ड पर रोडवेज पर बैठे यात्रियों ने बताया कि यहां

जैतारण. रोडवेज बस स्टैंड पर बुकिंग कार्यालय पर लगा ताला।

जैतारण व बर में भी बुकिंग कार्यालय के ताले

जोधपुर की तरफ से ब्यावर जाने के लिए रोडवेज बस सेवा का ठहराव के लिए रोडवेज बस स्टैंड जैतारण, निमाज व बर में पहले से ताले लगे हुए है। विभाग ने तथा जैतारण में कार्यरत कार्मिक को हटा कर अन्यत्र लगा दिया है। यहां पर रोडवेज बुकिंग पर ताला लग जाने पर यात्री परेशान है।

रोडवेज बुकिंग के ताले लगे होने से यात्रियों को टिकिट लेना व बसों के लिए जानकारी तक देने वाला नहीं है। तथा विभाग के अधिकारी भी बात तक करने को तैयार नहीं हैं। जबकि इस बस स्टॉप पर करीब 150 रोडवेज बसों का आवागमन रहा है। निजी वाहन चालक रोडवेज बस स्टैण्ड में घुस कर यात्रियों को ले जा रहे हैं।

अब तो निजी वाहन भी रोडवेज बस स्टैंड पर खड़े किए जाने लगे हैं। यहा पर बुकिंग मे लगी दुकानों से निगम को प्रतिमाह 50 से 60 हजार रुपए की आय हो रही हैं।

डबल शिफ्ट में खुलेगी बुकिंग

अभी हमें कुछ परेशानी के कारण जैतारण बुकिंग बंद है। हम तो जैतारण रोडवेज बुकिंग को जल्द डबल शिफ्ट मे खोलने का प्रयास कर रहे है।
- शिप्रा साहिवाल
मुख्य प्रबंधक ब्यावर आगार

उच्च अधिकारियों के निर्देश के बाद गिरी गाज, अभी और बदलाव होंगे, प्रबंधन ने निगरानी भी बढ़ाई

प्रसूती वार्ड का स्टाफ बदला जाएगा वार्ड प्रभारी व 4 कार्मिकों को हटाया

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बांसवाड़ा. महात्मा गांधी अस्पताल के एमसीएच विंग में अवैध वसूली पर जांच और कार्रवाई के बाद अब अस्पताल प्रबंधन भी जाग गया है। एमसीएच विंग में अवैध गतिविधियों पर अंकुश के लिए प्रबंधन ने कार्मिकों को हटना शुरू कर दिया है। एमसीएच विंग के प्रसूती वार्ड से प्रभारी और कुछ अन्य कार्मिकों को हटाकर अन्य वार्डों में भेजा गया है। विजिलेंस टीम बनाकर नियमित अंतराल में जांच और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए हैं। सूत्रों की मानें तो निदेशालय से कार्रवाई के बाद प्रबंधन ने भी व्यवस्थाओं में सुधार शुरू कर दिया हैं।

इधर, जांच कर निदेशालय भेजी रिपोर्ट : एमसीएच विंग में एक पीड़िता से पैसे लेने के मामले में विभाग ने जांच कर रिपोर्ट जयपुर भेज दी है। प्रकरण में विभाग को अब निर्देश का इंतजार है। मामले को लेकर पीड़ित पक्ष ने शिकायत की थी।बीती 20 फरवरी को एंबुलेंस में प्रसव के बाद उसे महात्मा गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। यहां नर्सिंगकर्मी के द्वारा 2000 रुपए मांगने की बात सामने आई। मामले को लेकर राजस्थान पत्रिका ने 'दो हजार रुपए नहीं दिए तो किसी ने मेरे बच्चे को हाथ तक नहीं लगाया' शीर्षक से समाचार प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

इनका कहना है

पीड़ित पक्ष से घटना की पूरी जानकारी ली गई। प्रकरण की जांच कर विस्तृत रिपोर्ट जयपुर भेज दी है। निदेशालय से प्राप्त निर्देश के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।
डॉ . राहुल डिंडोर, डिप्टी सीएमएचओ और जांच अधिकारी, बांसवाड़ा

री-डवलपमेंट का काम जोरों पर, रेलवे कोर्ट की पुरानी बिल्डिंग ध्वस्त

बस कुछ दिन शेष... तस्वीरों में ही रह जाएगी रेलवे स्टेशन की पुरानी धरोहर

जोधपुर @ पत्रिका. रेलवे स्टेशन की वर्षों पुरानी ऐतिहासिक इमारत अब कुछ दिनों बाद तस्वीरों में ही रह जाएगी। अब इसकी जगह करीब 474.52 करोड़ रुपयों की नई बिल्डिंग बनाई जा रही है।

जोधपुर सिटी रेलवे स्टेशन की मौजूदा करीब 138 साल पुरानी इमारत की जगह भव्य और विशाल रेलवे स्टेशन बनाया जा रहा है। रेलवे स्टेशन की नई इमारत में यात्रियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। इसलिए स्टेशन पर री-डवलपमेंट का काम जोरों पर हैं। रेलवे की ओर से नए निर्माण कार्य के साथ वर्तमान में संचालित कार्यालयों की शिफ्टिंग का काम भी तेजी से कराया जा रहा हैं।

रेलवे की ओर से प्रारंभिक तौर पर नवम्बर 2026 से पहले काम पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार पर भी ढांचागत कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

रेलवे स्टेशन के प्रथम द्वार पर चल रहा निर्माण कार्य।

कोर्ट को किया पार्सल ऑफिस के पास शिफ्ट: रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के तहत रेलवे कोर्ट की पुरानी बिल्डिंग को हाल ही ध्वस्त किया गया है। अब रेलवे कोर्ट को पार्सल ऑफिस के पास शिफ्ट कर दिया गया है।

मुख्य टिकट निरीक्षक कार्यालय अब आरएमएस में: मुख्य टिकट निरीक्षक कार्यालय को आरएमएस के प्रथम तल पर शिफ्ट किया जाएगा। उल्लेखनीय है पहले जहां आरएमएस चल रहा था, अब आरएमएस को मुख्य पोस्ट ऑफिस में शिफ्ट कर दिया गया है।

रेलवे स्टेशन का री-डवलपमेंट कार्य जोरों पर है। हाल ही रेलवे कोर्ट की इमारत को पार्सल ऑफिस के पास शिफ्ट किया गया है। इसी प्रकार कार्य अनुसार अन्य कार्यालय शिफ्ट किए जाएंगे। कार्य को तय समय पर पूरा कराने का प्रयास है। **- पंकजकुमार सिंह,** डीआरएम, जोधपुर रेल मण्डल

सांवलिया सेठ का वार्षिकोत्सव मनाया

सिरोही @ पत्रिका. शहर की सेन गली में स्थित सांवलिया सेठ भगवान मंदिर में वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। इस दौरान अभिषेक चेतन देवड़ा व प्रांचु देवड़ा ने किया। तत्पश्चात भगवान का श्रृंगार किया गया।

वार्षिकोत्सव में दोपहर के समय ढोल नगाड़ों के साथ आरती की गई। महिलाओं ने दिन भर नृत्य करते हुए भजन कीर्तन किया। शाम को सांवरिया सेठ की महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें सभी सेन समाज के महिला-पुरुषों ने आनंद लिया। उसके बाद सेन समाज के सभी भक्तजन जाजम पर एकत्रित हुए। महाप्रसादी के लाभार्थी नायब तहसीलदार किशनलाल गोयल रहे। इनका समाज की तरफ से सम्मान किया गया।

वहीं समस्त लाभार्थियों का कार्यकारिणी सदस्यों ने स्वागत किया। तत्पश्चात 2026 मेले के चढ़ावों की बोलियां बोली गई। सेन समाज सिरोही के अध्यक्ष मदन लाल देवड़ा ने समाज के समस्त भक्तों का भगवान सांवरिया सेठ के वार्षिकोत्सव को सफल बनाने के लिए आभार जताया।

आज का राशिफल शुक्रवार, 07 मार्च, 2025

राशि	फल
मेष	*चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ* व्यापार में आर्थिक मंदी का सामना करना होगा। पुराने दोस्तों से मिलेंगे। कर्मचारियों की लापरवाही से नुकसान संभव है।
वृषभ	*ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो* समय की उपयोगिता को समझें, नासमझी में बड़ा नुकसान हो सकता है, जिद्दी व्यवहार से महौल बिगड़ सकता है।
मिथुन	*क, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह* निजी जीवन में किसी दूसरे व्यक्ति का प्रवेश निषेध रखें। माता पिता के साथ किसी महत्त्वपूर्ण विषय पर चर्चा होगी।
कर्क	*हि, हु, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो* मन की अस्थिरता के कारण निर्णय लेने में कठिनाई होगी। संतान के व्यवहार से नाखुश रहेंगे, आर्थिक लाभ के योग हैं।
सिंह	*मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे* वाक्चातुर्य से रुके कार्य पूरे करवा लेंगे। जमीन जायदाद से जुड़े मामलों में सतर्क रहें। धोखा मिलने के योग हैं।
कन्या	*टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो* कम बोले, अच्छा बोले। अपनी ऊर्जा और हुनर का सही उपयोग आप को कैरियर में ऊंचाइयां दिलवा सकता है।
तुला	*रा,री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते* दिन शुभ है। व्यापार विस्तार के योग बन रहे हैं। भवन भूमि से जुड़े मामलों में विजय होंगे। न्यायालयीन प्रकरण हल होंगे।
वृश्चिक	*तो, ना, नी, नू, या, यी, यू* आप दूसरों के लिए अच्छा सोचते हैं पर लोग आपके प्रति दुर्भावना रखेंगे। जरूरी कार्य एवं जिम्मेदारियां पूरी करें।
धनु	*ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे* संतान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। बड़े भाइयों का सहयोग मिलेगा। मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी।
मकर	*भो, जा, जी, जू, खा, खू, गा, गी* दूसरों पर आश्रित नहीं रहें, स्वयं को मजबूत बनाएं। स्वयं को अपनी अलग पहचान बनानी होगी, आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कुम्भ	*गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा* लंबे समय से रुके कार्य पूरे होंगे। आस-पड़ोस में व्यवहार मजबूत होंगे। संतान के व्यवहार से खुश रहेंगे।
मीन	*दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, चि* किसी की निंदा नहीं करें। सही समय का इंतजार करें। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय शुभ है।

ज्यो. पं चंदन श्यामनारायण व्यास, पंचांगकर्ता, उज्जैन

ग्रह-नक्षत्र
ज्योतिर्विद व वास्तुविद्: पंडित मुकेश भारद्वाज

शुभ वि. सं:	2081	हिजरी सम्वत :	1446	ऋतु:	बसंत
संवत्सर का नाम:	कालयुक्त	मु.मास :	रमज़ान-06	मास:	फाल्गुन
शाके सम्वत:	1946	अयन:	उत्तरायण	पक्ष:	शुक्ल

आज का दिन
शुक्रवार, 07 मार्च, 2025

सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

श्रेष्ठ चौघड़िया: आज दिन में चर, लाभ, अमृत के चौघड़िए क्रमशः सूर्योदय से 11.11 तक रहेंगे। शुभ का चौघड़िया दोपहर 12.38 से 2.04 तक और चर का चौघड़िया सायं 4.57 से सूर्यास्त तक रहेगा। इन चौघडियों में शुभ कार्यारम्भ किए जा सकते हैं।

शुभ तिथि: जया संज्ञक अष्टमी तिथि दिन 9.19 तक, तदुपरान्त रिक्ता संज्ञक नवमी तिथि रहेगी। जया संज्ञक तिथि विद्याध्ययन, गायन, वादन, नृत्य आदि कलात्मक कार्यों के लिए शुभ रहती हैं। रिक्ता संज्ञक तिथि में मांगलिक कार्य, कार्यारम्भ, गृहप्रवेश, नया व्यापार आदि कार्य नहीं किए जाते किन्तु मेले व तीर्थाटन के लिए शुभ होती है। अष्टमी व नवमी तिथि मध्यम फलदायी होती है।

नक्षत्र: मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 11.31 तक, तदुपरान्त आर्द्रा नक्षत्र है। मृगशिरा 'मृदु या मैत्र' संज्ञक नक्षत्र है। इस नक्षत्र के स्वामी चन्द्रमा हैं। बना हुआ मकान खरीदने के लिए, बच्चे का नामकरण, मैत्री प्रस्ताव, प्रेम प्रणय प्रस्ताव के लिए शुभ है।

योग: प्रीति योग सूर्योदय से सायं 6.14 तक, तदुपरान्त आयुष्मान नामक योग रहेगा। प्रीति योग के स्वामी विष्णु हैं। मांगलिक कार्य, प्रेम प्रस्ताव, मेल मिलाप, प्रेम विवाह प्रस्ताव, रूठे मित्रों को मनाने, समझौता वार्ता, प्रशासनिक कार्य, सार्वजनिक कार्यों के लिए शुभ है। मान सम्मान की वृद्धि करने वाला योग है।

विशिष्ट योग: अभिजित मुहूर्त 12.14 से 1.01 तक रहेगा। इस योग में शुभ कार्य किए जाते हैं। शुभ रवियोग रात्रि 11.31 से, अशुभ दग्ध योग सूर्योद्य से 9.19 तक।

करण: बव करण दिन 9.19 तक, तदुपरान्त बालव करण प्रारम्भ होगा। बव चर संज्ञक करण है। सगाई, विवाह, गृहप्रवेश, गृहनिर्माण आदि शुभ व मांगलिक कार्य किए जाते हैं।

व्रत/दिवस विशेष: दुर्गाष्टमी, संत दादूदयाल जयंती, अष्टाह्निक महापर्व-जैन।

चंद्रमा: दिन 11.45 तक वृष राशि में रहेगा तदुपरान्त मिथुन राशि में प्रवेश होगा।

दिशा शूल: आज पश्चिम दिशा में दिशा शूल रहेगा इसलिए आज दक्षिण दिशा में यात्रा नहीं करनी चाहिए। यदि पश्चिम दिशा में यात्रा करना आज आवश्यक हो और टालना संभव न हो तो यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व खीर या चावल से बने खाने का सेवन अवश्य करें।

राहुकाल (मध्यमान से):- दिन 10.30 से 12.00 तक। राहु काल में शुभ कार्यों का प्रारंभ नहीं करना चाहिए। यदि कार्य को टाला जाना संभव न हो तो दूध या दूध से बनी चीजों का सेवन करके ही कार्य प्रारंभ करें। इससे राहुकाल का दुष्प्रभाव कम होगा।

आज जन्म लेने वाले बच्चे: आज दिन 11.44 तक जन्मे बच्चों की राशि वृषभ होगी, तदुपरान्त राशि मिथुन होगी। सूर्योदय से रात्रि 11.31 तक मृगशिरा नक्षत्र रहेगा, तदुपरान्त आर्द्रा नक्षत्र होगा। आज रात्रि रात्रि 11.31 तक जन्मे बच्चों का स्वर्णपाद होगा, तदुपरान्त रजत पाद होगा। श्रेष्ठता की दृष्टि से स्वर्णपाद तीसरे नम्बर पर आता हैं और रजत पाद सर्व श्रेष्ठ है। आज जन्म लेने वाले बच्चों के प्रथम नामाक्षर वो, का, की, कु, घ पर रखे जा सकते हैं। वृषभ राशि के स्वामी शुक्र हैं। वृषभ राशि में जन्मे बच्चे सौम्य स्वभाव, सहनशील, धैर्यवान, शीतल स्वभाव वाले, कलात्मक, रसिक प्रवृत्ति वाले, तेजस्वी, संघर्षशील, हठी, स्वाभिमानी, दयालु, कृतज्ञ, माता पिता व गुरु भक्त, आकर्षक और ऐश्वर्य युक्त होते हैं। इनमें सक्रियता कम दिखाई देती है। मिथुन राशि के स्वामी बुध हैं। मिथुन राशि में जन्मे बच्चे बुद्धिमान, कुशल व्यापारी, गणितज्ञ, चतुर, निडर, अच्छे वक्ता, कलाकार, आत्म केन्द्रित होते हैं।

पुष्पवर्षा से किया स्वागत

धूमधाम से निकाली शोभायात्रा

डीडवाना. शोभायात्रा में शामिल संत व श्रद्धालु।

डीडवाना@पत्रिका. शहर स्थित निरंजनी संप्रदाय के उद्गम क्षेत्र प्राचीन गाढाधाम दयाल बगीची में चल रहे सात दिवसीय कार्यक्रम के तहत बुधवार को शोभायात्रा निकाली गई। जो गाजे बाजे के साथ दयाल बगीची पीठ के सांवरदेवाचार्य महाराज के सानिध्य में किया गया।

शोभायात्रा गाढाधाम मंदिर से रवाना होकर सांगा कुआं, छापरी गेट, मजेजियों का चौक, मूंदड़ा की गली, पठानों की पोल, गुदड़ी बाजार, सदर बाजार, नागोरी गेट, गोपाल गौशाला से होते हुए वापस धाम पहुंची। कई जगह पुष्प वर्षा से शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इस दौरान युवराज मनु दास स्वामी, गाढा धाम के सचिव महेश दास और अनेक संतों का समागम यात्रा में चल रहा था। चेतन दास स्वामी ने बताया कि शाम को भंडारे का आयोजन किया गया। स्वामी सांवरदेवाचार्य ने कहा कि प्रयाग में आयोजित कुंभ में इस पीठ का भी अखाड़ा 1 महीने तक चला और यहां के लोगों ने संगम में स्नान कर अखाड़े में रुक कर विश्राम किया। यह क्षेत्र सदियों से धर्ममय रहा है, इसीलिए इस क्षेत्र को उपकाशी के नाम से भी जाना जाता है। यहां पर अनेक संत महात्माओं ने जन्म लिया। युवराज मनुदास ने सात दिवस के कार्यक्रम की जानकारी बताई। उन्होंने कहा कि हर दिन संतों का समागम हो रहा हैं और भागवत कथा का भी आनंद लोग उठा रहे हैं, प्रतिदिन भजन कीर्तन हो रहे हैं।

सरकारी स्कूलों में दूध पाउडर खत्म 15 मई तक के लिए भेजी डिमांड

भीलवाड़ा @ पत्रिका. सरकारी स्कूलों में पहली से लेकर 8वीं कक्षा तक के बच्चों को दूध का नया स्टॉक अब नए सत्र में ही मिल पाएगा। एक मार्च से स्कूलों में दूध पाउडर की सप्लाई नहीं हुई हैं। ऐसे में फरवरी माह तक ही स्कूलों में जो दूध पाउडर स्टॉक में था , उसी से काम चला रहे हैं। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी स्कूलों से एक दूसरे स्कूल से एडजस्ट कर दूध पिलाए जाने को कहा है, लेकिन एक मार्च से दूध पाउडर खत्म हो चुका हैं।

मिड डे मील (एमडीएम) ने राजस्थान को-आपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) को दूध पाउडर का ऑर्डर प्रदेश की दूध डेयरियों को दिया है, लेकिन अभी सप्लाई की सुविधा शुरू नहीं की है। ऐसे में सप्लाई में एक महीना और लग सकता है। मिड डे मील के अनुसार 1 माह का समय लगेगा। यानि की 1 अप्रेल तक की डेडलाइन है। इसी बीच 10 व 12वी की बोर्ड परीक्षा भी 6 मार्च से शुरू होने जा रही हैं। ऐसे में स्कूलों से 1 मार्च से 15 मई तक की मांग भेजने को कहा है। 16 मई से ग्रीष्मावकाश भी शुरू हो जाएगा। इस दौरान मिड डे मील जारी रहेगा। बताया जा रहा हैं कि आरसीडीएफ की ओर से दूध पाउडर की सप्लाई करने को लेकर दूध डेयरियों की राशि भी बकाया चल रही हैं। इस कारण नई सप्लाई के लिए अभी ओर समय लग सकता हैं। दूसरी ओर प्रदेश की आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले 3 से 6 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में पांच दिन दूध पिलाया जाएगा। सरकार के बजट में इसकी घोषणा से प्रदेश की 51 हजार 942 आंगनबाड़ी केंद्र में अध्ययनरत 4.50 लाख बच्चे लाभांवित होंगे।

2.18 लाख किलो दूध की भेजी मांग

सीबीईओ सुवाणा डॉ. रामेश्वर जीनगर ने बताया कि एक मार्च से 15 मई तक के लिए 2 लाख 18 हजार 420 किलोग्राम की डिमांड एमडीएम को भेजी है। इसमें कक्षा पहली से पांचवी तक 1 लाख 31 हजार 52 किलोग्राम तथा कक्षा 6 से 8वी तक 87 हजार 368 किलोग्राम दूध पाउडर की डिमांड भेजी है।

पुष्पों से कालागोरा भेरू को खेलाई होली, श्रद्धालुओं ने किए भजन कीर्तन

फागोत्सव : सांवरिया संग कैसे खेलूं होली रे...

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सोजत . तांबावती नगरी सोजत में इन दिनों फाग उत्सव की धूम मची हुई है। यहां श्रद्धालुओं का सैलाब आस्था में डूबा नजर आ रहा है। भजन गायक समेत श्रद्धालु भक्ति सागर में गोते लगा रहे हैं।

इसी कड़ी में रात्रि में जैतारणिया गेट स्थित काला गोरा भेरू मंदिर पर फाग महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इसमें भजन गायकों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। विभिन्न फाल्गुनी भक्तिमयी गीतों पर श्रद्धालु झूम उठे। मंदिर पर दुधिया रोशनी के बीच आकर्षक श्रंगार के साथ फूलों से सजावट की गई जो देखते ही बनती थी। भगवान को फूलों से होली खेलाकर रिझाया गया।

सोजत. कालागोरा भेरू मंदिर पर आयोजित फाग महोत्सव में भजनों पर झूमते श्रद्धालु।

महोत्सव में भजन गायकों ने थाने काला गोरा भेरू की आण...., सांवरिया संग कैसे खेलूं होली रे..., बोल महिनो फागण रो..., सांवरियो थारी ओळू आवे रे..., जवाब नहीं, होलिका में उड़े रे गुलाल...., थानो नमन ओ महादेव..., मैं जमना तट पर जोऊं सांवरिया थारी बाट... सहित कई सुमधुर भक्ति व फाल्गुनी भजनों की प्रस्तुतियां देकर श्रद्धालुओं का मनमोहा। उत्सव में भजन गायक हरिनारायण पाराशर, श्यामसुंदर शर्मा, सुधीर दवे, कमलसिंह चौहान, गोरधन गहलोत, नत्थमल सोलंकी, हेमाराम भाटी, महेंद्र पालरिया, शांतिलाल, कैलाश चांवला, पदमचंद टांक, जगदीशचंद राव, सुरेश सांखला, सुंदर सिंधी, नत्थूलाल, राजेंद्र, हितेश, विपुल गेहलोत, जवरीलाल बोराणा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की।

कौशांबी से बब्बर खालसा का खालिस्तानी आतंकी लाजर मसीह गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के कोखराज क्षेत्र से एसटीएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में गुरुवार तड़के आंतकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल एवं आईएसआई माड्यूल के दुर्दांत आतंकवादी लाजर मसीह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में असलहा और गोला बारुद बरामद किए गए।

कुमार ने बताया कि पिछले साल 23 दिसंबर को पीलीभीत पुलिस और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में तीन खालिस्तानी आतंकवादी मार गिराए गए थे और भारी मात्रा में हथियार एवं गोली बारुद बरामद किए गए थे। उस मुठभेड़ के बाद अमरीका में रह रहे आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने प्रयागराज महाकुंभ में हमले की धमकी दी थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया था। महाकुंभ की सुरक्षा बढा दी गई थी और सुरक्षा एजेंसियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये सतर्क कर दिया गया था। इस बीच पंजाब पुलिस से सूचना प्राप्त हुई थी कि लाजर मसीह उत्तर प्रदेश में फर्जी आधार कार्ड बनवा कर छिपा हुआ है और महाकुंभ में गड़बड़ी फैलाने का प्रयास कर सकता है। मसीह को आईएसआई के तीन हैंडलर गाइड कर रहे थे और ड्रोन के जरिए इसे हथियारों की आपूर्ति की गई थी।

पूछताछ में गिरफ्तार आतंकी ने बताया कि वह आर्म्स और हेरोइन तस्करी के मामले में जेल गया था और वहां गैंगवार में घायल होने पर उसे अमृतसर के गुरुनानक देव हास्पिटल में भर्ती कराया गया था जहां से वह 24 सितंबर को फरार हो गया था। जेल से फरार होने के बाद वह जर्मन बेस्ड माड्यूल स्वर्ण सिंह के संपर्क में आया और बटाला में फिरौती के लिए उसने एक व्यक्ति को गोली मारी थी जिसके बाद वह सोनीपत और दिल्ली में छिप कर रहा। आतंकवादी ने बताया कि उसका एक साथी बब्बर खालसा और आईएसआई के साथ काम करता है, फर्जी पासपोर्ट के जरिये दुबई भाग गया है और उसका इरादा भी यूपी में बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने के बाद फर्जी पासपोर्ट के जरिये पुर्तगाल भागने का था।

रूस निर्मित पिस्टल, हैंड ग्रेनेड, डेटोनेटर, कारतूस बरामद

पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रयागराज कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सकाढा मोड़ के पास यूपी एसटीएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल ग्रुप के आतंकी लाजर

मसीह को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। आतंकी के पास से तीन हैंड ग्रेनेड, तीन जिलेटिन रॉड, दो सक्रिय डेटोनेटर, एक रुस निर्मित पिस्टल और 13 जीवित कारतूस के अलावा फर्जी आधार कार्ड बरामद किया गया है।

पीलीभीत में आतंकियों को देता था हथियार

पाक आईएसआई से है आतंकी कनेक्शन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पीलीभीत. उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में कौशांबी से गिरफ्तार बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और आईएसआई मॉड्यूल के सक्रिय आतंकवादी लाजर मसीह के तार पीलीभीत से जुड़े हैं। इसने पिछले साल मुठभेड़ में मारे गये तीन आतंकवादियों को हथियार और ग्रेनेड सप्लाई किए थे।

एसपी अविनाश पाण्डेय ने बताया कि लाजर मसीह अमृतसर के ग्राम कुरलियान का रहने वाला है। उसे तड़के कौशांबी के कोखराज से पकड़ा गया। आतंकी बीकेआई के जर्मन-आधारित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी का सहयोगी बताया गया है। वह पाकिस्तान स्थित आईएसआई के संपर्क में भी था।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपी विदेश से ड्रोन के जरिए विस्फोटक और हथियार मंगवाता था। वह इन्हें आतंकी गतिविधियों के लिए सप्लाई करता था। पिछले वर्ष 23 दिसंबर को पीलीभीत में मारे गए तीन खालिस्तानी आतंकियों को भी इसी ने हथियार दिए थे और इसको भी गिरफ्तार आतंकी ने स्वीकार किया है।

पीलीभीत में मारे गए आतंकियों में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह और जसनप्रीत सिंह शामिल थे। ये तीनों पंजाब में पुलिस चौकी पर हमला करने के आरोपी थे। पुलिस के मुताबिक लाजर मसीह से इनकी नियमित बातचीत होती थी। सभी तथ्यों की जांच की जा रही है।

दिव्यांग पति पीठ पर, डॉक्टर समेत तीन पर कार्रवाई

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. रायबरेली में व्हील चेयर न मिलने पर दिव्यांग पति को पत्नी द्वारा पीठ लादकर सीएमओ कार्यालय पहुंचने के प्रकरण को उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गंभीरता से लिया है। अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण लखनऊ मंडल की जांच में डॉक्टर समेत दो कर्मचारियों की लापरवाही उजागर हुई।

तीन सदस्यीय जांच कमेटी ने सीएमओ को तीनों के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की। उप मुख्य चिकित्साधिकारी व जिला दिव्यांग बोर्ड के नोडल अधिकारी डॉ. अम्बिका प्रकाश को मुख्यालय से हटा दिया गया है। उन्हें जतुआटप्पा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनाती दी गई है। डाटा एंट्री ऑपरेटर अनुकांत आनंद को यूडीआईडी कार्य से हटा] मूल तैनाती स्थल भेजा गया है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अनिल कुमार को निलंबित कर दिया गया। जांच कमेटी की सिफारिश पर अनिल कुमार को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें बेलाभेला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से संबद्ध किया गया है।

भूमि विवाद में एक व्यक्ति की हत्या, एक घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छपरा. बिहार में सारण जिले के डेरनी थाना क्षेत्र में भूमि विवाद में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गयी। वारदात में एक अन्य घायल हो गया।

सारण एसपी डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि सुतिहार गांव में भूमि संबधित विवाद में अर्जुन प्रसाद ने तलवार से हमला कर शिवपूजन साह की हत्या कर दी हैं। वहीं, हमलावर ने तीर मारकर राजेश साह को घायल कर दिया। इस घटना को देख रहे ग्रामीणों ने आरोपी अर्जुन प्रसाद की जमकर पिटाई कर दी। इससे वह घायल हो गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने घायल अर्जुन प्रसाद को हिरासत में लेकर सदर अस्पताल भेज दिया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। घटनास्थल से तलवार, धनुष एवं तीर बरामद किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पटना में होटल मालिक की गोली मारकर हत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार में पटना जिले के मालसलामी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने होटल मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि नगला मुहल्ला निवासी होटल मालिक संतोष प्रसाद (45) रेलवे गुमटी के समीप अपने होटल में काम कर रहे थे। इस दौरान एक बाइक पर सवार दो अपराधी वहां पहुंचे। अपराधियों ने संतोष प्रसाद को गोली मारकर घायल कर दिया। घायल होटल मालिक को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में उनकी मौत हो गयी। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दो खोखा बरामद किया। मृतक संतोष प्रसाद आपराधिक प्रवृति का था। सीसीटीवी के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिये नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) भेज दिया गया है।

2500 लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपए का ऋण वितरण किया

प्रदेश में 10 लाख नए युवा उद्यमी तैयार करेगी सरकार : सीएम योगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गोरखपुर. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश के अंदर 10 लाख नए युवा उद्यमी को तैयार करने के अभियान को अपने हाथ में लिया है। बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत गोरखपुर व बस्ती मंडल के 2500 लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपए का ऋण और ओडीओपी के अंतर्गत दोनों मंडलों के 2100 प्रशिक्षणार्थियों को टूलकिट वितरण कार्यक्रम में योगी ने कहा कि होली के पहले प्रदेश के युवाओं को दिए जा रहे सौगात का लाभ नए युवा उद्यमी बनने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना 24 जनवरी 2025 को प्रारंभ की। अभी लगभग सवा महीने हुए हैं। इससे पूरे वर्ष भर में एक लाख नए उद्यमियों को जोड़ना था, लेकिन अभी तक ही 2 लाख 54 हजार 794 आवेदन आ चुके हैं। यही स्कीम की लोकप्रियता है। इसमें से एक लाख आवेदन बैंकों को भेज दिए गए हैं। 24 हजार लाभार्थियों को 931 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत हो गया है और 10,500 लाभार्थियों को 410 करोड़ रुपए वितरण भी किया जा चुका है। गोरखपुर व बस्ती मंडल के 1440 लाभार्थियों को 67.14 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत करते हुए 575 लाभार्थियों को 25.80 करोड़ का ऋण पहले वितरित किया जा चुका है।

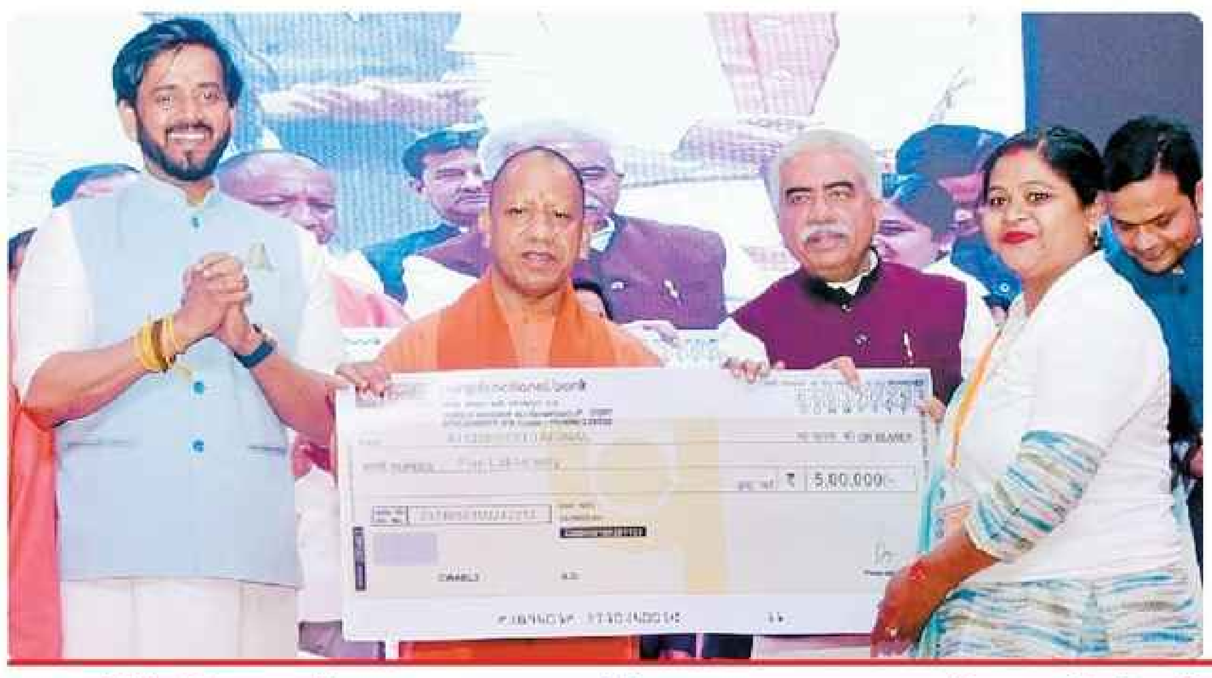

सरकार संबल बनने को तैयार है

योगी ने कहा कि उपराष्ट्रपति के हाथों मुख्यमंत्री युवा उद्यमी स्कीम का पोर्टल प्रारंभ कराया। इसमें हमने व्यवस्था दी कि एक वर्ष में एक लाख नए उद्यमी, पांच लाख रुपए का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराएंगे। 10 प्रतिशत तक मार्जिन मनी भी सरकार उपलब्ध कराएगी। अनुसूचित जाति-जनजाति, महिला व अतिपिछड़ी जाति के लिए अतिरिक्त सुविधा का प्रावधान किया गया है। यह लोग भी आज इस कार्यक्रम के साथ जुड़े हैं।

युवाओं के विजन को धरातल पर उतारेंगे

उन्होंने कहा कि गोरखपुर व बस्ती के सातों जिलों गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महराजगंज, बस्ती, संतकबीरनगर व सिद्धार्थ नगर के युवाओं को ऋण वितरित किया गया। जब हम योजना बना रहे थे, तभी आपकी ऊर्जा पर विश्वास था। हमें पता था कि आपके पास विजन है, उसे धरातल पर लाने के लिए पूंजी की आवश्यकता है। कई नौजवान स्टार्टअप-कारोबार प्रारंभ करना चाहते, लेकिन पूंजी का अभाव होता है। हमने तय किया कि उसकी मजबूरी को मजबूरी नहीं रहने देंगे, बल्कि उसके विजन को धरातल पर उतारेंगे।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत नई दिशा में चला है। पिछले 10 वर्ष में पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन किया जा रहा है। नया भारत ऊर्जा व सामर्थ्य से दुनिया को अनुगामी बनाएगा। ऊर्जा के प्रतीक हैं युवा, जिन्होंने भारत को दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया। अगले दो वर्ष में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। अर्थव्यवस्था को तेजी से आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी भूमिका नए युवा उद्यमियों की होगी। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, स्टैंडअप, मेक इन इंडिया की संस्कृति को आगे बढ़ाया गया है।

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है सरकार : योगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गोरखपुर. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार हर जरुरतमंद के साथ हमेशा खड़ी रहेगी।गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन के दौरान उन्होंने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि चिंता न कीजिए, समस्याओं का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को संबंधित मामलों के निस्तारण के निर्देश दिए। वहीं एक महिला ने परिवारीजन के इलाज के लिए मुख्यमंत्री से गुहार लगाई। इस पर योगी ने कहा कि एस्टिमेट मंगा लीजिए, सरकार मदद करेगी।

मुख्यमंत्री गुरुवार सुबह जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 250 लोगों से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर पीड़ा का निवारण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

इलाज के लिए मिलेगी आर्थिक सहायता

योगी के समक्ष जनता दर्शन में एक महिला समेत कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी एस्टिमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करने आए बच्चों को दुलार किया। उन्होंने बच्चों से बातें कीं, पढ़ाई के बारे में जानकारी ली, फिर चॉकलेट-टॉफी प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

खेलकूद हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देता है : राज्यपाल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता-2025 का उद्घाटन करते हुए कहा कि खेलकूद हमारे जीवन में अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देता है। राज्यपाल ने कहा कि यह शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा अपने जवानों के स्वास्थ्य और मनोबल को बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजन की सराहना की।

राज्यपाल ने गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के जवानों द्वारा राज्य की आंतरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन में निभाई जा रही भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमारे अग्निशमन कर्मी अपनी जान की परवाह किए बिना आग की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र सरकार द्वारा झारखण्ड अग्निशमन विभाग को 150 करोड़ रुपए आवंटित किए जा रहे हैं, जिससे इस विभाग की तकनीकी दक्षता और प्रभावशीलता में वृद्धि होगी। राज्यपाल ने विगत वर्ष माननीय राष्ट्रपति द्वारा 'वीरता पुरस्कार' से सम्मानित अग्निशमन कर्मी को बधाई दी।

राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी के जवान राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रियाओं में भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि गृह रक्षकों के मानदेय में वृद्धि होने से उनके पारिवारिक जीवन और बच्चों की शिक्षा में सहायता मिल रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि गृह रक्षकों को 'स्वास्थ्य बीमा' की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाए। राज्यपाल ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह खेलकूद जवानों को प्रतिभा दिखाने और स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा का अवसर प्रदान करेगी।

भाकपा माले ने बजट की प्रति का किया दहन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी ने तीन दिवसीय राजव्यापी आह्वान के तहत मेहनतकश-संघर्षशील तबकों के लिए बिहार सरकार के 2025-26 बजट में कोई प्रावधान नहीं किए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने इसके विरोध में प्रतीकात्मक रूप से बजट की प्रति का दहन किया।

बजट प्रति के दहन के पूर्व भाकपा-माले स्थाई समिति सदस्य सह ऐक्टू राष्ट्रीय सचिव रणविजय कुमार के साथ साथ पन्नालाल सिंह, अनुराधा सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन अशोक नगर, मजदूर अड्डा से निकल बजट प्रति को जलाया गया। इस अवसर पर रणविजय कुमार और अन्य वक्ताओं ने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली नीतीश सरकार ने बिहार के मेहनतकश लोगों के साथ बजट में डबल धोखा दिया है।

राहुल को लखनऊ की अदालत में पेश होने का अंतिम मौका

वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी का मामला

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. वीर सावरकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में लखनऊ की एक अदालत ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी को 14 अप्रेल को व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज कराने का आखिरी मौका दिया है। अदालत ने चेतावनी दी है कि अगली सुनवाई में कांग्रेस सांसद अपनी हाजिरी नहीं लगाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

दरअसल, बुधवार को गांधी को लखनऊ में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के सामने पेश होना था मगर वह कोर्ट में नहीं आए।

निजी उपस्थिति से मांगी थी माफी

सुनवाई के दौरान गांधी के वकील ने दलील दी थी कि दिल्ली के एक विदेशी प्रतिनिधिमंडल से जरुरी मुलाकात के चलते मुव्वकिल आने में असमर्थ हैं, इसलिए उन्हें निजी रूप से उपस्थित न होने की माफी दी जाए। अदालत ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है कि जब गांधी सुनवाई में उपस्थित नहीं हुए। उन्हें अगली सुनवाई में हाजिर होने का अंतिम मौका दिया जाता है।

कपड़ा व्यवसायी समेत दो लोगों को गोली मारकर किया घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

दरभंगा. बिहार में दरभंगा जिले के अशोक पेपर मिल थाना क्षेत्र में अपराधियों ने कपड़ा व्यवसायी अमित कुमार समेत दो लोगों को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि बलहा गांव में बुधवार देर रात कपड़ा व्यवसायी अमित कुमार, उनके चालक अशोक कुमार को दुकान में घुसकर गोली मारकर घायल कर दिया। गोली की आवाज सुनकर पूरे मोहल्ले के लोग जुट गए। इसके बाद सभी अपराधी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। मनोज महथा ने बताया कि पास के एक आभूषण दुकान के शटर को भी तोड़ने की कोशिश की है।

थानाध्यक्ष हरिद्वार शर्मा ने बताया कि घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

उद्योग विभाग ने प्रतिष्ठित संस्थानों से किया समझौता

बिहार में उद्यमिता को बढ़ावा देने की नई पहल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पटना. बिहार के उद्योग विभाग ने राज्य में उद्यमिता के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए गुरुवार को प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ ऐतहासिक समझौता किया।

उद्योग विभाग ने 'रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (आरएएमपी)' कार्यक्रम के तहत शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रतिस्पर्धात्मक व्यावसायिक माहौल में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल और संसाधन उपलब्ध कराना है।

इस ऐतिहासिक समझौते पर चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआईएमपी), भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), बोधगया, केंद्रीय पेट्रोकेमिकल इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीपेट) वैशाली और भागलपुर तथा एएमएचएसएसी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं। इन संस्थानों के माध्यम से पूरे राज्य में 80 हजार से अधिक एमएसएमई उद्यमियों को गैर-आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन का निर्णय

होली पर चलेगी एक वंदे भारत सहित 15 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हाजीपुर. रेलवे ने होली के अवसर पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दिल्ली और बिहार के अलग अलग स्टेशनों के बीच एक वंदे भारत समेत 15 स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

पूर्व मध्य रेलवे (ईसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने गुरुवार को बताया कि नई दिल्ली-पटना वंदे भारत स्पेशल (02436-02435) 08 मार्च से 20 मार्च तक (सोमवार को छोड़कर) नई दिल्ली से सुबह 08:30 बजे खुलेगी और उसी दिन रात 22:30 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 09 मार्च से 21 मार्च तक (मंगलवार को छोड़कर) सुबह 05:30 बजे पटना से प्रस्थान कर

उसी दिन रात 20:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

चंद्र ने बताया कि दिल्ली-पटना सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (04062-04061) 07 मार्च से 17 मार्च तक प्रतिदिन रात 23:55 बजे दिल्ली से खुलेगी और अगले दिन 16:40 बजे पटना पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन 07 मार्च से 18 मार्च तक प्रतिदिन पटना से शाम 17:50 बजे खुलेगी और अगले दिन 10:25 बजे दिल्ली पहुंचेगी।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि आनंद विहार-राजगीर सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल (04070-04069) 07, 11, 14 और 18 मार्च को आनंद विहार से रात 00:20 बजे खुलेगी और उसी दिन 19:50 बजे राजगीर पहुंचेगी।

उन्होंने बताया कि वापसी में यह ट्रेन 07, 11, 14 और 18 मार्च को रात 23:30 बजे राजगीर से खुलेगी और अगले दिन 19:00 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी बने भाजपा विधायक दल के नेता

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रांची. झारखंड में भाजपा विधायक दल के नेता पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी चुने गए। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को यहां पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से भेजे गए पर्यवेक्षकों के साथ घंटों चली रायशुमारी के बाद भाजपा विधायक दल के नेता के नाम पर आम सहमति बनी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। घंटों चली बैठक के बाद इसकी घोषणा की गई।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय नेतृत्व की ओर से झारखण्ड में भाजपा विधायक दल के नेता के चयन के लिए दो वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ. के लक्ष्मण को यह जिम्मेदारी दी गई थी। दोनों शीर्ष नेताओ ने रांची पहुंचने के बाद आज यहां प्रदेश कार्यालय में विधायको के साथ बैठक की और फिर बाबूलाल मरांडी को नेता चुन लिया गया।

हो सकता है मैं आपके विचारों से सहमत न हो पाऊं फिर भी विचार प्रकट करने के आपके अधिकारों की रक्षा करूंगा। –वाल्तेयर

राजस्थान पत्रिका
संस्थापक
कर्पूर चन्द्र कुलिश

मानवीय मूल्यों के पोषण से ही थमेंगे 'हेट क्राइम'

नस्ल, जाति, धर्म, समुदाय या लिंग के आधार पर भेदभाव की घटनाएं दुनिया के किसी भी कोने में हों, सामाजिक विकृति की ओर ही संकेत करती हैं। सब जानते हैं कि ऐसे मामले दुनिया भर में पूर्वाग्रह से ग्रसित होने वाले आपराधिक तत्वों के कारण बढ़ रहे हैं। हेट क्राइम को लेकर दूसरे देशों को नसीहत देने वाले अमरीका में पिछले सालों में नस्लभेद आधारित अपराध बढ़ना वाकई चिंताजनक है। हाल ही अमरीका के फ्लोरिडा में ऐसा ही एक मामला सामने आया जिसमें एक अमरीकी मरीज ने भारतीय मूल की नर्स पर बेरहमी से हमला किया।

किसी भी चिकित्साकर्मी पर हमला होना तो गंभीर है ही, इस मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि हमलावर गुस्से में यह कहता नजर आया कि 'इंडियंस आर बैड'। यानी मरीज के दिमाग में भारतीयों के प्रति पहले से ही घृणा भरी हुई थी, जिसके चलते उसने नर्स को बुरी तरह से घायल कर दिया। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि किसी भी समुदाय के खिलाफ घृणा का माहौल बनाने के परिणाम बेहद खतरनाक होते हैं। यह जहर धीरे-धीरे दंगे और सामूहिक नरसंहार जैसे मानवता को लज्जित करने वाले मामले बढ़ाने वाला होता है। यहूदियों के खिलाफ फैलाई गई घृणा ने 'होलोकॉस्ट' को जन्म दिया था, जिसमें बड़ी संख्या में यहूदियों की हत्या कर दी गई थी। इसलिए इन घटनाओं को सामान्य घटनाएं मानकर दरकिनार नहीं किया जा सकता। इस तरह के मामलों को रोकने के लिए, इसके मूल कारणों को समझना और उनको दूर करना आवश्यक है। कई देशों में राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, जिससे सामाजिक विभाजन और तनाव बढ़ रहे हैं। साथ ही तकनीक भी बड़ी समस्या बन रही है। सोशल मीडिया हेट स्पीच और गलत सूचनाओं को फैलाने का एक शक्तिशाली साधन बन गया है। एआइ के जमाने में झूठी सूचनाएं इस तरह से फैलाई जा सकती हैं, जो असल की तरह लगें। इस समस्या से लड़ना बड़ी चुनौती है। आर्थिक असमानता बढ़ने से भी कुछ समूहों में नाराजगी और आक्रोश बढ़ रहा है, जिससे वे दूसरों को निशाना बना सकते हैं। आतंकी हमलों और शरणार्थी संकट ने भी हेट क्राइम के मामलों में वृद्धि की है।

यह समस्या किसी एक देश की नहीं है। इसके लिए आपसी सौहार्द और मानवीय मूल्यों में विश्वास को मजबूत करने पर जोर देना आवश्यक है। हर वर्ग को हेट क्राइम की निंदा करनी चाहिए। ऐसे बयानों से बचना चाहिए जो सामाजिक विभाजन को बढ़ावा देते हैं। सरकारों को ऐसी नीतियों को लागू करना चाहिए जो सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करें।

साइबर सुरक्षा: देश में प्रत्येक सात मिनट में एक व्यक्ति साइबर फ्रॉड का शिकार हो रहा है

साइबर अपराधों पर और अधिक सख्ती जरूरी

मानस गर्ग
साइबर सिक्योरिटी एवं आईटी एक्ट के जानकार
@patrika.com

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2020-2022 के बीच भारत के 28 राज्यों में साइबर अपराधों के 1.67 लाख मामले दर्ज किए गए, लेकिन केवल 2706 मामलों में ही सजा हुई, यानी केवल 1.6% अपराधी ही सलाखों के पीछे पहुंचे।

महेश कुमार एक पेंशनर हैं। एक दिन पेंशन बंद कराने का डर दिखाकर साइबर अपराधी ने उनकी बैंक डिटेल्स लीं और ओटीपी के जरिए खाते से पैसे निकाल लिए। ऐसे साइबर फ्रॉड कुछ वर्षों से लगातार हो रहे हैं। कोविड महामारी में मोबाइल बैंकिंग, ऑनलाइन शॉपिंग और सोशल मीडिया पर अधिक सक्रियता बढ़ने के बाद लोग आसानी से साइबर अपराधियों के टारगेट पर आ रहे हैं। आज गंभीर स्थिति यह है कि देश में प्रत्येक 7 मिनट एक व्यक्ति साइबर फ्रॉड का शिकार हो रहा है। भारत में साइबर अपराधों को लेकर कानून तो मौजूद हैं, लेकिन वो साइबर अपराधियों में भय पैदा करते नजर नहीं आ रहे हैं। कानून के छोटे दायरे के चलते साइबर अपराधी बेखौफ अधिक नजर आ रहे हैं। बढ़ते साइबर अपराधों को लेकर यह समय की मांग है कि सरकार इन कानूनों को न केवल और सख्त बनाए, बल्कि साइबर अपराधियों को सजा भी हो। इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले भी सतर्क और सावधान रहें तथा साइबर अपराधियों के जाल में ना फंसें।

अमूमन साइबर अपराधी सोशल नेटवर्किंग वेबसाइट्स, चैट रूम, पर्सनल वाई-फाई, नकली सॉफ्टवेयर, नकली वेबसाइट और फर्जी ई-मेल के जरिए लोगों को शिकार बनाते हैं। वो लोगों की निजी जानकारी हासिल कर उनका गलत तरीके से इस्तेमाल करते हैं। बैंक खातों में सेंध लगाते हैं तो निजी जानकारी उजागर करने का भय दिखाकर ब्लैकमेल करते हैं। कुछ मामलों में तो पीड़ित पक्ष को पता ही नहीं होता और वो ठगी का शिकार हो जाता है। पहले तो साइबर अपराधियों के निशाने पर बुजुर्ग और महिलाएं अधिक होती थीं, लेकिन अब वे युवाओं और आईटी प्रोफेशनल तक को भी निशाना बनाने लगे हैं।

सख्त प्रावधानों के बावजूद साइबर अपराधियों को सलाखों के पीछे डालने में कठिनाई होती है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार, 2020-2022 के बीच भारत के 28 राज्यों में साइबर अपराधों के 1.67 लाख मामले दर्ज किए गए, लेकिन केवल 2706 मामलों में ही सजा हुई, यानी केवल 1.6% अपराधी ही सलाखों के पीछे पहुंचे। हालांकि इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर (आई4सी) ने साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए मेवात, जामताड़ा, अहमदाबाद, हैदराबाद, चंडीगढ़, विशाखापट्टनम और गुवाहाटी में सात ज्वाइंट साइबर कोऑर्डिनेशन टीम्स गठित की हैं। आई4सी के तहत साइबर अपराध को लेकर हेल्पलाइन नंबर 1930 दिया हुआ है, जिस पर साइबर अपराध की सूचना दी जा सकती है। आई4सी सभी राज्यों के कंट्रोल रूम से जोड़कर साइबर फ्रॉड की सूरत में हाई प्रायोरिटी के मामलों की निगरानी भी करता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले साल अप्रैल तक आई4सी को 7.40 लाख साइबर फ्रॉड की शिकायतें मिलीं।

पत्रिका रक्षा कवच

वर्ष 2024 के शुरुआती चार माह में भारतीयों से 1750 करोड़ रुपए की ठगी हुई। वैसे, यूरोपीय देशों की तर्ज पर भारत सरकार डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण अधिनियम-2023 (डीपीडीपीए) का मसौदा लेकर आ चुकी है, जिसमें व्यक्तियों की सहमति लेने, डाटा प्रसंस्करण निकायों और अधिकारियों के कामकाज से संबंधित प्रावधान तय किए गए हैं। हालांकि, यह कानून कब लागू होगा, इसको लेकर स्पष्टता नहीं है। यदि आपको साइबर फ्रॉड से बचना है तो सबसे पहले इंटरनेट से जुड़े अपने डिवाइस को सुरक्षित रखना जरूरी है। साइबर अपराधों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। सरकार बार-बार साइबर फ्रॉड को लेकर जागरूकता फैलाती है कि उसके या बैंकों या किसी अन्य द्वारा कोई जानकारी मोबाइल या कॉल के माध्यम से नहीं मांगी जाती है। बैंक कभी भी किसी से पिन या ओटीपी नहीं मांगता है। यह सामान्य सी बात हर एक व्यक्ति को अपने जहन में उतार लेनी चाहिए। अपना बैंक का पिन सदैव गोपनीय रखें। किसी भी बाहरी एपीके एप को डाउनलोड न करें। अपनी फाइनेंशियल या पर्सनल जानकारी को किसी के साथ साझा न करें।

समय की मांग है कि भारत सरकार समयबद्ध तरीके से साइबर अपराधियों को सजा दिलाए, ताकि उनके हौसले पस्त हों। केवल कानून बनाने से समस्या का समाधान नहीं होने वाला। जो कानून बन रहे हैं, उन्हें तत्काल लागू करना एवं विभिन्न सरकारी एजेंसियों के माध्यम से उनकी अनुपालना कराना भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए, जिससे साइबर अपराध करने वालों के हौसले पस्त हों। साथ ही, एक जागरूक नागरिक होने के नाते हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम सतर्क रहें और सुरक्षित रहें। जागरूकता ही साइबर अपराधियों के चंगुल से मुक्त करा सकती है।

फैक्ट फ्रंट

वारब्लर

वारब्लर एक छोटा, रंग-बिरंगा और तेज आवाज वाला पक्षी है, जो विशेष रूप से उत्तरी अमरीका, यूरोप और एशिया के जंगलों, घास के मैदानों और आर्द्रभूमि में पाया जाता है। यह पक्षी अपनी मीठी, मधुर आवाज के लिए प्रसिद्ध है, जो अक्सर जंगलों में गूंजती रहती है। वारब्लर का आकार आमतौर पर छोटा होता है और इनका शरीर अक्सर हरा, पीला, भूरा या ग्रे रंग का होता है, जिससे ये प्राकृतिक वातावरण में आसानी से छिप जाते हैं। वारब्लर मुख्य रूप से कीड़े, कीटों के लार्वा और छोटे फल खाते हैं। इनकी आवाज अक्सर पक्षियों के समूह में संवाद का तरीका होती है। इनका गीत खासकर प्रजनन के मौसम में अधिक सुनाई देता है। कई वारब्लर प्रजातियां प्रवासी होती हैं, जो ठंडे महीनों के दौरान दक्षिण की ओर उड़ जाती हैं।

कूटनीति: पाकिस्तान के किसानों को ट्यूबवेल पर अधिक निर्भर रहना होगा

पाकिस्तान को रावी नदी का पानी रोकने का फैसला एक बड़ा संकेत

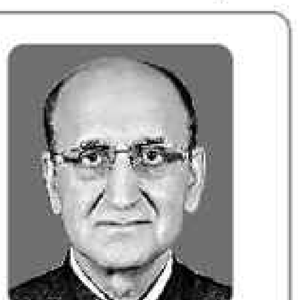

के.एस. तोमर
राजनीतिक विश्लेषक एवं स्तंभकार
@patrika.com

भारत द्वारा पाकिस्तान की ओर बहने वाले रावी नदी के पानी को रोकने का निर्णय जल प्रबंधन और भारत-पाक संबंधों में महत्त्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। शाहपुर-कंडी डैम और उज्ज बहुउद्देशीय परियोजना जैसी अधोसंरचना को तेजी से लागू कर भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि सिंधु जल संधि के तहत उसका हर बूंद पानी घरेलू सिंचाई, विद्युत उत्पादन और पेयजल आपूर्ति के लिए प्रयोग हो। इससे भारत की जल सुरक्षा मजबूत होगी और पंजाब व जम्मू-कश्मीर की कृषि उत्पादकता को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि इस फैसले से पाकिस्तान को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा। कृषि-आधारित अर्थव्यवस्था में सिंचाई क्षमता घटने से उत्पादन प्रभावित होगा, जिससे आंतरिक असंतोष बढ़ सकता है। यह जल संप्रभुता का दावा दक्षिण एशिया में जल कूटनीति की नई परिभाषा गढ़ता है।

वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए रावी नदी के पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने की योजना बनाई। शाहपुर-कंडी बैराज के पूरा होने से जम्मू के कठुआ और सांबा जिलों में 1.27 लाख बीघा और पंजाब में 20,624 बीघा भूमि की सिंचाई संभव होगी। यह निर्णय 3,300 करोड़ रुपए की लागत से बन रही शाहपुर-कंडी परियोजना के पूरा होने से पहले लिया गया, जो दोनों राज्यों के किसानों के लिए वरदान साबित होगा। लगभग 32 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद कठुआ के 6.16 लाख और सांबा के 3.18 लाख निवासियों को सिंचाई का लाभ मिलेगा। पंजाब को इस परियोजना से 206 मेगावाट विद्युत उत्पादन का अतिरिक्त लाभ होगा, जिससे क्षेत्रीय बिजली संकट कम होगा। 1960 की सिंधु जल संधि के तहत भारत को पूर्वी नदियों रावी, ब्यास और सतलुज पर पूर्ण अधिकार प्राप्त है, जो 33 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) पानी के बराबर है, जबकि पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चेनाब का नियंत्रण मिला। किंतु अधोसंरचना की कमी के कारण रावी की 2 एमएएफ जलधारा पाकिस्तान में बह जाती थी। अब भारत इस प्रवाह को रोककर अपने किसानों और उद्योगों के लिए जल उपयोग सुनिश्चित कर रहा है। पाकिस्तान ने हमेशा पश्चिमी नदियों पर भारत की जलविद्युत परियोजनाओं का विरोध किया है। बगलिहार (900 मेगावाट) और किशनगंगा (330 मेगावाट) बांध अंतरराष्ट्रीय पंचाट में विवादों के बाद पूरे हो सके। राटले (850 मेगावाट) अभी भी विवाद में है। अब भारत पूर्वी नदियों के जल उपयोग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि पाकिस्तान को अनावश्यक रूप से भारतीय जल का लाभ न मिले। वर्ष 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को अतिरिक्त जल प्रवाह रोकने की दिशा में ठोस कदम उठाए। भारत के अपने हिस्से के जल को जम्मू-कश्मीर और पंजाब की ओर मोड़ने की घोषणा की गई थी।

पाकिस्तानी पंजाब रावी सहित सिंधु की सहायक नदियों पर निर्भर है। जल प्रवाह रुकने से नारोवाल, सियालकोट और लाहौर के किसानों को जल संकट झेलना पड़ेगा। मध्य और दक्षिण पंजाब में जल संकट और गहरा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, रावी के प्रवाह में कमी से सिंचाई जल 10-15% तक घट सकता है। रावी के पानी में कटौती से पाकिस्तानी किसानों को ट्यूबवेल पर अधिक निर्भर रहना पड़ेगा, जिससे बिजली और ईंधन की लागत बढ़ेगी। भूजल दोहन बढ़ने से भविष्य में पानी की गंभीर कमी हो सकती है। जबकि भारत के किसानों को लाभ होगा। शाहपुर-कंडी डैम से पंजाब और जम्मू में 69,346 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी, जबकि उज्ज परियोजना जम्मू-कश्मीर में 31,380 हेक्टेयर भूमि को कवर करेगी। इससे गेहूं, धान, गन्ना, कपास और सरसों जैसी फसलों की पैदावार बढ़ेगी। इसके अलावा शाहपुर-कंडी (206 मेगावाट) और उज्ज (186 मेगावाट) परियोजनाएं कुल 392 मेगावाट बिजली उत्पन्न करेंगी, जिससे पंजाब और जम्मू में बिजली संकट कम होगा। भारत का यह कदम रणनीतिक और आर्थिक रूप से बड़ा परिवर्तन है। अब भारत सिंधु जल संधि के तहत अपने अधिकारों का पूरा लाभ उठा रहा है।

गार्डन ऑफ ईडन: तैरते द्वीपों व जटिल ईकोसिस्टम का प्रतीक

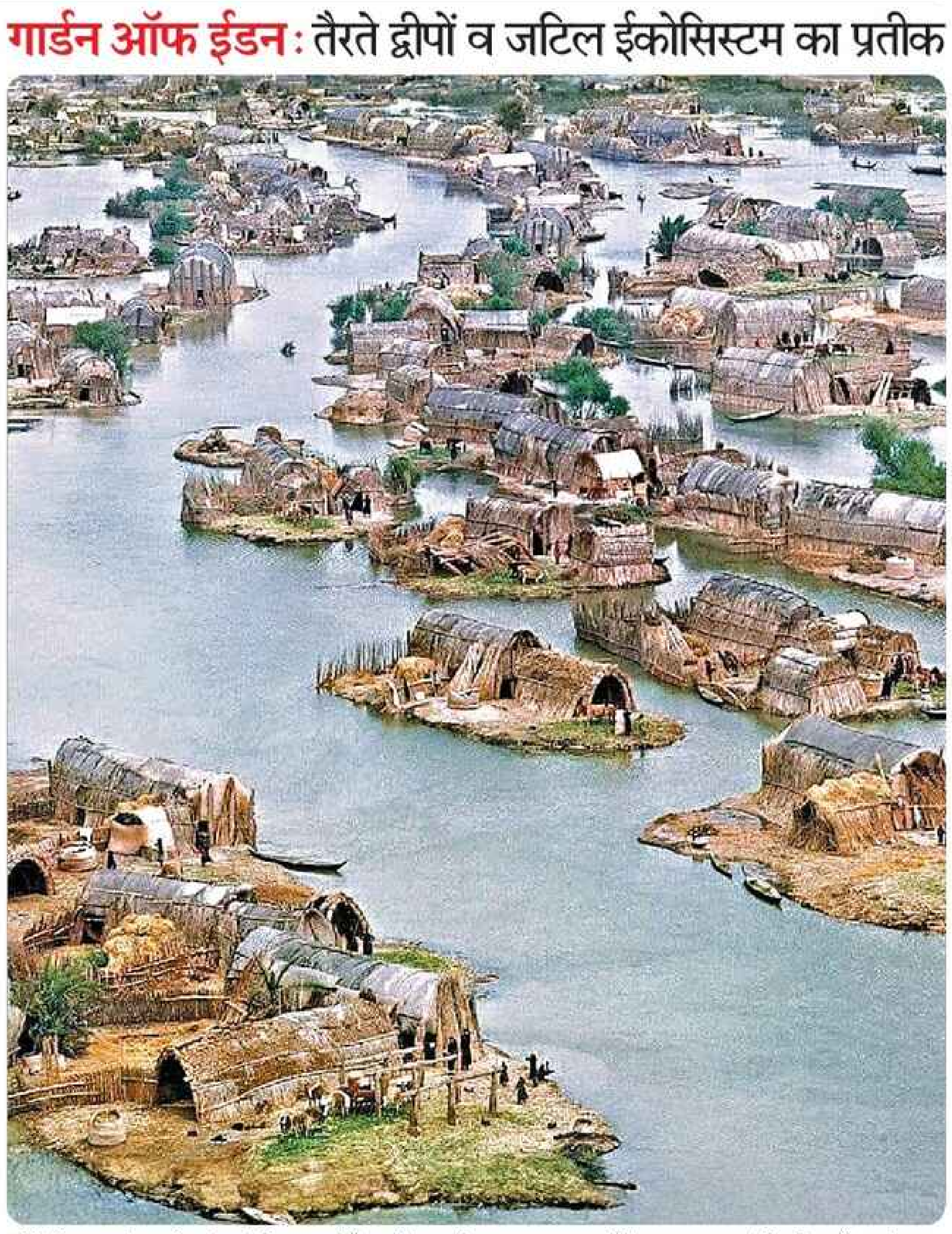

दक्षिणी इराक के जलोढ़ क्षेत्र में स्थित मार्शलैंड्स में आकर्षक दृश्य नजर आते हैं। दरअसल यहां टिगरिस और यूफ्रेट्स नदियां आकर मिलती हैं, जो यहां के जीवन का आधार हैं। इसे गार्डन ऑफ ईडन भी कहा जाता है। यहां जलमार्गों, तैरते द्वीपों और जटिल पारिस्थितिकियों का एक शानदार मिश्रण है, जो हजारों वर्षों से यहां के निवासियों की जीवनशैली को संजीवनी प्रदान करता है। यहां के लोगों ने इस अद्वितीय पर्यावरण के साथ तालमेल बैठाते हुए सुसंगत जीवनशैली विकसित की है। उनके विशेष व परंपरागत आवास को मुधीफ कहा जाता है। ये जलीय पौधों और घास से बने होते हैं। ये न केवल एक आश्रय हैं, बल्कि स्थानीय निवासियों की दृढ़ता और पर्यावरण के प्रति गहरे जुड़ाव का प्रतीक भी होते हैं।

प्रसंगवश

सरकारी फाइलों से बाहर निकलें महिला कल्याण योजनाएं

महिलाओं को बराबरी का हक देने की बातें सरकारी स्तर पर खूब होती हैं लेकिन हकीकत इसके उलट है

आधी दुनिया यानी महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर सरकार की योजनाओं को देखकर लगता है कि इस दिशा में काफी काम हो रहा है। लेकिन जब इन योजनाओं के क्रियान्वयन पर नजर डालते हैं तो लगता है कि योजनाओं के नाम पर ढोल पीटने का काम ज्यादा होने लगा है। इसका ताजा उदाहरण राजस्थान रोडवेज की ओर से बस स्टैंडों पर बनने वाले शिशु वात्सल्य कक्षों के हश्र का है। ये कक्ष इसलिए बनाए जाने थे ताकि बस स्टैंडों पर बस के इंतजार में बैठी माताएं अपने शिशुओं को निःसंकोच स्तनपान करा सकें। इसके लिए पांच वर्ष पहले बाकायदा आदेश जारी किए गए थे। वैसे तो यह व्यवस्था सभी जगह लागू हो ही नहीं पाई और जहां लागू हुई भी है तो इन वात्सल्य कक्षों का कोई दूसरा ही उपयोग हो रहा है।

बात केवल शिशु वात्सल्य कक्ष की ही नहीं, बल्कि महिलाओं से संबंधित अन्य योजनाएं भी समुचित निगरानी के अभाव में दम तोड़ती नजर आ रही हैं। गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना बनी है। लेकिन प्रक्रिया की जानकारी के अभाव में कई जरूरतमंद माताओं को इस योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा। इसी तरह उज्ज्वला योजना के तहत रसोई गैस सिलेंडर देने की पहल सराहनीय तो है लेकिन रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के चलते कई लाभार्थी इस सुविधा का पूरा लाभ नहीं ले पाते। महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं भी महज कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं। हालत यह है कि 'निर्भया फंड' के तहत बनाए गए महिला सुरक्षा केंद्रों की हेल्पलाइन भी कहीं-कहीं ही काम करती दिखती है। स्कूली बालिकाओं को सेनेटरी नेपकिन निःशुल्क वितरण करने के दावे तो सरकारी स्तर पर खूब होते हैं लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में तो बालिकाओं को इस सुविधा की जानकारी तक नहीं होती। महिलाओं से जुड़ी योजनाएं सिर्फ इन्हें वोटबैंक समझकर ही घोषित होने लग जाए तो फिर योजनाओं का ऐसा ही हश्र होता है। रोडवेज बस स्टैंडों पर वात्सल्य कक्ष बनाने का आदेश भी कहां हवा हो गया, किसी को पता नहीं। तभी तो जहां ये केन्द्र बने भी हैं वे या तो स्टोर के रूप में काम आ रहे हैं या फिर किराए पर उठा दिए गए हैं। सवाल सिर्फ योजनाएं बनाने का ही नहीं, इनके समुचित क्रियान्वयन का भी है।

- महेन्द्र सिंह शेखावत
mahendra.shekhawat@epatrika.com

बदलाव: इस वित्तीय वर्ष में 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलने का अनुमान

महाकुंभ के बाद देशभर में धार्मिक पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

महाकुंभ के बाद
सीरीज-1

लोकेश त्रिपाठी
वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार
@patrika.com

एक अनुमान के मुताबिक महाकुंभ से अर्थव्यवस्था में तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक का इजाफा हुआ है।

प्रयागराज में महाकुंभ संपन्न होने के बाद कहां-क्या परिवर्तन हुआ, किसने कितना पाया, जैसे पहलुओं पर मंथन चल रहा है। जब यह उदाहरण दिया जाता है कि एक नाविक परिवार ने महाकुंभ के दौरान 45 दिन में 30 करोड़ की कमाई की तो आप समझ सकते हैं कि आर्थिक तो सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष बना ही है। जैसा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा भी है कि संस्कृति भी इकोनॉमिक ग्रोथ का माध्यम बन सकती है। प्रयागराज महाकुंभ, अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि मंदिर और श्री काशीविश्वनाथ धाम कॉरिडोर ने यह सिद्ध किया है।

एक अनुमान के मुताबिक महाकुंभ से अर्थव्यवस्था में तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक का इजाफा हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञ भी गिनाते हैं कि महाकुंभ में आए 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने औसतन 5 हजार रुपए खर्च किए, तो यह कुल 3.30 लाख करोड़ होता है। एक अनुमान के मुताबिक महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं ने परिवहन पर 1.50 लाख करोड़ और खानपान पर 33 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए। वहीं यह महाकुंभ देश की अर्थव्यवस्था में भी बड़ा योगदान देने जा रहा है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की मानें तो महाकुंभ से भारत को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। प्रत्येक चार वर्ष बाद आने वाला कुंभ स्वयं में यादगार रहता है, लेकिन मान्यता के अनुसार इस बार का महाकुंभ 144 वर्षों बाद आया था। वैसे इस महाकुंभ में सोशल मीडिया की दुकान भी खूब चल निकली। रील और शॉर्ट्स ने तो महाकुंभ को इस कदर लोकप्रिय कर दिया कि 100 से अधिक देशों के लोग डुबकी लगाने आ गए। मोनालिसा और आइआइटी बाबा जैसे कई तो इस आयोजन में इतने प्रसिद्ध हो गए, जितनी कल्पना भी नहीं की जा सकती। वहीं, ममता कुलकर्णी को इतनी मीडिया कवरेज तो उनकी सुपरहिट फिल्म प्रदर्शन के दौरान भी नहीं मिली होगी।

महाकुंभ में युवाओं की धर्म के प्रति आस्था भी बहुत दिखी। अब धार्मिक स्थलों पर युवा श्रद्धालुओं की संभावनाओं पर भी नजर जरूर रखी जाएगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में महाकुंभ पर आधारित सवालों की संभावनाएं भी बढ़ गई हैं। महाकुंभ का आयोजन बड़ा था तो उपलब्धि भी बड़ी मिलनी थी। खास प्रशिक्षण के बाद जहां पुलिस ने अपने व्यवहार से और सफाईकर्मियों ने अपनी गुणवत्तापूर्ण कार्यशैली से नजीर पेश की, वहीं अग्निशमन विभाग ने बिना किसी जनहानि के साथ अग्नि दुर्घटनाओं पर काबू पाया। यहां सबसे अहम बात यह भी रही कि करोड़ों श्रद्धालु आए और लूट-चोरी जैसी एक भी घटना दर्ज नहीं हुई।

विदेशी मीडिया, जैसे द वॉल स्ट्रीट जनरल ने लिखा कि यह अमरीका की कुल आबादी से ज्यादा का आयोजन था। वहीं बीबीसी ने महाकुंभ को मानवता का सबसे बड़ा समागम बताया। यूनेस्को के डायरेक्टर टिम कर्टिस ने कहा कि यूनेस्को ने वर्ष 2019 में कुंभ मेले को मानवता के अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी। वर्ष 2023 से इस आयोजन को लेकर सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय प्रभावों की निगरानी की जा रही थी। कुंभ मेला प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर के रूप में विश्व को एक नई दृष्टि प्रदान करता है।

महाकुंभ का बजट करीब 12,670 करोड़ रुपए था। इसमें राज्य और केंद्र दोनों का खर्च शामिल है। कुंभ के दौरान करोड़ों लोगों के प्रयागराज आने से इस विशाल तीर्थयात्रा कार्यक्रम से बड़े पैमाने पर व्यापार होने की उम्मीद थी और यह हुआ भी, रिकार्ड तोड़ हुआ। दूर-दूर से आए लोगों ने सोचा कि अब आए ही हैं तो लगे हाथ अयोध्या, बनारस और विंध्याचल भी हो लें। उनका सोचना भर था कि आसपास के जिलों की सड़कें जाम हो गईं और तीनों तीर्थ स्थलों पर रिकॉर्ड तोड़ भीड़ हुई। हर सड़क पर 5-7 किलोमीटर का जाम मिलना आम बात हो गई। हालत ऐसी हो गई कि मुख्यमंत्री को खुद भोर तीन बजे वॉर रूम से मॉनिटरिंग करनी पड़ी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 66 करोड़ लोगों ने महाकुंभ में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, वहीं जो नहीं आ पाए उनके लिए उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में संगम का जल मुहैया कराने की जिम्मेदारी अग्निशमन विभाग को सौंपी गई।

महाकुंभ ने राज्य सरकार को चारों जनपदों को जोड़ने के लिए एक विशेष हाई-वे जैसा फैसला लेने की सोच भी जरूर दे दी होगी। हालांकि त्रिवेणी संगम, संगम क्षेत्र को नव्य स्वरूप देने की प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। यह महाकुंभ जहां कई खट्टी-मीठी यादें छोड़ गया, वहीं धार्मिक स्थलों के स्थानीय लोगों के लिए भी कई सीख दे गया। महाकुंभ में अन्य राज्यों से आए टीका लगाने, चाय व दातून बेचने वालों ने और बाइक मालिकों ने 18-20 घंटे में 10-10 हजार रुपए कमाकर मेला आधारित रोजगार पैदा किए। इसे देखते हुए, अन्य धार्मिक स्थलों पर भी रोजगार की नई संभावनाएं दिख रही हैं।

आपकी बात

प्रभावी नीति की जरूरत

औद्योगीकरण विकास व परिवर्तन की एक सतत प्रक्रिया है। मजबूत प्रभावी नीति और शहरीकरण के दूरदर्शी विकास मॉडलों पर कार्य करने की आवश्यकता है।

- रूपसिंह ठाकुर, इंदौर

patrika.com पर पढ़ें

पाठकों की अन्य प्रतिक्रियाएं

इसे स्कैन करें

पत्रिकायन का सवाल था, 'शहरीकरण की समस्या लगातार बढ़ रही है, इसके क्या समाधान हो सकते हैं?' ऑनलाइन भी देखें। https://shorturl.at/aJxOe

आज का सवाल

गर्मी के मौसम में पेयजल की समस्या को दूर करने के क्या समाधान हो सकते हैं?

ईमेल करें
edit@epatrika.com

ब्रेन स्ट्रोक के मरीज के साथ घोर लापरवाही : डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल का मामला, इंजेक्शन काफी महंगा, एक डोज 40 हजार का

मरीज को लगाया एक्सपायर्ड इंजेक्शन, कहा- दो दिन हुए हैं, कुछ नहीं होता

एक्सक्लूसिव

पीलूराम साहू
patrika.com

रायपुर. डीकेएस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में ब्रेन स्ट्रोक की महिला मरीज को एक्सपायर्ड इंजेक्शन लगा दिया गया। परिजनों के विरोध पर स्टाफ का ये जवाब कि इंजेक्शन एक्सपायर हुए दो दिन ही तो हुए हैं, कुछ नहीं होता। इसके बाद मरीज के बाएं हिस्से ने काम करना बंद कर दिया। परिजनों का आरोप है कि इंजेक्शन लगाने के बाद भी काम नहीं किया। इसलिए मरीज ठीक होने के बजाय लकवा का शिकार हो गई हैं। डूंडा की रहने वाली 56 वर्षीय मान बाई को ब्रेन स्ट्रोक होने पर परिजनों ने उन्हें आंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया। आंबेडकर में थक्का हटाने वाले इंजेक्शन टेनेक्टेज 20 मिग्रा नहीं होने का हवाला देकर मरीज को 2 फरवरी को डीकेएस रेफर किया गया। पहले ओपीडी में मरीज का इलाज किया गया। फिर न्यूरोलॉजी विभाग में भर्ती किया गया। मरीज को जब भर्ती किया गया, तब बीपी 130/70 था। ब्रेन स्ट्रोक को देखते हुए न्यूरोलॉजी विभाग के नर्सिंग स्टाफ ने स्टोर से टेनेक्टेज इंजेक्शन मंगाया। चूंकि इस इंजेक्शन का एक डोज 40 से 50 हजार रुपए का होता है इसलिए प्रायः वार्ड में नहीं रखते।

एक पैकेट में पैकिंग, कंफ्यूजन इसलिए

स्टोर से लाए गए इंजेक्शन के एक पैकेट में तीन चीजों की पैकिंग थी। कंफ्यूजन यहीं पर होने की आशंका है। इंजेक्शन का बैच नंबर 112302एन02 था। यह फरवरी 2023 में निर्माण हुआ है और जनवरी 2025 में एक्सपायर हुआ। इसी पैक में डिस्टिल वॉटर भी था और बैच नंबर 232209 डब्ल्यू14 है। यह दिसंबर 2022 में पैक हुआ है और नवंबर 2025 में एक्सपायर होगा। यही नहीं इसी पैक में सीरिंज का एक्सपायरी डेट अगस्त 2027 लिखा है और सितंबर 2025 में बना है। इसका बैच नंबर 2209615 है। परिजनों के अनुसार स्टाफ को कंफ्यूजन यहीं पर हुआ। वे बाद में गलती छिपाने के लिए इंजेक्शन के बजाय डिस्टिल वॉटर को एक्सपायर बताने लगे।

महिला ठीक नहीं हुई, अब कह रहे- रोबोटिक फिजियोथैरेपी कराओ

मरीज को 2 फरवरी को भर्ती किया गया और 7 फरवरी को डिस्चार्ज किया गया। मरीज के परिजनों के अनुसार जब मरीज को लाया गया तो स्थिति ज्यादा खराब नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि एक्सपायर इंजेक्शन लगाने से शरीर का बायां हिस्सा सुन्न हो गया है। अब न्यूरोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. अभिजीत कोहट मरीज को ठीक करने के लिए रोबोटिक फिजियोथैरेपी कराने के लिए कह रहे हैं। यह काफी महंगी है और रायपुर में केवल एक जगह ऐसी फिजियोथैरेपी की जाती है। परिजनों का कहना है कि वे इतने सक्षम नहीं हैं।

न्यूरोलॉजी की नर्सिंग स्टाफ ने जानकारी दी है कि मरीज को एक्सपायर इंजेक्शन नहीं लगाया गया है। एक्सपायरी इंजेक्शन का पैकेट वार्ड में टीचिंग के उद्देश्य से रखा गया था। हो सकता है कि मरीज के परिजनों को एक्सपायरी इंजेक्शन लगाने जैसी बात लगी हो।
-डॉ. क्षिप्रा शर्मा, अधीक्षक डीकेएस अस्पताल

कार्रवाई

रिश्वतखोर पटवारी निलंबित, विभागीय जांच के भी निर्देश

बिलासपुर @ पत्रिका . पट्टे की जमीन को ऑनलाइन रिकॉर्ड चढ़ाने व ऋण पुस्तिका बनाकर देने के एवज में पिछले दिनों एक किसान से 30 हजार रुपए रिश्वत लेते पटवारी अनिकेत साव का वीडियो वायरल हुआ था। पीड़ित किसान की शिकायत पर इस मामले को संज्ञान में लेते हुए कोटा एसडीएम ने आरोपी पटवारी को निलंबित कर दिया है। पीड़ित ने पटवारी को पैसा देते हुए का वीडियो भी बनाकर उपलब्ध कराया था। शिकायत मिलने पर कोटा एसडीएम द्यतन्मय खन्ना रतनपुर तहसीलदार शिल्पा भगत को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। तहसीलदार ने पटवारी को सूचना देकर पक्ष रखने हेतु मौका दिया।

वन कर्मचारियों की हड़ताल पर जाने की चेतावनी

रायपुर@पत्रिका. मांगों को लगातार नजरअंदाज किए जाने से छत्तीसगढ़ वन विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों में आ˜ोश बढ़ 8रहा है। छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ कई वर्षों से वेतन सुधार, पदोन्नति और बेहतर सुविधाओं की मांग कर रहा हैं, लेकिन अधिकारी कर्मचारियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। संघ के अध्यक्ष अजीत दुबे ने बताया कि पिछले वर्ष वन विभाग में उप वनक्षेत्रपाल (डिप्टी रेंजर) के 180 पदों को समाप्त कर उनके स्थान पर 180 संविदा सहायक प्रबंधकों की भर्ती की गई जिससे कर्मचारियों में असंतोष बढ़ गया। विरोध के बाद सरकार और वन मंत्री से बातचीत हुई और समझौता किया गया कि 90-90 पदों पर नियुक्ति होगी। हालांकि, अब अधिकारी इस समझौते की अनदेखी कर रहे हैं और कर्मचारियों की पदोन्नति में अड़चनें डाल रहे हैं। इसके अलावा, वनपाल (फॉरेस्टर) पद जो कि पूरी तरह पदोन्नति के आधार पर भरा जाता था, उसमें अब 33 फीसदी पदों पर सीधी भर्ती करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे कर्मचारी असहमत हैं।

डीएमएफ घोटाला: रानू, सौम्या और सूर्यकांत 10 तक रिमांड पर

रायपुर@पत्रिका. डीएमएफ घोटाले में निलंबित आईएएस रानू साहू, राज्य सेवा की निलंबित अधिकारी सौम्या चौरसिया और कारोबारी सूर्यकांत तिवारी से 10 मार्च तक पूछताछ होगी। ईओडब्ल्यू ने सभी की रिमांड समाप्त होने पर गुरुवार को स्पेशल कोर्ट में पेश किया। इस दौरान उपसंचालक अभियोजन मिथिलेश वर्मा ने विशेष न्यायाधीश को बताया कि प्रकरण में रानू, सौम्या और सूर्यकांत से विस्तृत पूछताछ करने की जरूरत है। इस घोटाले संलिप्त माया वारियर और मनोज द्विवेदी को रिमांड पर लिया गया है। सभी को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ कर बयान लिया जाना है। इसे देखते हुए 4 दिन का अतिरिक्त रिमांड पर दिए जाने का अनुरोध किया। इसे विशेष न्यायाधीश को स्वीकार किया। बता दें कि बता दें कि 90 करोड़ 48 लाख 22255 रुपए के डीएमएफ घोटाले की जांच ईडी के बाद ईओडब्ल्यू कर रही है। इस प्रकरण में एफआईआर करने के बाद 5 लोगों को पहली बार गिरफ्तार किया गया है।

भीषण हादसा : मंदिरहसौद इलाके की घटना, नहीं खुला एयर बैग

रायपुर में ट्रक से भिड़ी बेकाबू कार, मौके पर ही पांच की मौत

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. राजधानी में बेकाबू रफ्तार ने अलग-अलग घटना में 6 लोगों की जान ले ली। मंदिरहसौद इलाके में तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर के ऊपर से दूसरे रोड पर चली गई और सामने से आ रही ट्रक से जा भिड़ी। इस भीषण हादसे में कार सवार 5 युवकों की मौत हो गई। कार की रफ्तार बहुत अधिक थी। मंदिरहसौद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। दूसरी घटना पुरानीबस्ती इलाके में हिट एंड रन की है। सुबह मॉर्निंग वॉक में निकले युवक को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दिया। इससे उसकी मौत हो गई।

किसी ने नहीं लगाया था सीटबेल्ट

पुलिस के मुताबिक कार ड्राइवर से लेकर उसमें सवार किसी भी सवार ने सीटबेल्ट नहीं बांधा था। इसके अलावा कार का एयरबैग भी नहीं खुला। इस कारण युवकों को गंभी चोटें आई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मॉर्निंग वॉक में निकले युवक को कार ने उड़ाया

रफ्तार ने बदली दिशा, कार के उड़े परखच्चे

सभी एक्सयूवी 300 सीजी 04 एनओ 5063 में सवार थे। मंदिर हसौद पार करके दोपहर 1.44 बजे उमरिया के मयूर स्कूल के पास पहुंचे थे, उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क डिवाइडर पर चढ़ गई और महासमुंद से रायपुर आने वाली दूसरी रोड पर पहुंच गई और उस रोड पर सामने से आ रही ट्रक एमएच 40 सीएम 9637 से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। पांचों युवक कार में ही दब गए। सभी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मंदिरहसौद पुलिस मौके पर पहुंची। कार को क्रेन से हटाया गया। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। सभी मृतकों की उम्र 30 से 40 के बीच की है। सभी शेड बनाने का काम करते हैं।

प्रत्यक्षदर्शी बोले-

डिवाइडर पर चढ़ी कार

कुछ प्रत्याक्षदर्शियों का कहना है कि कार की रफ्तार अधिक थी। अचानक कार के आगे के बाएं साइड का टॉयर फट गया। इससे कार अनियंत्रित हो गई। फिर डिवाइडर के ऊपर से गुजरते हुए दूसरी रोड पर आकर ट्रक से जा भिड़ी थी।

इनकी हुई मौत: उरला के गाजीनगर और अछोली निवासी अमजद उर्फ सोनम खान, मोहम्मद फिरोज, मोहम्मद हसनैन, मोहम्मद मिराज खान और मोहम्मद किताबुद्दीन कार में सवार थे।

कार अनियंत्रित होकर दूसरे रोड पर विपरीत दिशा में चली गई। उसी दौरान सामने से आ रही ट्रक से टकरा गई। सवार पांच युवकों की मौत हो गई। मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रहे हैं।
-अविनाश सिंह, टीआई, मंदिरहसौद, रायपुर

विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा, पक्ष ने अच्छाई तो विपक्ष ने खामियां गिनाईं

रायपुर@पत्रिका. विधानसभा के आठवें दिन मंत्री अरुण साव के विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा हुई। हालांकि पूरी चर्चा नहीं हो पाई, इसलिए सदन की कार्रवाई शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। मंत्री साव के विभागों की अनुदान मांगों पर शुक्रवार को चर्चा पूरी होगी। पहले दिन चर्चा के दौरान पक्ष ने जहां उनके विभागों के बजट में किए गए प्रावधानों की जमकर तारीफ की। साथ ही कांग्रेस शासन में उक्त विभागों में हुए कार्यों में भ्रष्टाचार और गड़बड़ियों को लेकर सियासी हमला बोला। वहीं, विपक्ष ने मंत्री साव के विभागों की अनुदान मांगों की खामियां गिनाते हुए पिछले बजट में स्वीकृत राशि पूरी तरह से खर्च नहीं होने पर सरकार और मंत्री पर निशाना साधा।

विपक्ष के विधायक उमेश पटेल ने कहा, मंत्री के विभागों को पिछले बजट में प्रावधान की गई राशि में से 50 प्रतिशत भी खर्च नहीं किए गए हैं। अब फिर से उनके विभागों के लिए राशि इस बजट में बढ़ाई गई। उनके विभागों में विकास कार्यों की गति बहुत धीमी हैं। पिछले सरकार में स्वीकृत किए गए कार्य बंद किए जा रहे हैं। टेंडर वापस लिए जा रहे हैं। साय सरकार में एक साल में कोई काम ही नहीं हुआ।

बजट सत्र : विपक्ष ने शून्यकाल में उठाया मुद्दा

जनपद चुनाव को लेकर विधानसभा में हंगामा, विपक्ष का वॉकआउट

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. विधानसभा के बजट सत्र में गुरुवार को जनपद पंचायतों में हो रहे अध्यक्ष पद के चुनाव का मुद्दा प्रमुखता से उठा। इस चुनाव में विपक्ष ने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए लोकतंत्र का विश्वास खत्म करने की बात कहीं। विपक्ष का आरोप था कि कई जगहों पर चुनाव जानबूझकर स्थगित किया जा रहा हैं। इसे नाराज विपक्ष ने नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। विधानसभा में शून्यकाल के दौरान कांग्रेस विधायक अनिला भेड़िया ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, 4 मार्च को डौंडी में जनपद अध्यक्ष का चुनाव होना था। चुनाव के लिए सदस्य अंदर गए। इसके बाद चुनाव की प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया। सावित्री मनोज मण्डावी ने कहा, कांकेर के तीनों विकासखंड में इसी प्रकार की स्थिति बनी। खरीद-फरोख्त की जा रही हैं। द्वारिकाधीश यादव ने कहा, सरकारी कर्मचारियों पर भी दवाब बनाया जा रहा है। विधायक उमेश पटेल ने कहा, जहां हमारे सदस्यों की संख्या अधिक हैं, वहां चुनाव निरस्त किया जा रहा है। इससे लोकतंत्र का विश्वास खत्म हो रहा है। शासन और प्रशासन के लोग परिवारजनों को सता रहे हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी को विधायक के घर बैठाया : भूपेश

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, यह लोकतंत्र का मंदिर है और यहां लोकतंत्र का चिरहरण हो रहा है। दुर्ग जिला पंचायत चुनाव था। वहां महिला पद के लिए केवल दो उम्मीदवार थीं। इसमें से एक को विधायक के घर बैठा दिया गया। यह लोकतंत्री की हत्या है। मंत्री को इस पर जवाब देना चाहिए। सत्ता पक्ष से जवाब नहीं आने पर विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया और नारेबाजी करते हुए बाहर निकल गए।

खुशखबर : डीए बढ़कर 50 से 53 प्रतिशत हुआ

मार्च से ही मिलेगा तीन फीसदी बढ़ा महंगाई भत्ता, आदेश जारी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने होली से पहले राज्य के शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते को 53 प्रतिशत करने की अपनी घोषणा पूरी कर दी है। वित्त विभाग ने राज्य के शासकीय सेवकों के महंगाई भत्ते में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर 53 प्रतिशत करने का आदेश जारी कर दिया। जबकि 6वें वेतनमान के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 7% की वृद्धि की गई है। अब उन्हें 246% महंगाई भत्ता प्राप्त होगा। यह वृद्धि 1 मार्च 2025 से प्रभावी होगी और इसका भुगतान मार्च 2025 के वेतन के साथ अप्रैल में किया जाएगा। वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी ने 3 मार्च को विधानसभा में 2025-26 के वार्षिक बजट में शासकीय सेवकों को 53% डीए किए जाने की घोषणा की थी।

ऐसे मिलेगा लाभ

वर्ग(श्रेणी)	राशि
चतुर्थ	544 से 1500
तृतीय	638 से 2775
द्वितीय	1800 से 5325
प्रथम	2250 से 6375

4 लाख कर्मचारियों को होगा फायदा

आदेश के बाद प्रदेश के 3 लाख 84 हजार कर्मचारियों को इसका फायदा होगा। फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा ने इसके लिए सरकार का आभार भी जताया है। इससे सरकार पर प्रति माह करीब 45 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार आएगा।

महिला दिवस को संघर्षरत दिवस के रूप में मनाएंगे

नक्सलियों ने स्वीकारा, मुठभेड़ में मारे गए 300 में से 60 महिला नक्सली

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

जगदलपुर . नक्सलियों की दक्षिण सब ज़ोनल ब्यूरो के अंतर्गत आने वाले क्रांतिकारी आदिवासी महिला संगठन ने गुरुवार को एक प्रेस नोट जारी करते हुए महिला दिवस मनाने का आह्वान किया है। मनिला के हवाले से कहा गया हैं कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को संघर्षरत दिवस के रूप में मनाया जाए। नक्सलियों ने इस प्रेस नोट में बस्तर के अबूझमाड़ में सैनिक ठिकाना बनाकर माड़ आदिवासी अस्तित्व को ख़त्म करने का आरोप लगाया है। साथ ही कहा है कि एक वर्ष में मारे गए 3 सौ नक्सलियों में 60 महिला नक्सली थीं। कहा गया कि बस्तर की आदिवासी महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है। इसका विरोध किया जाए। लगातार हो रहे हमलों की वजह से बस्तर की आदिवासी महिलाओं का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। नक्सलियों ने फोर्स पर ग्रामीण महिलाओं की हत्या का आरोप भी लगाया है। महिला दिवस के दौरान नक्सलियों ने बस्तर में अबूझमाड़ में स्थापित हो रहे सेना के कैंप का पुरजोर विरोध करने की अपील की है।

सिपाही की हत्या में शामिल दो नक्सली गिरफ्तार

राजनांदगांव. नक्सल विरोधी अभियान के तहत गढ़चिरौली पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। 11 फरवरी को मुठभेड़ के दौरान सी-60 टीम के जवान की हत्या में शामिल दो हार्डकोर नक्सलियों केलू पांडु मडकम उर्फ डोलावा और रामा दोहे कोरचा उर्फ डुम्मी को सुरक्षा बलों ने गिरफ्तार किया है। इन पर 8 लाख का इनाम घोषित है। दोनों गिरफ्तार नक्सली कई घटनाओं में शामिल रहे हैं। गढ़चिरौली पुलिस के अनुसार बुधवार को पुलिस व सीआरपीएफ की टीम भामरागढ़ उपमंडल की सीमा के अंतर्गत पीएस भामरागढ़ के अधिकार क्षेत्र में अरेवाड़ा के वन क्षेत्र में सर्चिंग में निकले थे। इस दौरान जंगल में दो लोग संदिग्ध नजर आए।

फैसला : 9000 रुपए का जुर्माना भी लगाया

विवाह का झांसा देकर किशोरी से रेप, दोषी को 20 वर्ष की कैद

पत्रिका रक्षा कवच — अपराधों के विरुद्ध महिला सुरक्षा अभियान

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने विवाह करने का झांसा देकर किशोरी के साथ दुष्कर्म करने के आरोपी को 20 साल की कैद की सजा सुनाई। न्यायालय ने 9000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। जुर्माने की राशि नहीं देने पर 5 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। कोर्ट ने पीड़िता के पुनर्वास के लिए 8 लाख रुपए मुआवजा राशि देने की अनुशंसा की।

इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पत्र भेजा गया। विशेष लोक अभियोजक विमला तांडी ने बताया कि गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता अपनी मां के साथ ईंट बनाने का काम करने के अलावा स्कूल में पढ़ने भी जाती थी।

पीछा छुड़ाने के लिए आरोपी हुआ फरार

किशोरी से पीछा छुड़ाने के लिए आरोपी फरार हो गया। काफी तलाश करने के बाद मुलाकात होने पर आरोपी ने विवाह करने से इनकार कर दिया। पीड़िता ने इसकी शिकायत गोबरा-नवापारा थाना में कराई। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करने के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया। पूरे मामले की जांच करने के बाद कोर्ट में केस डायरी पेश की।

दो छात्रों का पीजी प्रवेश रद्द, 12 को इनसर्विस कैटेगरी से किया बाहर, च्वॉइस फिलिंग आज से

रायपुर@पत्रिका. चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने हाईकोर्ट के आदेश के बाद इनसर्विस कैटेगरी के दो छात्रों का पीजी प्रवेश रद्द कर दिया। इनमें एक छात्र को सिम्स बिलासपुर में एमडी स्किन व दूसरे छात्र को रिम्स रायपुर में एमडी पीडिया की सीट मिली थी। वहीं, 12 छात्रों को इनसर्विस कोटे से बाहर कर दिया। इनमें 9 छात्रों का बोनस अंक नियमानुसार जारी नहीं किया गया है। वहीं, 5 को स्वास्थ्य संचालनालय के आदेश के बाद इनसर्विस कैटेगरी से बाहर रखा गया है। स्ट्रे वेकेंसी राउंड के लिए 6 सरकारी व 3 निजी कॉलेजों में 98 सीटें खाली हैं। इनमें पात्र छात्रों को 7 व 8 मार्च को च्वॉइस फिलिंग करनी होगी।

नेहरू मेडिकल कॉलेज में जनरल सर्जरी समेत नॉन क्लीनिकल विभाग की सीटें खाली हैं। वहीं, सिम्स में स्किन की सीट खाली हो गई है। सरकारी कॉलेजों में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, बायो केमेस्ट्री व फॉरेंसिक मेडिसिन जैसे नॉन क्लीनिकल की सीटें बची हैं। वहीं, निजी कॉलेजों में जनरल मेडिसिन, ऑब्स एंड गायनी, डर्मेटोलॉजी, इमरजेंसी मेडिसिन, रेडियो डायग्नोसिस, फोरेंसिक समेत नॉन क्लीनिकल की सीटें नहीं भरी हैं। डीएमई कार्यालय ने गुरुवार को काउंसलिंग का नया शेड्यूल जारी किया, ताकि नए सिरे से च्वॉइस फिलिंग की जा सके। इसके बाद आवंटन सूची जारी की जाएगी। फिर छात्र 12 मार्च तक प्रवेश ले सकेंगे। स्पेशल राउंड में 20 मार्च तक प्रवेश लेना होगा।

20 मार्च तक मिली प्रवेश की अनुमति: प्रदेश में पीजी की खाली सीटों को भरने के लिए 20 मार्च तक अनुमति मिल गई है। पहले एडमिशन की आखिरी तारीख 28 फरवरी थी। अब स्ट्रे वेकेंसी राउंड के लिए 7 से 12 मार्च तक तथा स्पेशल स्ट्रे वेकेंसी राउंड के लिए 13 से 20 मार्च तक प्रवेश की प्रक्रिया चलेगी। हाईकोर्ट के आदेश के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एनएमसी को पत्र लिखकर प्रवेश की तारीख बढ़ाने की मांग की थी। दरअसल 27 फरवरी को हाईकोर्ट का फैसला आया था और 28 को प्रवेश की आखिरी तारीख थी।

हवा-हवाई | फ्लाइबिग की फ्लाइट भगवान भरोसे, कंपनी के अफसर जवाब भी नहीं देते

न शेड्यूल, न किराया और न ही टिकट बुकिंग का ठिकाना

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से अंबिकापुर और बिलासपुर की फ्लाइबिग फ्लाइट भगवान भरोसे चल रही है। ट्रैवल्स संचालकों तक को इसका शेड्यूल नहीं मालूम है। इसके चलते यात्रियों को संतोषजनक जवाब नहीं दे पा रहे हैं। वहीं फ्लाइट के अनियमित संचालन के चलते पर्याप्त यात्री तक नहीं मिल रहे है।

ट्रैवल्स एसोसिएशन फेडरेशन ऑफ इंडिया (टाफी) के छत्तीसगढ़ अध्यक्ष रमन जादवानी ने बताया कि यह फ्लाइट रायपुर को अंबिकापुर और बिलासपुर को जोड़ती है। लेकिन, यह सप्ताह में कब, कितने समय और कितने दिन चलती है और किराया और टिकटिंग का कोई जानकारी तक नहीं मिल पाती है। टिकट की बुकिंग करने कंपनी को मेल भेजकर जानकारी मांगनी पड़ती है। लेकिन, सिस्टम के स्लो और सर्वर डाउन होने का हवाला दिया जाता है। विमानन कंपनी को शिकायती पत्र लिखकर व्यवस्था को सुधारने के लिए कई बार अनुरोध किया गया है।

कंपनी की ओर से नहीं मिला जवाब

फ्लाइबिग विमानन कंपनी अपूर्व देब से इस संबंध में जानकारी लेने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन रिसीव ही नहीं किया।

कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं

टाफी के प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि तीनों शहरों के ट्रैवल्स संचालकों ने इस फ्लाइट के संचालन को लेकर नाराजगी जताई है। साथ ही इसे ठीक करने के लिए कंपनी के अधिकारियों से संपर्क करने कहा है। उनका कहना है कि प्रदेश में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी नहीं होने से कंपनी के साथ ही उन्हें भी यात्रियों की नाराजगी का सामना करना पड़ता है। तीनों ही शहरों के लिए बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते है।

उड़ान को लेकर हमेशा संशय

ट्रैवल्स संचालकों का कहना है कि पहले फ्लाइट का संचालन 5 दिन उसके बाद 3 दिन करने की जानकारी उन्हें मिली थी। लेकिन, इस समय कब, कितने समय और सीटें की उपलब्धता के संबंध में कोई ब्यौरा नहीं है। इस कारण वे टिकट बुकिंग के लिए दिए गए स्लॉट में किराया, टाइमिंग नहीं होने के कारण यात्रियों को सर्विस नहीं दे पा रहे हैं।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग : इंग्लैंड मास्टर्स की टीम भी पहुंची

सचिन की अगुवाई भारतीय सितारे पहुंचे रायपुर

रायपुर. इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के सेमीफाइनल और फाइनल समेत 7 मैच नवा रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके लिए गुरुवार को इंडिया मास्टर्स और इंग्लैंड मास्टर्स के दिग्गज रायपुर पहुंच गए। 8 मार्च को इंडिया मास्टर्स सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा की टीम से भिड़ेगी। इंडिया टीम में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के अलावा युवराज सिंह, युसुफ पठान, इरफान पठान, अंबाती रायुडू समेत कई दिग्गज खिलाड़ी पहुंच चुके हैं। वहीं, इंग्लैंड की टीम के कप्तान इयान मोर्गन समेत इयान बेल, फिलिप मास्टर्ड, टिम ब्रेसनन, दिमित्री मास्कारेनहॉस, मोंटी पनेसर लीजेंड खिलाड़ी आए हैं।

ग्वालियर : आदर्श गोशाला में लगी आग; सोफा-कुर्सियां, मंच राख, गोशाला में 10 हजार गोवंश, कोई हताहत नहीं

ग्वालियर@पत्रिका. लाल टिपारा आदर्श गोशाला में गुरुवार दोपहर करीब ढाई बजे शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग को समय रहते काबू कर लिया गया, वरना एक बड़ा हादसा हो सकता था क्योंकि आग सीएनजी प्लांट तक पहुंचती तो उसे काबू करना काफी मुश्किल था। प्लांट पर अभी 100 किलो से अधिक सीएनजी की गैस भी रखी हुई थी। फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों ने आग पाया। दोपहर ढाई बजे गोशाला में गुलाल बनाने का कार्य किया जा रहा था। तभी पास लगे हैलोजन में शॉर्ट सर्किट से घास और जमीन पर रखे सोफे में आग लग गई। 10 मिनट में भूसे से बनाई बैठक व्यवस्था वाली जगह में रखे सोफे, कुर्सियां, मंच और घास जल गई और आग पूरे परिसर में फैल गई। प्रबंधक ऋषभ देवानंद महाराज ने बताया, गोशाला में 10 हजार से अधिक गोवंश हैं। कोई हताहत नहीं हुआ है।

सतना : ऑयल फैक्टरी में भड़की आग, 15 किमी दूर तक नजर आया धुआं, दमकल ने 3 घंटे में पाया काबू

सतना@पत्रिका. बदखर बायपास पर तारपीन बनाने वाली ऑयल फैक्ट्री में गुरुवार शाम 4 बजे आग लग गई। फैक्ट्री में केमिकल होने से कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री से उठता धुआं 15 किमी. दूर तक नजर आया। सूचना पर 30 मिनट बाद दमकलकर्मियों ने आग बुझाना शुरू किया। 3 घंटे बाद जब केमिकल पूरी तरह से जल गया तब आग पर काबू पाया। रहवासियों ने बताया, अंदर एक दर्जन श्रमिक काम कर रहे थे, जो आग लगते ही भाग निकले। आग की भयावहता देख जिला प्रशासन ने एसडीआरएफ को बुलाया। जिसने जेसीबी से दीवार गिराकर दमकल का पानी सीधे ज्वलनशील पदार्थ पर डालना शुरू किया। इसके बाद शेड तोड़कर आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चला है।

न्यूज विंडो

टक्कर से ट्रैक्टर से गिरा किसान, मौत

ग्वालियर. एक कार ने आगे जा रहे ट्रैक्टर को टक्कर मारी, जिससे उस पर बैठा किसान नीचे गिर गया। कार ने उसे रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना घाटीगांव में वनखंडेश्वर मंदिर की है। घटना में चैत गांव निवासी करण आदिवासी (24) की मौत हुई। रघुवीर आदिवासी ने बताया, करण घाटीगांव में खेत में काम करने आया था। वह गांव वापस लौट रहा था, तभी रास्ते में कार ट्रैक्टर में घुस गई।

दो तस्करों से 17 किलो गांजा जब्त

जबलपुर. बरेला पुलिस ने बुधवार को दो तस्करों को 17 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि नरसिंह मंदिर पुलिया के पास खड़े दो युवकों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने अपना नाम घमापुर चौक पानी की टंकी निवासी रवि महोबिया और बम्बा देवी निवासी गोपाल धारकर उर्फ सागर बताया। उनके पास बैग गांजा मिला।

नदी में डूबे दो भाई, एक को बचाया

ओंकारेश्वर. मंदिर में दर्शन कर नर्मदा में नहा रहे युवकों में से एक की डूबकर मौत हो गई। महाराष्ट्र से आए 13 युवक गुरुवार को नागर घाट पर नहा रहे थे, इसी दौरान बांध से पानी छोड़ा गया, जिससे दिनेश पिता अमोलकदम (20) निवासी यवतमाल महाराष्ट्र की डूबने से मौत हो गई। ूसरे भई गणेश को बचा लिया गया। मौके पर तैनात होमगार्ड जवानों की सतर्कता से बड़ी घटना होने से बची।

10 लाख लेकर बहू को भगाया, केस दर्ज

जबलपुर. निकाह के कुछ दिन बाद ससुराल वालों ने 10 लाख रुपए और कार के लिए बहू को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। मायके वालों ने 10 लाख दिए, लेकिन उसे मायके में छोड़ दिया गया। बुधवार को अधारताल थाने में पति समेत सास और ससुर पर केस दर्ज कराया। पुलिस ने बताया, खजरी खिरिया निवासी महिला का निकाह पिछले साल अप्रेल में गोहलपुर के इरफान से हुआ था। निकाह के बाद से ही वह दबाव बनाने लगा।

शिक्षा जरूरी : हाईकोर्ट ने महत्त्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए तलाक को दी मंजूरी

‘पत्नी को पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर करना मानसिक क्रूरता’

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. पति-पत्नी के संबंधों में क्रूरता किसे माना जाएगा, इसके मापदंडों को हाईकोर्ट ने तय करने की कोशिश की है। जस्टिस विवेक रुसिया और जस्टिस गजेन्द्र सिंह की कोर्ट ने तलाक के मामले में फैसला सुनाते हुए पत्नी को पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर करने को मानसिक क्रूरता की श्रेणी में रखा है। साथ ही इसे तलाक का आधार मानते हुए तलाक को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने भूरी पति भीम की तलाक अपील पर सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया।

कोर्ट ने कहा, पत्नी को पढ़ाई छोड़ने को मजबूर करना या ऐसा माहौल बनाना कि वह पढ़ाई जारी न रख सके, वैवाहिक जीवन की शुरुआत में ही उसके सपनों को नष्ट करने के बराबर है। उसे ऐसे व्यक्ति के साथ रहने को मजबूर करना, जो न तो शिक्षित है और न ही खुद को बेहतर बनाने के लिए उत्सुक है, निश्चित रूप से मानसिक क्रूरता है और तलाक का आधार है। वहीं एक दिन पहले भी तलाक के एक मामले में इंदौर हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के फैसले को पलट दिया था।

ये है मामला

शाजापुर जिले में रहने वाली भूरी का 1 मई 2015 को भीम से विवाह हुआ था। तब वह 12वीं पास थी और आगे पढ़ाई की इच्छा जताई। ससुराल वालों ने सहमति दे दी थी। 1 साल बाद 16 जुलाई को गौना हुआ, तब कहा गया कि दो दिन में उसे वापस मायके भेज दिया जाएगा। ससुराल पहुंचने के बाद ससुराल वालों ने उसे पढ़ने से रोक दिया। उसे वापस भेजने की बजाय दहेज में एक लाख रुपए कम देने और मोटरसाइकिल नहीं देने को लेकर प्रताड़ित करने लगे। पुलिस हस्तक्षेप से भूरी के पिता उसे 27 जुलाई को घर ले आए। इसके बाद उसने शाजापुर परिवार न्यायालय में तलाक की अर्जी दाखिल की। पति ने विवाह बहाली के लिए याचिका लगाई। कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया कि ये साबित नहीं हुआ है कि पति ने पत्नी के साथ क्रूरता की। ये भी साबित नहीं हुआ कि पति ने पत्नी के साथ अप्राकृतिक संबंध बनाए। पत्नी खुद उसके साथ नहीं रहना चाहती और झूठे आधार पर तलाक का केस लगाया है। इसके खिलाफ भूरी ने हाईकोर्ट में अपील की, जिसमें ये बात निकलकर आई कि मायके आने के बाद भूरी ने स्नातक की पढ़ाई की। हाई कोर्ट ने सभी तथ्यों को देखने और पत्नी को शिक्षा से रोकने के लिए पति के निचली अदालत में दिए बयान को ही आधार बनाकर तलाक को मंजूरी दे दी।

शिक्षा जीवन है...

कोर्ट ने पत्नी को शिक्षा हासिल करने से रोकने को न सिर्फ गलत माना, बल्कि अपने आदेश में शिक्षा को जरूरी बताते हुए अमेरिकी दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक और शिक्षा सुधारक जॉन डेवी के कोट को भी शामिल किया। जिसमें जॉन डेवी ने कहा है कि शिक्षा केवल जीवन की तैयारी के बारे में नहीं है, बल्कि यह स्वयं जीवन है।

मानसिक क्रूरता को सबूतों के आधार पर सिद्ध करना मुश्किल

कोर्ट ने मानसिक क्रूरता साबित करने को लेकर उठने वाले सवालों पर भी साफ कहा कि शारीरिक क्रूरता को आसानी से सिद्ध किया जा सकता है, लेकिन मानसिक क्रूरता को सबूतों के आधार पर सिद्ध करना मुश्किल है। एक पति या पत्नी के आचरण के कारण होने वाली पीड़ा, निराशा और हताशा की भावना को केवल तथ्यों और परिस्थितियों का आकलन करने पर ही समझा जा सकता है।

2 देसी पिस्टल और 4 कट्टे के साथ युवक दबोचा

खरगोन@पत्रिका. पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 2 देसी पिस्टल और 4 देसी कट्टे जब्त किए। सूचना मिलने पर पुलिस ने कार में बैठे शख्स से पूछताछ की, तो उसने अपना नाम नीरज पिता मनोज छावड़ी (30) निवासी निवासी ग्राम रूलकी जिला शाजापुर बताया। तलाशी लेने पर हथियार बरामद हुए।

बाइक पर बैठे बुजुर्ग की जेब से 50 हजार रुपए छीनकर गायब

ग्वालियर@पत्रिका. बाइक पर बेटे के साथ बैठे बुजुर्ग की जेब से 50 हजार रुपए गायब हो गए। घटना गोसपुरा की है। गौरव नामदेव निवासी कारीगरों की बगिया ने पुलिस को बताया, पिता माधौ सिंह ने बैंक से 50 हजार रुपए निकाले। रास्ते में एक टर्न पर कुछ सेकंड के लिए बाइक रोकी, तभी एक बदमाश आया और जेब से रकम खींचकर भागने लगा। उसका पीछा किया, लेकिन वह पकड़ में नहीं आया।

जबलपुर : एसडीआरएफ ने निकाले शव

आखिरी पेपर देने के बाद खेली होली, स्कूल से तालाब नहाने गए दो छात्र की डूबने से मौत

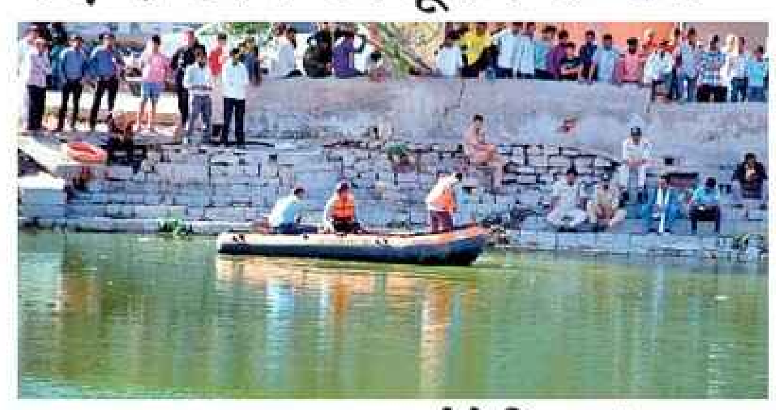

जबलपुर@पत्रिका. गोपालबाग तलैया में डूबे दोनों छात्रों के शव गुरुवार को मिले। एक को सुबह साढ़े नौ बजे और दूसरे का शाम साढ़े चार बजे निकाला गया। शवों को तलाशने में एसडीआरएफ की टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कोतवाली पुलिस ने बताया, हनुमानताल खाई मोहल्ला निवासी सुरेन्द्र कोरी का बेटा पवन (14) और महेन्द्र कोरी का बेटा वैभव (14) तमरहाई स्कूल में कक्षा 8वीं के छात्र थे। बुधवार को उनका आखरी पेपर था। पेपर के बाद दोनों ने सहपाठियों के साथ होली खेली। इससे उनकी ड्रेस खराब हो गई। दोनों अन्य साथियों के साथ गोपाल बाग तलैया गए। वहां तालाब में नहाने उतरे। तालाब की गहराई से अनजान दोनों छात्र तालाब में डूब गए। अगले दिन दोनों के शव निकाले।

शर्ट में मिला संस्कृत का पेपर

घाट पर उनकी एक काली टी-शर्ट, एक सफेद शर्ट, एक जोड़ी जूता और एक जोड़ी चप्पल मिली। शर्ट में कक्षा 8वीं के संस्कृत का पेपर और सौ रुपए रखे थे। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने बुधवार रात 12 बजे तक पानी में दोनों की तलाश की लेकिन पता नहीं चल सका। गुरुवार सुबह फिर सर्चिंग शुरू हुई।

कांटे में फंसे शव

चोई व दलदल होने के कारण एसडीआरएफ की टीम ने कांटे और मोटर बोट के सहारे सर्च अभियान चलाया। पहले सुबह नौ बजे वैभव का शव कांटे में फंसकर ऊपर आया। पवन के शव को तलाशने में पुलिस और एसडीआरएफ की टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आखिरकार शाम लगभग साढ़े चार बजे पवन का शव मिला।

रीवा : पुलिस ने लोकेशन ट्रेस कर किया बरामद

प्रेम प्रसंग में युवक ने रची खुद के अपहरण की साजिश

रीवा@पत्रिका. प्रेम प्रसंग में एक युवक ने खुद के ही अपहरण की साजिश रच डाली। हालांकि चंद घंटों में ही पुलिस ने इसका पर्दाफाश कर दिया और युवक को सकुशल बरामद कर लिया। बेटे की करतूत सुनकर परिजन भी हैरान रह गए। मामला सिरमौर थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। मनीष मिश्र (28) पुणे में काम करता है। बीते दिनों वह अपने गांव आया था। 28 फरवरी को पुणे जाने की कहकर निकला। बाद में परिजनों को फोन कर इटारसी स्टेशन से नकाबपोश बदमाशों द्वारा अपहरण कर लेने की जानकारी दी। वीडियो कॉल में जंगल की लोकेशन भी बताई, जिसे देख परिजन घबरा गए। परिजनों ने थाने में शिकायत की, तो पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर युवक को रामपुर नैकिन से बरामद कर लिया। युवक के बयान से सच्चाई पता चली।

बस में हुआ था महिला से परिचय

युवक ने पुलिस को बताया, पुणे से लौटने के दौरान सतना से रीवा के बीच उसका महिला से बस में परिचय हो गया। वह प्रेमिका से मिलने जाना चाहता था, इसलिए अपहरण की साजिश रची। दिन में जंगल में घूमता था और रात में प्रेमिका के घर पहुंच जाता था।

महिला बाइकर्स ने देखा ग्वालियर किला, बटेश्वर का वैभव

ग्वालियर@पत्रिका. मप्र टूरिज्म बोर्ड के महिला बाइकिंग इवेंट क्वींन्स ऑन दि व्हील्स के द्वितीय संस्करण में 25 महिला बाइकर्स 1400 किलोमीटर के सफर पर निकली हैं। इन बाइकर्स ने गुरुवार को ग्वालियर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को देखा। इसके अलावा महिला बाइकर्स ने मितावली-पड़ावली, बटेश्वर के प्राचीन मंदिर समूहों का भ्रमण कर वहां की उत्कृष्ट वास्तुकला और ऐतिहासिक महत्व को समझा।

ग्वालियर : महाकुंभ की भीड़ से टिकट हुए रद्द

फरवरी में ट्रेनें लेट, रेलवे ने दिया 32 लाख का रिफंड

ग्वालियर@पत्रिका. फरवरी महीने में महाकुंभ को लेकर देशभर के लोगों ने प्रयागराज पहुंचने के लिए ट्रेनों से यात्रा की। इसमें ग्वालियर से प्रयागराज के लिए चलने वाली ट्रेनें भी कम पड़ गईं थीं। इसे देखते हुए यात्रियों ने ग्वालियर के अलावा आसपास के क्षेत्रों से भी दूसरी ट्रेनों में रिजर्वेशन कराए, लेकिन भीड़ के चलते हजारों यात्रियों ने टिकट कैंसिल भी कराए। इसमें रेलवे ने रिफंड भी लौटाया। फरवरी महीने में ही ग्वालियर के तीन रिजर्वेशन ऑफिस से एक करोड़ 46 लाख से ज्यादा के यात्रियों के टिकट बने। इसमें 31 लाख से ज्यादा के रिफंड भी यात्रियों द्वारा कराए गए।

26529 ने बनवाए टिकट, 6356 ने लिया रिफंड

फरवरी में कंपू और मुरार की रिजर्वेशन काउंटर से 26529 यात्रियों ने टिकट बुक कराए। इसमें ट्रेनों के लेट होने पर इन टिकट काउंटर पर 6356 यात्रियों ने रिफंड लिया है।

बता दें, ग्वालियर से महाकुंभ के लिए स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं, परंतु लोगों ने पहले ही बुंदेलखंड में टिकट ले लिया था। यह ट्रेन 12 दिनों तक लेट चली, जिससे रिफंड लेने वालों की संख्या बढ़ गई।

हिट एंड रन : चालक हादसे के बाद कार छोड़कर फरार

दिव्यांग को टक्कर मार 20 फीट तक घसीटते ले गया कार चालक

नर्मदापुरम@पत्रिका. संजय नगर क्षेत्र में सिवनी मालवा मार्ग पर बुधवार रात को एक कार चालक ने तेज रफ्तार से लापरवाही से चलाते हुए दिव्यांग युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दिव्यांग उछल कर गिर गया। इसके बाद कार चालक उसे 20 फीट तक घसीटते हुए ले गया। इसके बाद उसे कुचलते हुए कार चालक कार सहित भाग निकला। घटना स्थल से कुछ दूर आगें छोडकर भाग गया। दुर्घटना में दिव्यांग को गंभीर चोंटे आई हैं। उसे जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई।

कोतवाली पुलिस ने बताया कि संजय नगर निवासी दिव्यांग मजदूर राजा धौलपुरिया सडक़ किनारे से जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार के चालक ने टक्कर मार दी। राजा उछलकर लगभग 20 फीट तक कार के साथ घिसाटता हुआ गया। दुर्घटना में उसके हाथ, पैर सहित शहर में कई जगह चोटें आई। सूचना मिलते ही घायल का भाई विशाल ने उसे उठाकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने कार जब्त कर ली गई है। कार चालक की तलाश कर रही है।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पत्र पर स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देश

स्कूल में बच्चों को पीटा तो शिक्षक पर एफआइआर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में शिक्षक ने अगर बच्चों की पिटाई की तो उन पर एफआइआर होगी। स्कूल में बच्चों को सजा देने पर पाबंदी लगाई गई है। इसके संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए।

सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को इसके संबंध में पत्र भेजकर जानकारी मांगी गई है। बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखा। बच्चों को स्कूलों में सजा देने के मामले में रिपोर्ट मांगी है। इसके आधार पर स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों को निर्देश जारी किए। इसमें सजा पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है, साथ ही जिलों में आए इस तरह के मामलों की जानकारी देने के लिए भी कहा गया।

अब तक कितने बच्चों को शिक्षकों ने दी सजा, इसका सत्यापन होना अभी बाकी

स्कूल शिक्षा विभाग ने जिलों से ब्योरा मांगा है। इसमें उन्हें बताना है कि कितने शिक्षकों ने बच्चों को सजा दी। यह आंकड़ा निजी और सरकारी दोनों स्कूलों से जुटाया जाएगा। बाल संरक्षण आयोग भी इस पर नजर रखेगा। बच्चों को सजा देने के मामले में अभी निजी स्कूलों से ज्यादा मामले सामने आए। ऐसे में अब शिक्षकों के सत्यापन का मुद्दा भी उठाया जाएगा। इसके संबंध में पहले ही आदेश जारी हुए थे।

सजा पर पहले से रोक, स्कूलों को भेजा गया रिमाइंडर

अनिवार्य शिक्षा अधिनियम के तहत प्रदेश में 9 साल पहले बच्चों को स्कूल में सजा देने पर रोक लगाई जा चुकी है। ऐसा करने वाले शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई का प्रावधान है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसी का रिमाइंडर जारी किया है।

राजधानी में आया था मामला: राजधानी के एक निजी स्कूल में बच्चे को सजा देने का मामला आया था। उसके बाद प्रकरण बाल अधिकार एवं संरक्षण आयोग पहुंचा।

धरमपुर वन परिक्षेत्र की घटना, दूसरे तेंदुए की तलाश

पन्ना के जंगल में मृत मिला तेंदुआ, आपसी संघर्ष में मौत की आशंका

पन्ना@पत्रिका. उत्तर वन मंडल के धरमपुर वन परिक्षेत्र के भसूडा बीट के जंगल में आपसी संघर्ष में मादा तेंदुए की मौत हो गई। बुधवार सुबह उसका शव जंगल में पाया गया। डीएफओ गर्वित गंगवार ने बताया, भसूड़ा बीट में तेंदुआ मृत हालत में पड़ा मिला। मादा तेंदुआ आपसी संघर्ष में घायल हुई और दम तोड़ दिया। संघर्ष में दूसरे तेंदुएं को भी चोट लगने की आशंका बताई जा रही है, जिसकी वन अमला तलाश कर रहा है। तेंदुए का पोस्टमार्टम करने पन्ना टाइगर रिजर्व में बुधवार को कोई चिकित्सक मौजूद नहीं था। ऐसे में सतना से चिकित्सक को बुलाया गया। स्मृति वन में गुरुवार सुबह पोस्टमार्टम हुआ। पोस्ट मार्टम के बाद मादा तेंदुए का अंतिम संस्कार किया गया।

शेयर बाजार		सोना		चांदी					डॉलर	यूरो	पेट्रोल	डीजल
सेंसेक्स	निफ्टी	स्टैंडर्ड (24 कैरेट)	सोना (एमसीएक्स)	चांदी (999)	चांदी (एमसीएक्स)	बिटकॉइन	इथर	बिनेंस				
74,340 (+609.87)	22,545 (+207.40)	₹87,700 (प्रति 10 ग्राम)(-750)	₹85,790 (प्रति 10 ग्राम)(-43)	₹97,600 (प्रति किग्रा)(+100)	₹97,700 (प्रति किग्रा) (+158)	$ 91,531 (+1.82)	$ 2,299 (+3.58)	$ 604.0 (+0.84%)	₹87.13 (प्रति 1 डॉलर)	₹94.00 (प्रति यूरो)	₹106.45 (प्रति लीटर)	₹91.85

पेज एक से जारी...

चुनौती भरा होगा आने वाला कल

बारां जिले में बिजली संयंत्र के लिए एक लाख पेड़ काटने का मुद्दा पत्रिका की नजीर रहा। जन आंदोलन पूरे आवेश में था। प्रधानमंत्री को पोस्टकार्ड भेजने का सिलसिला शुरू हुआ और अभियान ने योजना को रद्द करवा कर ही छोड़ा। हमारे अधिकारी पत्थरदिल हैं। उनको धन के आगे सब छोटे लगते हैं, इंसान भी। अफसर आज भी बिना जरूरत सड़कें बनाते रहते हैं-कमीशन जो खाना है। खेत उजड़े-गांव उजड़े-पशु-पक्षी मरे, उनकी बला से। देश में मानो फिर से अंग्रेजी राज लौट आया। अब तो मीडिया भी अंग्रेज होता जा रहा है। आने वाला कल चुनौतियों से भरा होगा। डिजिटल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), और भी न जाने क्या-क्या। धीरे-धीरे आदमी झूठा होता जा रहा है। दूसरों पर तो अंगुली उठाता है। शिक्षा में आदमी का नाम ही नहीं है, विषय मात्र पढ़ाए जा रहे हैं। शिक्षित व्यक्ति संवेदनहीन-संस्कारविहीन होता जा रहा है। शरीर के लिए ही जीने लगा है। पत्रिका रोज सवेरे उसके मन के दरवाजे खोलता रहेगा। उसकी आत्मा को जगाए रखने का प्रयास जारी रखेगा। बीज की सार्थकता यही है कि समाज को उसके फल निरंतर प्राप्त होते रहें। इसे समाज ही हरा-भरा रखे, समाज ही छाया भोगे। शुभम!

-41% बढ़ी फरवरी में हायरिंग, फ्रेशर्स को नौकरियां 26% बढ़ी

नई दिल्ली. भारतीय कंपनियों में फ्रेशर्स हायरिंग बढ़ने से फरवरी में सालाना आधार पर नियुक्तियों में 41% का इजाफा हुआ है। जॉब कंसल्टिंग प्लेटफॉर्म फाउंडइट की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने फ्रेशर्स की हायरिंग भी 26% बढ़ी। रिपोर्ट के मुताबिक, विभिन्न क्षेत्रों में आइटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर क्षेत्र फ्रेशर्स हायरिंग के मामले में अग्रणी बना रहा। वर्ष 2024 में कुल नियुक्तियों में आइटी सेक्टर की हिस्सेदारी 17% थी, जो 2025 की फरवरी में दोगुना होकर 34% से भी अधिक हो गई।

छंटनी: रिलायंस-डिज्नी मर्जर का असर

जियोस्टार में छंटनी शुरू, 1100 कर्मियों को निकालेगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. रिलायंस इंडस्ट्रीज की एंटरटेनमेंट कंपनी जियोस्टार लगभग 1,100 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी। कंपनी यह फैसला वायाकॉम18 और वॉल्ट डिज्नी के नवंबर 2024 में हुए मर्जर के बाद ले रही है। मर्जर के बाद बनी कंपनी का नाम जियोस्टार रखा गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह छंटनी प्रक्रिया एक महीने पहले शुरू हो चुकी है और जून 2025 तक जारी रहने की संभावना है। जियो मर्जर के बाद एक ही पोजीशन दोहराव को कम करने के उद्देश्य से यह कदम उठा रही है। कंपनी यह छंटनी मार्केटिंग, फाइनेंस, कमर्शियल व कानूनी सेक्टर जैसे कॉर्पोरेट विभागों में कर रही है।

'जेनरस सेवरेंस पैकेज' देगी: जियोस्टार प्रभावित कर्मचारियों को 'जेनरस सेवरेंस पैकेज' दे रही है। इसमें कंपनी में नौकरी की अवधि के आधार पर 6 से 12 महीने की सैलरी दी जाएगी। जिन कर्मचारियों का कंपनी में एक साल पूरा हो गया है, उन्हें एक महीने की सैलरी और एक से 3 महीने का नोटिस पीरियड भी मिलेगा।

रिलायंस रिटेल में भी छंटनी के आसार: रिलायंस रिटेल को बिक्री में कमी और वैल्यूएशन में भारी गिरावट का सामना करना पड़ रहा है। विश्लेषकों का अनुमान है कि अब कंपनी की वैल्यूएशन 125 अरब डॉलर से घटकर महज 50 अरब डॉलर रह गई है। ऐसे में कंपनी अब लागत घटाने पर विचार कर रही है, जिसके तहत नौकरियों में कटौती, स्टोर विस्तार में कमी, मार्केटिंग में कटौती और सख्त भर्ती नीतियां शामिल हैं। ऑपरेशन को सुचारू रूप से चलाने, निवेशकों का विश्वास जीतने के लिए कंपनी स्ट्रैटेजिक एडजस्टमेंट करने जा रही है। लक्जरी ब्रांड आर्म ब्रॉडर रिटेल बिजनेस में इंटीग्रेट होगा।

ट्रेड वॉर: अमरीका के रेसिप्रोकल टैरिफ से भारत को राहत मिलने की उम्मीद नहीं

ट्रंप का दबाव...भारत-अमरीका के बीच व्यापार पर हो जीरो टैरिफ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वॉशिंगटन/नई दिल्ली. अमरीका अगले महीने की 2 अप्रेल से लगने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ से भारत को छूट देने के मूड में नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉनल्ड ट्रंप चाहते हैं कि भारत और अमरीका के बीच जिन भी चीजों का लेन-देन होता है, उसमें से एग्रीकल्चरल प्रोडक्ट्स को छोड़कर बाकी सभी पर टैरिफ शून्य कर दिया जाए। यानी कोई भी शुल्क न लगाया जाए। इस मामले में दोनों देशों के अधिकारी बातचीत कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी इस मामले में अमरीका से बातचीत की है, जो अभी वहीं हैं। हालांकि टैरिफ लेवी की अंतिम रूपरेखा की घोषणा अभी बाकी है।

इस बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि ट्रंप के संभावित पारस्परिक शुल्कों और अमरीका के साथ चल रही व्यापार वार्ता पर केंद्र सरकार बारीकी से नजर रख रही है। उन्होंने कहा, हमें देखना होगा कि वाणिज्य मंत्रालय अमरीका में वार्ता को किस प्रकार संभालता है। सीतारमण ने भरोसा दिलाया कि निर्यात में भारत के हितों को अमरीकी अधिकारियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा रहा है।

एफटीए से राजस्व पर इतना दबाव

देश	राशि
जापान	12,038
द. कोरिया	10,335
ऑस्ट्रेलिया	5234
यूएई	4841
मलेशिया	1261
आसियान	37,875
अन्य देश	22,588

स्रोत: बजट डॉक्यूमेंट

(टैरिफ हटने से राजस्व का नुकसान करोड़ रुपए में, वर्ष 2024-25 के आंकड़े)

विशेषज्ञ बोले... तो बढ़ेगा निर्यात

विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अमरीका से आने वाले औद्योगिक वस्तुओं के शुल्क को कम कर देता है या खत्म कर देता है, तो इससे भारतीय निर्यात में ही बढ़ोतरी होगी। फियो के आगामी अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा, टेक्सटाइल आइटम पर भारत अमरीका के लिए शुल्क जीरो कर देता है तो भारतीय गारमेंट व लेदर पर भी अमरीकी बाजार में जीरो शुल्क हो जाएगा। इससे भारतीय उत्पाद अमरीका में वियतनाम, कंबोडिया और बांग्लादेश की तुलना में सस्ते हो जाएंगे और निर्यात बढ़ेगा।

एफटीए: टैरिफ छूट से ₹94,172 करोड़ का घाटा

भारत को विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के कारण शुल्क में काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। भारत ने जापान, दक्षिण कोरिया और आसियान के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके तरजीही शुल्क कटौती के कारण भारत को वित्त वर्ष 2024-25 में 94,172 करोड़ रुपए के सीमा शुल्क का नुकसान उठाना पड़ा है। भारत अमरीका, ईयू और ब्रिटेन जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के साथ एफटीए पर बातचीत कर रहा है। ऐसे में सीमा शुल्क संग्रह पर आगे और दबाव दिख सकता है। भारत-अमराका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने पर सहमति जताई है।

डॉलर-क्रूड फिसले

सेंसेक्स 610 अंक चढ़ा, निफ्टी भी 22,500 के पार

मुंबई @ पत्रिका. वैश्विक बाजारों से पॉजिटिव संकेतों, टैरिफ वॉर से डॉलर में भारी गिरावट और क्रूड ऑयल की कीमतें घटने से भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लगातार दूसरे दिन जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। डॉनल्ड ट्रंप के मेक्सिको और कनाडा के ऑटोमोबाइल पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने से भी शेयर बाजारों को बूस्ट मिला। सेंसेक्स 610 अंक यानी 0.83% की तेजी के साथ 74,340 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 207 अंक यानी 0.93% की बढ़त लेकर 22,541 के स्तर पर पहुंच गया। मिडकैप इंडेक्स 0.55% तो स्मालकैप और माइक्रोकैप इंडेक्स 1.5% से अधिक उछल गया।

इन वजहों से चढ़े बाजार: गुरुवार को डॉलर इंडेक्स 1.7% से अधिक लुढ़ककर 103.98 पर आ गया, जो पिछले 8 महीने की सबसे निचला स्तर है, इससे भारतीय शेयर बाजार के साथ रुपए को बूस्ट मिला। इस बीच यूरोपियन सेंट्रल बैंक ने ब्याज दरों में जून 2024 से अब तक छठी बार कटौती की और दरें 0.25% घटकर 2.5% रह गई है। आरबीआइ की ओर से भी अप्रेल में दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ी है। आरबीआइ की ओर से बैंकों में 1.90 लाख करोड़ नकदी डालने के फैसले से बैंकिंग शेयरों में जबरदस्त तेजी आई।

पर्सनल फाइनेंस@पत्रिका

इन्वेस्टमेंट: रिटर्न, रिस्क और टैक्स देनदारी से समझें किसमें फायदा...

शॉर्ट टर्म निवेश के लिए सेविंग अकाउंट-एफडी या लिक्विड फंड, कौन बेहतर?

नई दिल्ली @ पत्रिका. शेयर बाजार में जारी भारी उतार-चढ़ाव से भले ही इक्विटी कैटेगरी में आने वाले फंड्स का रिटर्न बिगड़ रहा है, लेकिन डेट फंड कैटेगरी में आने वाले लिक्विड फंड्स का रिटर्न बेहतर हो रहा है। सेविंग अकाउंट जैसी इस स्कीम ने निवेशकों को बैंक एफडी जैसा रिटर्न दिया है। एम्फी के मुताबिक, लिक्विड फंडों ने पिछले एक साल में सरकारी बैंकों के एफडी तुलना में ज्यादा रिटर्न दिया है। इसी अवधि में ज्यादातर सरकारी बैंकों के एफडी पर 7% से कम ब्याज मिला है। एसबीआइ, पीएनबी, यूनियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया एक साल की एफडी पर 6.8% ब्याज ऑफर कर रहे हैं। वहीं टॉप-10 लिक्विड फंड ने निवेशकों को एक साल में 7% से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

टॉप 10 लिक्विड फंड्स

स्कीम	रिटर्न
एडलवाइस लिक्विड फंड	7.44%
आदित्य बिरला लिक्विड फंड	7.42%
एक्सिस लिक्विड फंड	7.41%
डीएसपी लिक्विड फंड	7.40%
महिंद्रा मैनुलाइफ लिक्विड	7.40%

07% से अधिक रिटर्न दिया लिक्विड फंड्स ने पिछले एक साल में, ***जबकि सरकारी बैंकों के एक साल के एफडी में 6.8 और बचत खाता पर 3 से 4 ब्याज मिला***

लिक्विड फंड क्या है? लिक्विड म्यूचुअल फंड्स कमर्शियल पेपर, सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक), ट्रेजरी बिल्स जैसी फिक्स्ड-इनकम इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करता है, जिनकी परिपक्वता अवधि अधिकतम 91 दिन यानी 3 महीने होती है। इन फंड्स का नेट एसेट वैल्यू पूरे 365 दिन के लिए कैलकुलेट किया जाता है और निवेशक 24 घंटे के भीतर फंड से अपना पैसा निकाल सकते हैं। लिक्विड फंड में किसी भी तरह का एंट्री और एग्जिट लोड (अतिरिक्त शुल्क) नहीं होता है। यह फंड डेट फंड कैटेगरी में सबसे कम ब्याज दर जोखिम वाले फंड्स में आता है। लिक्विड फंड का मुख्य उद्देश्य पूंजी की सुरक्षा और तरलता बनाए रखना है।

कहां निवेश बेहतर?

अगर सुरक्षा और तुरंत निकासी की बात करें तो सेविंग बैंक अकाउंट एक अच्छा विकल्प है। लेकिन जब बात बेहतर रिटर्न की आती है, तो लिक्विड फंड ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। बीपीएन फिनकैप के डायरेक्टर ए के निगम का कहना है कि इन दोनों में कौन ज्यादा फायदेमंद है? ***इसका जवाब तीन मुख्य पहलुओं पर निर्भर करता है...***

1. ब्याज दर

सेविंग अकाउंट: सालाना ब्याज दर 2.7% से 4% तक है, जबकि कुछ बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 6% तक का ब्याज भी देते हैं।

लिक्विड फंड: इनका रिटर्न आमतौर पर 6% से 7% के बीच होता है, जो बाजार की स्थिति और फंड मैनेजर की रणनीति पर निर्भर करता है।

विजेता: लिक्विड फंड, क्योंकि ये आमतौर पर सेविंग अकाउंट की तुलना में बेहतर रिटर्न देते हैं।

2. टैक्सेशन

सेविंग अकाउंट: ब्याज पर इनकम टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्स लगता है। हालांकि, 10,000 रुपए तक का ब्याज टैक्स फ्री है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह सीमा सालाना 50,000 रुपए है।

लिक्विड फंड: यहां कमाई को कैपिटल गेन टैक्स के रूप में देखा जाता है। अगर निवेश 3 साल से कम है, तो टैक्स स्लैब के अनुसार लगेगा। अगर निवेश 3 साल से ज्यादा का है, तो टैक्स 20% लगेगा।

विजेता: अगर ब्याज आय 10,000 से कम है तो सेविंग अकाउंट बेहतर विकल्प है। उच्च आय वाले निवेशकों के लिए लिक्विड फंड ज्यादा मुफीद।

3. जोखिम

सेविंग अकाउंट: आपका पैसा सुरक्षित रहता है, लेकिन अगर बैंक को वित्तीय संकट का सामना करना पड़े, तो थोड़ा जोखिम हो सकता है। हालांकि, 5 लाख रुपए तक की जमा राशि बीमित होती है।

लिक्विड फंड: ये बाजार से जुड़े होते हैं, यानी आपके निवेश का मूल्य थोड़ा ऊपर-नीचे हो सकता है। लेकिन ये सबसे सुरक्षित म्युचुअल फंड्स माने जाते हैं, क्योंकि ये मुख्य रूप से शॉर्ट-टर्म सरकारी और कॉरपोरेट सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं।

रूस पर बैन का असर

अमरीका से कच्चे तेल का आयात बढ़ा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत को अमरीका से कच्चे तेल का एक्सपोर्ट फरवरी में 2 साल की ऊंचाई पर पहुंच गया। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि देश की रिफाइनरियां रूस पर अमरीकी प्रतिबंधों के चलते वैकल्पिक सप्लाई तलाश कर रही हैं। शिप ट्रैकिंग फर्म केपलर के मुताबिक, अमरीका ने फरवरी में भारत को रोज 3,57,000 बैरल क्रूड निर्यात किया, जो पिछले साल के 2,21,000 बैरल प्रतिदिन से काफी ज्यादा है। वहीं, भारत ने रूस-यूक्रेन के बीच शुरू हुए युद्ध के बाद से अब तक 3 साल में रूस से 112.5 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा।

तैयारी: प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी बढ़ेगी, उत्पादन में प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा

रक्षा सौदों में नॉमिनेशन की जगह बिडिंग को मिलेगी तरजीह, प्राइवेट कंपनियों को फायदा!

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. डिफेंस डील्स में अब नॉमिनेशन की जगह कॉम्पिटिटिव बिडिंग को प्राथमिकता देने की तैयारी है। रक्षा मंत्रालय हथियारों और रक्षा प्रणालियों की खरीद में प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया (बिडिंग) का विस्तार करने जा रहा है। इससे प्राइवेट डिफेंस कंपनियों को ज्यादा अवसर मिलने की संभावना है। डिफेंस सेक्रेटरी राजेश कुमार सिंह ने कहा कि यह निर्णय उन उपकरणों के लिए लिया गया है, जिनके निर्माण की क्षमता भारतीय प्राइवेट सेक्टर ने स्थापित कर ली है।

प्राइवेट सेक्टर की बड़ी हिस्सेदारी

वर्ष 2023-24 में भारत के रक्षा निर्यात ने रेकॉर्ड 21,083.35 करोड़ का स्तर छू लिया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 32.45% अधिक था। इसमें निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 13,119 करोड़ रुपए यानी 62.22% रही। भारत का कुल रक्षा उत्पादन रेकॉर्ड 1.27 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जिसमें निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 26,675 करोड़ यानी 20.93% रही। रक्षा उत्पादन में 17.25% की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले 7 वर्षों में सबसे अधिक रही। घरेलू रक्षा उद्योग तेजी से विस्तार कर रहा है।

सभी के लिए समान अवसर: नॉमिनेशन प्रक्रिया में रक्षा खरीद अनुबंधों को बिना टेंडरिंग प्रक्रिया के सीधे सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को दिया जाता था। प्राइवेट डिफेंस कंपनियां लंबे समय से इस सिस्टम में बदलाव की मांग कर रही थीं, ताकि सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित किया जा सके। सरकार रक्षा खरीद प्रक्रिया में लगने वाले समय को घटाने पर विचार कर रही है।

होली पर सफर: जनरल व स्लीपर कोच में पांव रखने की जगह नहीं,

कई ट्रेनों में नो रूम की स्थिति, हवाई किराया भी दोगुना पहुंचा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. होली पर अपने घर जाने की तैयारी कर रहे यात्रियों के लिए सफर किसी चुनौती से कम नहीं है। लंबी दूरी की ज्यादातर ट्रेनों में स्लीपर और थर्ड एसी कोच फुल हो चुके हैं। कई में 'नो-रूम' की स्थिति है। दूसरी ओर, हवाई किराया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। ऐसे में लंबी दूरी पर सफर करने वाले यात्रियों के लिए मुसीबत हो गई है। इसी का फायदा उठाकर अब निजी बस ऑपरेटर्स ने किराया महंगा कर दिया है। यह किराया एक या दो नहीं बल्कि तीन से चार हजार रुपए अधिक कर दिया। आलम यह है कि कानपुर, पटना, गोरखपुर, लखनऊ के लिए बसों में सीट पांच से सात हजार रुपए तक बुक कर जा रही है। ऑनलाइन बुकिंग में यह मनमाना किराया वसूला जा रहा है। हालांकि ऑफलाइन बुकिंग में थोड़ी राहत दी जा रही है।

दरअसल, होली पर राजस्थान में कामकाज के लिए रह रहे लोग दूसरे राज्यों में घरों की ओर से जाते हैं। ऐसे में होली पर यूपी, बिहार और गुजरात जाने वाले यात्रियों की भीड़ रहती है। किराया महंगा होने से सबसे ज्यादा वो लोग परेशान हैं, जिनको परिवार के साथ सफर करना है। होली पर जयपुर से दिल्ली, यूपी सहित अन्य शहरों के जाने के लिए ऑनलाइन टिकिट बुकिंग शुरू हो गई हैं। इसके अलावा दिल्ली से जयपुर की बसों में जगह नहीं है।

कई...

रोडवेज की डिलेक्स डिपो की वोल्वो बसों में सीटें फुल चल रही है। यही कारण है कि यात्रियों को निजी ऑपरेटर्स की ओर से जाना पड़ रहा है।

कानपुर, पटना, गोरखपुर, लखनऊ के लिए *बसों की सीट पांच हजार रुपए तक...*

जयपुर. रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चढ़ने की मशक्कत करते यात्री।

तत्काल टिकट भी वेटिंग में

10 से 12 मार्च के बीच जयपुर से बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जाने वाली ट्रेनें पूरी तरह बुक हो चुकी हैं। जोधपुर-हावड़ा, जोधपुर-वाराणसी, पूजा एक्सप्रेस, अजमेर-सियालदह, जयपुर-प्रयागराज, जयपुर-गुवाहाटी जैसी ट्रेनों में स्लीपर व थर्ड एसी कोच की बुकिंग करने पर वेटिंग 100 से भी पार मिल रही है। तत्काल टिकट के विकल्प में भी यात्रियों को सिर्फ लंबी वेटिंग मिल रही है। दूसरी ओर, अभी से जनरल और स्लीपर कोच में भीड देखी जा रही है। हाल ये है कि लोग घुस नहीं पा रहे हैं।

पटना: हवाई किराया 17 हजार पार

इस बार भी हवाई किराए में भी जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। स्थिति ये है कि, जयपुर-पटना का किराया 10,389 से 17,259 रुपए तक पहुंच गया है। ऐसे ही जयपुर-कानपुर का किराया 13,125 से 14,290 रुपए तक, जयपुर-लखनऊ का किराया 6,292 से 10,981 रुपए तक, जयपुर-भोपाल का किराया 8,194 से 10,059 रुपए तक जयपुर से उदयपुर का किराया 10 हजार तक पहुंच गया है। देखा जाए तो, सामान्य दिनों के किराए से डेढ से दोगुना तक बढोतरी हुई है। हालांकि जयपुर से पुणे, अहमदाबाद, सूरत, मुंबई, कोलकाता समेत कई शहरों के किराए में ज्यादा बढोतरी नहीं हुई है।

बस ऑपरेटरों की मनमानी: ट्रेनों में कंफर्म टिकट न मिलने और हवाई किराया अधिक होने के कारण लोग बस से यात्रा करने को मजबूर हैं, लेकिन यहां भी लूट मची हुई है। बस ऑपरेटर्स ने होली के मद्देनजर किराया डेढ़ से दोगुना तक बढ़ा दिया है। हर साल त्योहारों के दौरान बढ़ती भीड़ और महंगे किराए की समस्या सामने आती है, लेकिन इस बार महंगाई ने यात्रियों की कमर तोड़ दी है।

विधानसभा: कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष का जोरदार हंगामा

सुरक्षा देने के नाम पर 76 लाख ले रहे हो... ये तो सरकार का काम

गृहमंत्री से जवाब देने की मांग पर अड़ा विपक्ष

स्पीकर ने 35 मिनट के लिए कार्यवाही की स्थगित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. राज्य विधानसभा में प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर गुरुवार को जोरदार हंगामा हुआ। जेल से फिरौती मांगने के मामले में विपक्ष ने सरकार को जमकर आड़े हाथों लिया। गृहमंत्री से जवाब देने की मांग पर अड़े विपक्ष ने वेल में आकर नारेबाजी की। हंगामा बढ़ता देख विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी को सदन की कार्यवाही 35 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ गई। शून्यकाल में कांग्रेस के हरिमोहन शर्मा ने कहा कि सरकार का गठन क्यों किया जाता है? विकास की बात तो बाद में है। कानून और व्यवस्था बनाए रखकर जानमाल की रक्षा करने का काम सरकार का है और यह उसका प्राथमिक कर्तव्य भी है। जानमाल की रक्षा ही नहीं कर पाए तो सरकार की आवश्यकता ही नहीं है। अफसोस की बात है कि जेल में बंद होने के बाद भी गैंगस्टर बाहर के लोगों से फिरौती वसूल करने की साजिश रच रहे हैं। इससे यह साबित होता है कि सरकार जेल में अपराधियों पर नियंत्रण नहीं रख पाई। यह सरकार की सबसे बड़ी विफलता है।

सरकार पर नागरिकों की सुरक्षा नहीं कर पाने का लगाया आरोप

तीन बार मदद मांगने गया पीड़ित

हरिमोहन शर्मा ने किसी का नाम लिए बगैर एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जेल में बंद गैंगस्टर ने एक व्यक्ति को फोन कर दो करोड़ रुपए वसूली की धमकी दी। पीड़ित व्यक्ति सुरक्षा मांगने के लिए जब तीसरी बार गया और फोन कॉल दिखाकर कहा कि मेरे पास दो करोड़ रुपए की वसूली के लिए फोन आ रहा है। इसके बाद अधिकारियों ने वेरिफाई किया। इसमें सामने आ गया कि पैसे की मांग करने वाला तो वाकई गैंगस्टर है। यह साफ हो जाने के बाद व्यक्ति की सुरक्षा की व्यवस्था करना सरकार की जिम्मेदारी थी। लेकिन, सुरक्षा देने के नाम पर व्यक्ति को 76 लाख 17 हजार रुपए का बिल पकड़ा दिया और कह दिया कि आप अगर हमसे जानमाल की सुरक्षा चाहते हो तो रुपए जमा कराओ।

टोकाटाकी से *नाराज विपक्ष*

हरिमोहन शर्मा ने पूरे मामले को गंभीर बताते हुए सदन में मंत्री के जवाब की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सभी मामले गंभीर हैं। पर्ची पर जवाब आए, यह जरूरी नहीं है। इसके बाद सदन में शोर-शराबा शुरू हो गया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि यह बहुत गंभीर विषय है। भरतपुर सांसद ने भी पुलिस पर अवैध वसूली के आरोप लगाए हैं। वीडियो जारी किया है। अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष को टोका और दूसरे विधायक को बोलने के लिए पुकार लिया तो विपक्ष के सदस्य नाराज हो गए।

बोलने वालों की सूची से नाम हटा तो तकरार आई सामने

गर्ग: शिकायत की पर कुछ नहीं कर पाए धनखड़: मैं आपकी कृपा से विधायक नहीं

जयपुर @ पत्रिका. विधानसभा में गुरुवार को भाजपा के दो विधायकों की तकरार खुलकर सामने आ गई। नौबत यहां तक आ गई कि दोनों अन्य विधायकों के सामने ही कैंटीन में भिड़ गए।

हुआ यूं कि मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग व भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ भोजन के लिए टेबल पर बैठे थे। इस बीच अनुदान की मांग पर बोलने को लेकर सूची से नाम हटाने को लेकर विधायक कुलदीप ने मुख्य सचेतक गर्ग से शिकायत की।

दिमाग की गंदगी...: दोनों के बीच नोक-झोंक इतनी बढ़ गई कि मुख्य सचेतक ने कुलदीप से यह तक बोल दिया कि अपने दिमाग की गंदगी निकाल लो। कुलदीप भी नहीं रुके और गर्ग को कह दिया कि गंदगी मेरे नहीं आपके दिमाग में है। गर्ग ने कहा कि आपने तो मुख्यमंत्री तक शिकायत कर दी, लेकिन कुछ नहीं कर पाए। इस पर कुलदीप ने कहा कि मैं आपकी कृपा से विधायक नहीं हूं। दोनों के बीच नोक-झोंक बढ़ी तो वहां मौजूद अन्य विधायकों ने टोका और शांत कराया।

ठगों का जंजाल: फर्जी कॉल सेंटर का मकड़जाल, 3-6 माह में बदल रहे लोकेशन

राजस्थान-दिल्ली की गैंग मप्र में बना रही ठिकाना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. पुलिस की सख्ती और सतर्कता के बावजूद साइबर ठग फर्जी कॉल सेंटर के जरिये ठगी का मकड़जाल फैला रहे हैं। पुलिस पड़ताल में सामने आया है कि गुजरात, राजस्थान और दिल्ली की गैंग मप्र में ठिकाना बना रही हैं। भोपाल, इंदौर, जबलपुर जैसे बड़े शहरों के आसपास के इलाकों में ठगों ने अपने कई गुप्त ठिकाने बना लिए हैं। हाल ही में ठगों की गैंग भवानीमंडी में पकड़ी गई जिसकी जड़ें मंदसौर के गरोठ तक थीं। ऐशबाग में पकड़े गए फर्जी कॉल सेंटर पर पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए ठगों ने इस अड्डे को प्रोफेशनल ऑफिस का रूप दिया गया है।

एक कॉल सेंटर ने छह माह में बदले तीन ठिकाने: पुलिस के अनुसार फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाली गैंग हर तीन से 6 माह में लोकेशन बदलती रहती हैं। इसका खुलासा मंदसौर में पकड़े गए फर्जी कॉल सेंटर से हुआ था। पहले यह गैंग राजस्थान व एमपी के बॉर्डर पर बने भवानीमंडी से चल रहा था। फिर मंदसौर के गरोठ में भी कई माह तक कॉल सेंटर चलाया। इसके बाद जुलाई 2024 से शामगढ़ में टीम सक्रिय थी।

पत्रिका रक्षा कवच

सैलरी पर कर्मचारी, ठगी में भी इंसेंटिव

ठगी के फर्जी कॉल सेंटर प्रोफेशनली काम कर रहे हैं। यहां लोगों को ठगने के लिए कर्मचारी रखे हैं। उन्हें बाकायदा 15 से 50 हजार रुपए तक वेतन भी दिया जा रहा है। कॉल पर लोगों को ज्यादा फंसाने पर कर्मचारियों को इन्सेंटिव भी दिया जाता है।

पुलिस की मिलीभगत भी उजागर, एफआइआर दर्ज

भोपाल के ऐशबाग थाना क्षेत्र में फर्जी कॉल सेंटर चलाने वाले ठगों के साथ पुलिस की गलबहियां भी साफ नजर आई। जांच में सभी तथ्य के बाद भी आरोपियों को बचाने के लिए ऐशबाग पुलिस ने 25 लाख में सौदा कर लिया। घूस की पहली किस्त 5 लाख रुपए लेते हुए एएसआइ पवन रघुवंशी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। इसके बाद ऐशबाग टीआइ राजेंद्र गढ़वाल, दो एएसआइ मनोज कुमार और पवन रघुवंशी और प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र सिंह को सस्पेंड कर एफआइआर दर्ज की गई।

इंडिया@ शॉर्ट रीड

गुजरात: सी-प्लेन की 4 साल बाद फिर उड़ान

गांधीनगर@ पत्रिका. गुजरात में 4 वर्ष से बंद सी-प्लेन फिर उड़ान भरेगा। अहमदाबाद में साबरमती फ्रंट से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी-केवडिया तक सी-प्लेन की उड़ान सेवा अप्रेल 2021 से स्थगित है। राज्य सरकार ने यह जानकारी राज्य विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान दी।

सीआइएसएफ: 3 साल में करेगा 50 हजार भर्ती

चेन्नई @ पत्रिका. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) अगले 3 साल में 50 हजार भर्तियां करेगा। यह जानकारी सीआइएसएफ के डीजी ने सीआइएसएफ के 56वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर दी। स्थापना दिवस शुक्रवार को अरकोणम केंद्र में मनाया जाएगा।

आंध्र प्रदेश: प्रसाद में मसाला वड़ा शामिल

तिरुमाला @ पत्रिका. आंध्र प्रदेश में तिरुमाला मंदिर देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बीआर नायडू ने गुरुवार को तारिगोंडा वेंगामम्बा अन्ना प्रसादम भवन में श्रद्धालुओं के लिए वड़ा प्रसादम परोसने का कार्यक्रम शुरू किया। अन्न प्रसाद केंद्र में प्रतिदिन 35 हजार वड़े भक्तों को परोसे जाएंगे।

असीरगढ़: किले के पास सोने के सिक्के निकलने की अफवाह

फिल्मी खजाना खोजने को रातों-रात खोद डाले 100 खेत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बुरहानपुर(मध्यप्रदेश). रातों-रात धनवान बनने के लालच ने बुरहानपुर के आसपास के अनेक लोगों को असीरगढ़ किले के पास जमीन की खुदाई के काम में लगा दिया है। दरअसल फिल्म 'छावा' में बुरहानपुर को मुगलों का खजाना बताया गया है और कहा गया है कि यहां मुगलों ने सोने-चांदी के सिक्के की टकसाल बनाई थी।

पहले से चल रही चर्चाओं और अब फिल्म में यह बात दर्शाने से ऐसी अफवाह फैली कि जिले में असीरगढ़ किले के पास लोगों ने खजाने की तलाश में रातों-रात खेतों में खुदाई शुरू कर दी। लोग सिर पर टॉर्च और हाथ कुदाल-फावड़े लिए रात में खेतों की खुदाई करने लगे। वे सोने के सिक्कों की तलाश कर रहे हैं। इतिहासकारों की मानें तो पहले भी बुरहानपुर में खुदाई के दौरान सिक्के मिले हैं। इस अफवाह के कारण खेतों में गड्ढे ही गड्ढे दिखाई दे रहे हैं। लोगों ने 100 से अधिक खेतों में खुदाई कर दी। फिलहाल खजाना किसी को नहीं मिला है।

टॉर्च लगाकर कुदाल-फावड़ा लिए खेत खोद रहे ग्रामीण। सोने-चांदी के सिक्कों की तलाश में किए बड़े-बड़े गड्ढे।

ऐसे शुरू हुई खुदाई

इंदौर से हैदराबाद तक नेशनल हाइवे निर्माण के लिए खुदाई कार्य चल रहा है। तीन माह पहले खुदाई में एक खेत से सोने के सिक्के निकलने की अफवाह फैली। नई फिल्म 'छावा' में बुरहानपुर में मुगलों का खजाना छिपे होने की बात कही गई। तब से खेतों में खुदाई करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ने लगी।

इतिहासकार भी बोले- खजाना तो है... इतिहासकार कमरुद्दीन फलक ने बताया, असीरगढ़ किले को अकबर ने 1601 में बुरहानपुर फतह किया था। तब धनवान लोगों को किले पर बुलाया था। किले के पास सिक्के मिलना बड़ी बात नहीं है।

पुलिस तैनात, प्रकरण दर्ज करेंगे... असीरगढ़ के पास सिक्के ढूंढने के लिए लोगों के पहुंचने की सूचना मिली। सिक्के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। मूवमेंट होगा तो प्रतिबंधित करेंगे। - **देवेंद्र पाटीदार**, एसपी, बुरहानपुर

यूएस: 2 वर्ष की अवधि का प्रावधान हटने का डर

एक लाख से अधिक भारतीयों के 'स्वैच्छिक निर्वासन' का खतरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. एच-4बी वीजा धारकों के वे हजारों भारतीय बच्चे, जो नाबालिग अवस्था में अमरीका आए थे और अब 21 वर्ष के होने वाले हैं, एक गंभीर अस्तित्व संकट का सामना कर रहे हैं। अब वे एनआरआइ माता-पिता के आश्रित (एच-4 वीजा धारक) नहीं माने जा सकते। टेक्सास में एक अदालती फैसले ने समस्या को और जटिल बना दिया है, जिसमें डेफर्ड एक्शन फॉर चाइल्डहुड अराइवल्स (डीएसीए) के तहत नए वर्क परमिट पर रोक लगा दी गई है।

अमरीकी नीति के अनुसार, अब तक एच-4 वीजा धारकों यानी आश्रितों को 'एजिंग आउट' (आयुसीमा पार करने) के बाद नए वीजा की स्थिति तलाशने के लिए दो साल का समय दिया जाता था, पर हाल ही में आव्रजन नियमों में हुए बदलाव और अदालतों में चल रहे मामलों के कारण उन्हें इस प्रावधान के हटाए जाने का डर सता रहा है। ऐसे में या तो वे स्वयं भारत लौटने के लिए मजबूर होंगे या फिर अमरीका में 'बाहरी' के रूप में जीने को। एच-4 वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो एच-1बी वीजा धारकों के आश्रितों को अमरीका आने की अनुमति देता है।

डीएसीए के तहत नहीं मिलेगी राहत!

डीएसीए अवैध रूप से आए प्रवासियों (जिनमें वे बच्चे भी शामिल हैं जो 21 वर्ष की आयु के बाद अपने माता-पिता के आश्रित नहीं रह पाते) को अस्थायी रूप से दो वर्षों के लिए निर्वासन से सुरक्षा प्रदान करता है, जिसमें नवीनीकरण की संभावना होती है। इस प्रावधान के बिना, भारतीय युवाओं को भविष्य में भारी अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा, आश्रित बच्चों के माता-पिता ने ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन किया हुआ है, पर इंतजार का समय 12 से लेकर 100 वर्ष तक है।

मुखबा: मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल पर पीएम का स्वागत

मुखबा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मां गंगा के शीतकालीन गद्दी स्थल मुखबा में पारंपरिक स्वागत करते हुए लोग। पीएम मोदी चारधाम शीतकालीन यात्रा को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तराखंड आए हैं।

अमरीका: युद्ध समाप्ति के कूटनीतिक प्रयास

वाशिंगटन दौरे पर मैक्रों के साथ जा सकते हैं जेलेंस्की व स्टार्मर

पेरिस/ब्रसेल्स@पत्रिका. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, यूक्रेनी नेता वोलोदिमीर जेलेंस्की और ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ संयुक्त रूप से वाशिंगटन दौरे पर जाने पर विचार कर रहे हैं। फ्रांस सरकार की प्रवक्ता सोफी प्रिमास ने कहा, 'इस पर विचार किया जा रहा है कि राष्ट्रपति मैक्रों एक बार फिर वाशिंगटन जा सकते हैं, और इस बार उनके साथ राष्ट्रपति जेलेंस्की और उनके ब्रिटिश समकक्ष स्टारमर भी हो सकते हैं।' यह दौरा रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने के तहत किया जा सकता है।

पत्रिका पोल

Q क्या युवाओं में रील के विषय चुनने में अक्सर सोच-समझ की कमी दिख रही है?

कल का सवाल था

अमरीका में भारतीयों के साथ नस्लीय घटनाओं पर भारत सख्ती दिखाए?

जवाब

87% हां 13% नहीं

क्यूआर कोड स्कैन करें...

तलवों में कीलें, हाथ में सलाइन ड्रिप... सड़क से लेकर सदन तक हुई इस हैवानियत की चर्चा

बिहार की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

जमीन कब्जा करने वालों को सीधे जेल में डालें, सीएम योगी ने दिया अधिकारियों को सख्त निर्देश

उत्तर प्रदेश की प्रमुख खबरें पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

विदेश मंत्रालय

यूएई ने दो भारतीय नागरिकों को दी फांसी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली . संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में हत्या के अलग-अलग मामलों में दोषी पाए गए दो भारतीय नागरिकों को फांसी दी गई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। इनकी पहचान मुहम्मद रिनाश अरंगिलोट्टू और मुरलीधरन पेरुमथट्टा वलप्पिल के रूप में हुई है, दोनों केरल निवासी थे। मुहम्मद रिनाश को यूएई के नागरिक की हत्या जबकि मुरलीधरन को भारतीय नागरिक की हत्या का दोषी ठहराया गया था।

यूएई प्रशासन ने 28 फरवरी को भारतीय दूतावास को फांसी की सूचना दी। दूतावास ने उनकी दया याचिका भेजी थी, लेकिन उसे अस्वीकार कर दिया गया। दूतावास ने पीड़ित परिवारों को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए हर संभव सहायता की है। इससे पहले सरकार ने उत्तर प्रदेश की एक 33 वर्षीय महिला शहजादी को भी फांसी देने की पुष्टि हुई थी।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स: भारत 14वें स्थान पर

आतंकवाद में दूसरे नंबर पर पाक, पहले पर बुर्किना फासो

इस्लामाबाद@ पत्रिका . आतंकी हमलों व लोगों की मौतों की बढ़ती संख्या से ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 में पाकिस्तान दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आतंक प्रभावित देश बन गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पीस द्वारा जारी 163 देशों की रिपोर्ट में भारत को 14वें स्थान पर रखा गया है जबकि बुर्किना फासो पहले नंबर पर है।

45% बढ़े हमले: पाकिस्तान में 2024 में आतंकी हमलों में 45% वृद्धि हुई। वर्षभर में 1,099 हमलों में 585 लोगों की मौत हुई। तहरीक-ए-तालिबान को देश का सबसे घातक आतंकी संगठन बताया गया है, जो कुल मौतों के 52% मामलों के लिए जिम्मेदार है। बलूचिस्तान व खैबर पख्तूनख्वा आतंकवाद से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र रहे।

महाराष्ट्र: मुंबई में रहना है तो मराठी सीखनी चाहिए

'मराठी' पर बयान से हुआ विवाद, आरएसएस नेता ने दी सफाई

मुंबई @ पत्रिका. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता सुरेश भैयाजी जोशी ने मराठी भाषा को लेकर हुए विवाद के बाद गुरुवार को अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र की भाषा मराठी है। भारत में विविध भाषाएं बोली जाती है। मुंबई में भी विभिन्न भाषाओं के बोलने वाले लोग रहते हैं। स्वाभाविक तौर पर यह अपेक्षा रहती है कि जो भी लोग मुंबई में रहते हैं, वे मराठी सीखें। मराठी मेरी मातृभाषा है और मुझे इस पर गर्व है। जोशी ने बुधवार को घाटकोपर में हुए एक कार्यक्रम में कहा था कि मुंबई में कोई एक भाषा नहीं है बल्कि यहां के हर हिस्से की अलग-अलग भाषा है। घाटकोपर इलाके की भाषा गुजराती है। मुंबई में रहते हैं, तो मराठी सीखना जरूरी नहीं। इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने भाजपा को घेरा थो।

अमरीका में याचिका

राणा ने फिर किया प्रयास, बताया भारत में जान का खतरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली . 26/11 मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा ने अमरीकी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग की है। पिछले माह ही पीएम नरेंद्र मोदी के यूएस दौरे के समय अमरीकी राष्ट्रपति ने घोषणा की थी कि तहव्वुर राणा समेत कुछ और प्रत्यर्पण जल्द किए जाएंगे।

राणा ने याचिका में कहा कि वह पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम है। यदि समय रहते प्रत्यर्पण नहीं रोका गया तो मामला अमरीकी अदालतों के अधिकार क्षेत्र से बाहर हो जाएगा। उसने दावा किया कि भारत में उसके खिलाफ मुकदमा चला तो उसे टॉर्चर किया जाएगा और जैसी उसकी सेहत है, वह मर सकता है।

पत्रिका एक्सप्लेन

15 फीसदी तक सस्ती होती है गोल्ड ज्वैलरी

दुबई से ही सबसे ज्यादा सोने की तस्करी क्यों?

हाल ही कन्नड़ और तमिल फिल्मों की अभिनेत्री रन्या राव को राजस्व खुफिया विभाग ने दुबई से लौटते समय 14.8 किलोग्राम सोने के साथ गिरफ्तार किया है। दुबई से सोना तस्करी के अनेक मामले सामने आते हैं ऐसे में सवाल है कि दुबई से ही गोल्ड की तस्करी क्यों होती हैं। आइए जानते हैं....

दुबई से कीमतों में कितना अंतर?

दुबई में 24 कैरेट सोना 7,929.85 प्रति ग्राम है, जबकि भारत में 8,764 रुपए प्रति ग्राम, यानी 834.15 महंगा (करीब 10%)। भारत में मेकिंग चार्ज 8-25% तक होता है, जबकि दुबई में 5-8% ही। ऐसे में दुबई से खरीदी ज्वैलरी करीब 15% तक सस्ती हो जाती है।

क्यों भारत में गोल्ड महंगा है?

भारत में सोने पर 5% आयात शुल्क, 3% जीएसटी और 1% एग्रीकल्चर सेस लगता है, जिससे कुल कर लगभग 9% हो जाता है। दूसरी ओर, दुबई में सोने पर कोई आयात शुल्क नहीं है और केवल 5% वैट (जो पर्यटक वापस ले सकते हैं) लागू होता है यानी टैक्स शून्य है।

क्या वैध तरीके से भी सोना ला सकते हैं?

जी हां, दुबई से एक साल तक रहने पर वैध रूप से सोना लाया जा सकता है पर इसकी मात्रा व प्रक्रिया तय है। भारतीय पुरुष यात्री 20 ग्राम (50 हजार रुपए) और महिला यात्री 40 ग्राम (1 लाख रुपए) तक ज्वेलरी ला सकते हैं, पर बिस्किट, बार या सिक्के नहीं। छह महीने से अधिक विदेश में रहकर लौटने पर 1 किग्रा तक सोना कस्टम ड्यूटी (20-50 ग्राम: 3%, 50-100 ग्राम: 6%, 100 ग्राम से अधिक: 10%) देकर लाया जा सकता है।

तस्करी के सोने से क्या लाभ?

तस्करी का सोना सस्ता होने से ज्यादा लाभ। इस सोने का नकदी व्यापार जिससे काला धन वैध बन जाता है। भारत में करीब 25-30% (200-300 टन) सोने की खरीद ब्लैक मनी से की जाती है।

पिछले साल कितना सोना तस्करी का?... वित्तीय वर्ष 2023-24 में कस्टम ने करीब 4,869 किलो और राजस्व खुफिया निदेशालय ने 1319 किलो सोना जब्त किया था।

प्रस्तुति: **हेमंत पांडेय**

वर्ल्ड@ शॉर्ट रीड

अमरीका पाक-अफगान पर यात्रा प्रतिबंध!

अमरीका @ पत्रिका. पाकिस्तान व अफगानिस्तान के लोगों को अमरीका में प्रवेश से रोका जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कथित तौर पर सुरक्षा व जांच जोखिमों के कारण दोनों देशों पर यात्रा प्रतिबंध की योजना बना रहे हैं जो अगले सप्ताह से लागू हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप प्रशासन अन्य देश को भी सूची में शामिल कर सकता है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में सात बहुसंख्यक मुस्लिम देशों के यात्रियों पर प्रतिबंध लगाया था, जिसे बाइडन ने 2021 में हटाया।

द. कोरिया गलती से गिरे बम, 8 घायल

सोल @ पत्रिका. अमरीका के साथ संयुक्त अभ्यास के दौरान गुरुवार को दक्षिण कोरियाई लड़ाकू विमानों ने गलती से अपने नागरिक क्षेत्र में आठ बम गिरा दिए, जिससे आठ लोग घायल हो गए। केएफ-16 विमानों ने एमके-82 बम गिराए, जो निशाने के बाहर गिर गए। घटना पोचियोन शहर में हुई। एयर फोर्स ने माफी मांगते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और मुआवजा देने का आश्वासन दिया। घटना की जांच के लिए एक समिति बनाई गई है। स्थानीय प्रशासन ने सैन्य अभ्यास पर रोक लगाने की मांग की है।

स्वच्छता: महाकुंभ के समापन के बाद संगम पर सफाई अभियान

प्रयागराज@ पत्रिका. महाकुंभ समापन के बाद संगम क्षेत्र और घाटों को साफ और स्वच्छ किए जाने के लिए विशेष सफाई अभियान जारी है। क्षेत्र की सफाई के दौरान तंबू-मूर्तियां आदि हटाते हुए सफाई कार्यकर्ता।

मध्यप्रदेश

फ्रीबीज पर चर्चा कर सकता है केंद्रीय वित्त आयोग

भोपाल @ पत्रिका. अर्थशास्त्री अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में 16वां वित्त आयोग विभिन्न राज्यों में राजनीतिक दलों की ओर से मुफ्त की योजनाओं (फ्रीबीज) के औचित्य और प्रभाव के बारे में विचार कर सकता है। मध्यप्रदेश दौरे पर आए आयोग से गुरुवार को प्रेसवार्ता में सवाल किया गया तो अध्यक्ष पनगढ़िया ज्यादातर सवालों का जवाब टालते नजर आए। फ्रीबीज के मामले को पहले तो उन्होंने आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताया लेकिन फ्रीबीज से राज्यों की आर्थिक सेहत खराब होने के बारे में सवाल किया गया तो पनगढ़िया ने कहा कि फिलहाल आयोग ने इस बारे में कोई बातचीत नहीं की है। आयोग के सभी सदस्यों की टीम जब अंतिम निर्णय लेगी तभी कुछ कहा जा सकता है।

धारावी: राहुल पहुंचे चमड़ा बाजार, सिला बैग

मुंबई@पत्रिका. धारावी में चमड़ा बाजार के दौरे में श्रमिकों से मुलाकात के बीच फैक्ट्री में चमड़े का बैग सिलने का प्रयास करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

ट्रेंडिंग न्यूज

ट्रंप की आलोचना पर राजदूत बर्खास्त

न्यूजीलैंड ने ब्रिटेन में तैनात देश के राजदूत फिल गॉफ को बर्खास्त कर दिया। गॉफ ने अमरीका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की यूक्रेन जंग खत्म करने की समझ को लेकर आलोचनात्मक टिप्पणी की थी।

रिकवरी कर रहे पोप फ्रांसिस, हालत स्थिर

लगभग तीन सप्ताह से डबल निमोनिया से जूझ रहे वेटिकन के पोप फ्रांसिस की हालत स्थिर बनी हुई है। सांस लेने में तकलीफ के चलते उन्हें अभी भी नॉन-इनवेसिव वेंटिलेशन की जरूरत पड़ रही है। वे 14 फरवरी से रोम के जैमिली हॉस्पिटल में भर्ती हैं।

अमरीका में रूस के राजदूत होंगे डार्चियेव

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अलेक्जेंडर डार्चियेव को अमरीका में नया राजदूत नियुक्त किया है। इस संबंध में गुरुवार को डिक्री जारी की गई। डार्चियेव विदेश मंत्रालय के नॉर्थ अटलांटिक विभाग के निदेशक के रूप में कार्यरत थे।

अनोखा | सब्जियों से सुरों का अनोखा मेल

सब्जियों के साजों से ऑर्केस्ट्रा ने बनाया रेकॉर्ड, 27 साल में 344 से ज्यादा शो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वियना. स्विट्जरलैंड का अनूठा 'वेजिटेबल ऑर्केस्ट्रा' दुनिया का पहला व शायद एकमात्र ऐसा ऑर्केस्ट्रा है जो सब्जियों से बने वाद्ययंत्रों पर सुर बिखेरता है। 27 साल में 344 शो करते हुए इसने हाल में गिनीज वर्ल्ड रेकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है। यह सफर 1999 में शुरू हुआ था। परफॉर्मेंस के बाद सब्जियों का सूप बनाकर दर्शकों को देते हैं, सब्जियां खराब होने पर जैविक खाद में बदल दी जाती है।

मजाक-मजाक में... ऑर्केस्टा की शुरुआत मजाक-मजाक में हुई थी, जो बाद में एक जुनून में बदल गई, जिसे कलाकार 27 साल से निभा रहे हैं।

गाजर की बांसुरी और प्याज का मेंडोलिन

ऑर्केस्ट्रा के 11 सदस्य अब सब्जियों से वाद्ययंत्र बनाने में माहिर हो चुके हैं। उनके वाद्ययंत्रों में गाजर से बनी बांसुरी, प्याज से बना मेंडोलिन और तोरी से बने परकशन शामिल हैं। हर शो से पहले कलाकार खुद ताजी सब्जियों को काटकर नए वाद्ययंत्र बनाते हैं, जो लगभग छह घंटे तक ही काम करते हैं।

संवेदना | प्रदर्शनी में पिंजरे में बंद किए गए थे जानवर

बच्ची की करुणा ने बदली कला की परिभाषा, भूख से मरते पिगलेट बचाए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोपेनहेगन. एक 10 साल की बच्ची की मासूम संवेदना ने कला के नाम पर हो रही क्रूरता को हाल में चुनौती दे दी। दरअसल, चिली के कलाकार मार्को एवरिस्ती ने डेनमार्क में 'एंड नाउ यू केयर?' प्रदर्शनी आयोजित की थी। इसमें सूअर के तीन नन्हे बच्चों (पिगलेट) को भूख से मरने पिंजरे में बंद किया गया, ताकि लोग 'फैक्ट्री फार्मिंग की निर्दयता' को समझ सकें। एक बच्ची को यह यातना देखना नागवार गुजरा।

ऐसे हार कर भी जीत गया कलाकार... कलाकार ने 'चोरी' की रिपोर्ट की लेकिन यह भी स्वीकारा कि लोगों के मन में यही करुणा जगाना मेरी प्रदर्शनी का असली मकसद था।

बेटी की गुहार पर पिता ने की 4 मिनट में चोरी

प्रदर्शनी देखने आई एक बच्ची ने अपने पिता से इन सूअर के बच्चों को बचाने की गुहार लगाई तो पिता ने ओएएसए नामक संस्था की मदद से कैस्पर ने इन सूअर के बच्चों को महज 4 मिनट में पिंजरे से बाहर निकाल लिया जब रखवाले दूर थे। कलाकार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और पूरी प्रदर्शनी बंद करनी पड़ी।

निर्दयता: 5 साल की बच्ची जाती थी खेलने

बेरहम बाप! पड़ोसी के घर गई बेटी, मार कर किए 4 टुकड़े

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सीतापुर (यूपी). एक पिता को अपनी पांच साल की बेटी के पड़ोसी के घर जाना इतना नागवार गुजरा कि उसने बेटी की गला घोंट कर हत्या कर दी और शव के चार टुकड़े कर खेत में फेंक दिए। पुलिस ने बेटी तानी की हत्या के आरोप में पिता मोहित मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार 40 वर्षीय मोहित का पड़ोसी रामू से झगड़ा था लेकिन बार-बार मना करने के बावजूद तानी वहां खेलने जाती थी। कुछ दिन पहले पिता ने ही तानी की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई और गायब हो गया। छानबीन में पुलिस को तानी के शव का एक हिस्सा खेत में मिला। जांच में पता चला कि आखिरी बार रामू के घर से मोहित ही तानी को लेकर आया था। कुछ दिन बाद लौटे मोहित से पुलिस ने कड़ी पूछताछ की तो उसने अपराध स्वीकार कर लिया।

सीधे खेत में ले जाकर मारा... पुलिस के अनुसार मोहित तानी को सीधे रामू के घर से खेत में ले गया और उसी के कपड़ों से गला घोंट कर उसकी हत्या कर दी। बाद में शव के चार टुकड़ेकर सरसों के खेत में फेंक दिए।

आइसीसी वनडे चैंपियंस ट्रॉफी CHAMPIONS TROPHY 2025

फाइनल मैच
भारत VS न्यूजीलैंड
स्थान: दुबई, रविवार 9 मार्च

बॉडी शेमिंग के खिलाफ जंग: ज्यादा वजन वाले खिलाड़ी सोशल मीडिया पर बनते हैं शिकार, हाल में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पर हुई अभद्र टिप्पणी, कई क्रिकेटरों ने ज्यादा वजन होने के बावजूद किया शानदार प्रदर्शन

क्रिकेट में मोटापा नहीं स्किल ज्यादा अहम, कई खिलाड़ियों ने बल्ले से मचाई है धूम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. हाल में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सोशल मीडिया पर बॉडी शेमिंग का शिकार हुए और उनके मोटापे को निशाना बनाया गया। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि रोहित पिछले कुछ समय से फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। इसके बाद सवाल उठ रहे हैं कि क्या क्रिकेटरों का स्लिम होना जरूरी है और ज्यादा वजन वाले खिलाड़ी सफल नहीं हो पाते? इतिहास पर नजर डालें तो साफ जाहिर है कि क्रिकेट में मोटापा नहीं बल्कि स्किल ज्यादा अहम है।

सरफराज व आजम ने आलोचकों को गलत साबित किया

वर्तमान की बात करें तो भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान और पाकिस्तान के आजम खान को भी बढ़े हुए वजन के कारण आलोचनाओं झेलनी पड़ीं, लेकिन दोनों ने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब दिया।

सरफराज खान, भारत

वजन: 74 किग्रा

27 वर्षीय सरफराज टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने छह टेस्ट में एक शतक व *तीन अर्धशतक से 371 रन ठोके।*

आजम खान, पाकिस्तान

वजन: 120 किग्रा

26 वर्षीय आजम ने 14 टी-20 में 88 रन बनाए। लेकिन अन्य टी-20 लीग में उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है।

रहकीम कॉर्नवल, विंडीज

वजन: 140 किग्रा

32 वर्षीय कॉर्नवल ने 10 टेस्ट मैचों में 261 रन बनाए और 35 विकेट झटके। टी-20 लीग में उनके नाम 1419 रन हैं।

इतिहास में इन दिग्गजों ने बिखेरी चमक

डेविड बून, ऑस्ट्रेलिया

वजन: 84 किग्रा

बतौर ओपनर बून का दबदबा था। उनके नाम 107 टेस्ट में 7422 व 181 वनडे मैचों में 5964 रन हैं।

रणतुंगा, श्रीलंका

वजन: 115 किग्रा

पूर्व कप्तान ने 1996 में विश्व कप जिताया। उनके नाम 93 टेस्ट में 5105, 269 वनडे में 7456 रन हैं।

इंजमाम उल हक, पाकिस्तान

वजन: 110 किग्रा

1992 में पाक को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 120 टेस्ट में 8830 और 378 वनडे में 11739 रन ठोके।

स्लिम लोग चाहिए तो मॉडल चुन लीजिए...

मैंने हमेशा कहा है कि यदि आपको स्लिम लोग चाहिए तो आपको मॉडलिंग कम्पटीशन में जाना चाहिए और मॉडल चुन कर लाना चाहिए। क्रिकेट अलग खेल है, इसमें यह निर्भर करता है कि आप कितने रन बना सकते हैं। इसमें वजन का नहीं बल्कि यह महत्व रखता है कि आप मानसिक रूप से कितने मजबूत हैं। **-सुनील गावस्कर,** पूर्व बल्लेबाज, भारत

आज का पोल

क्या विराट कोहली चैंपियंस ट्रॉफी में क्रिस गेल का रेकॉर्ड तोड़ सकते हैं?

YES NO

हमारे एक्स/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

गुरुवार का जवाब

हां 25% नहीं 75%

पिछला सवाल: क्या स्टीव स्मिथ का वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला सही है?

चैंपियंस ट्रॉफी : रविवार को होने वाले फाइनल के लिए टीम इंडिया को करनी होगी खास तैयारी

नॉकआउट में हमेशा भारी पड़े कीवी
अजेय टीम इंडिया को रहना होगा सतर्क

फाइनल की राह में इन टीमों को दी करारी शिकस्त

20 फरवरी VS बांग्लादेश — 6 विकेट से जीत

23 फरवरी VS पाकिस्तान — 6 विकेट से जीत

02 मार्च VS न्यूजीलैंड — 44 रन से जीत

04 मार्च VS ऑस्ट्रेलिया — 4 विकेट से जीत

दुबई @ पत्रिका. आइसीसी वनडे चैंपियंस ट्रॉफी अब अपने आखिरी मुकाम तक पहुंच गई है। रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच दुबई में खिताबी जंग होगी, जिससे तय होगा कि किस टीम के सिर चैंपियन का ताज सजेगा। यदि रेकॉर्ड पर नजर डालें तो आइसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबले में न्यूजीलैंड ने हमेशा टीम इंडिया को परेशान किया है। इस कारण टीम को काफी सतर्क रहने की जरूरत है।

लगातार पांचवीं जीत और खिताब पर नजरें

बदलना होगा इतिहास

04 नॉकआउट मैच भारत ने आइसीसी *टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड से खेले*

01 मुकाबला भारतीय टीम ने कुल जीता *और तीन में हार झेलनी पड़ी*

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी में अजेय रहकर फाइनल में पहुंची है। टीम इंडिया ने चार मैच खेले हैं और सभी में जीत दर्ज की है। इस दौरान भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को भी ग्रुप मैच में मात दी है। अब टीम इंडिया की नजरें जीत की लय कायम रखने पर होगी। कीवी टीम ने चार मैच खेले व तीन जीते हैं।

बदला चुकाने का मौका: भारतीय टीम के पास न्यूजीलैंड से चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 24 साल पहले मिली हार का बदला चुकाने का भी अच्छा मौका है। दोनों टीमें चैंपियंस ट्रॉफी के नॉकआउट में सिर्फ एक बार साल 2000 के फाइनल में भिड़ीं थीं, और इसमें न्यूजीलैंड टीम ने चार विकेट से जीत हासिल की थी।

16 महीने पहले तोड़ा था चक्रव्यूह: टीम इंडिया ने नॉकआउट में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र जीत 16 महीने पहले आइसीसी वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में दर्ज की थी। यह मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया था। इसमें टीम इंडिया ने 70 रन से शानदार जीत हासिल की थी।

24 साल में सिर्फ एक बार दे सके मात...

साल	टूर्नामेंट	मुकाबला	परिणाम	स्थान
2000	चैंपियंस ट्रॉफी	फाइनल	न्यूजीलैंड 4 विकेट से जीता	नैरोबी
2019	वनडे विश्व कप	सेमीफाइनल	न्यूजीलैंड 18 रन से जीता	मैनचेस्टर
2021	टेस्ट चैंपियनशिप	फाइनल	न्यूजीलैंड 8 विकेट से जीता	साउथम्प्टन
2023	वनडे विश्व कप	सेमीफाइनल	भारत 70 रन से जीता	मुंबई

फाइनल में पहुंचने के लिए कीवी टीम को करनी पड़ी 7048 किमी की यात्रा

दुबई @ पत्रिका. न्यूजीलैंड के लिए आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने की राह आसान नहीं रही। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड की टीम को खिताबी मुकाबले में जगह बनाने के लिए सर्वाधिक 7048 किलोमीटर की हवाई यात्रा करना पड़ी है।

सभी चार वेन्यू पर खेलने पड़े मुकाबले

चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले चार वेन्यू लाहौर, कराची, रावलपिंडी और दुबई में खेले गए। हैरानी की बात यह है कि न्यूजीलैंड को हर वेन्यू पर मैच खेलने पड़े। कीवी टीम ने कराची में पाकिस्तान, रावलपिंडी में बांग्लादेश, दुबई में भारत और लाहौर में दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ मुकाबला खेला।

विराट के पास गेल का रेकॉर्ड तोड़ने का मौका

भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के पास चैंपियंस ट्रॉफी में वेस्टइंडीज के क्रिस गेल का सर्वाधिक रन बनाने का रेकॉर्ड तोड़ने का मौका है। विराट के नाम टूर्नामेंट में 17 मैचों में 746 रन हैं। वहीं, क्रिस गेल ने 2002 से 2013 तक 17 मैचों में 791 रन बनाए हैं। ऐसे में विराट को सिर्फ 46 रन की और दरकार है।

संन्यास से वापसी: भारतीय फुटबॉलर का फैसला

40 साल की उम्र में मैदान पर फिर लौटेंगे सुनील छेत्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय टीम के स्टार फुटबॉलर और पूर्व कप्तान सुनील छेत्री का जलवा फिर मैदान पर दिखेगा। एक साल पहले संन्यास लेने वाले 40 वर्षीय छेत्री ने अपना फैसला वापस ले लिया है। देश में फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी देते हुए कहा, सुनील छेत्री वापस आ गए हैं। कप्तान, नेतृत्वकर्ता, दिग्गज खिलाड़ी, वह मार्च में फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम में वापसी करेगा।

एशियन कप क्वालीफायर में खेलेंगे: रिपोर्ट के तहत, छेत्री ने मार्च 2025 से शुरू होने वाले फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो में भारतीय टीम की मदद करने के लिए संन्यास से वापसी का फैसला किया है। छेत्री 25 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ एशियन कप क्वालीफायर 2027 के तीसरे दौर में खेलेंगे। यह मैच शिलांग में खेला जाएगा।

51 साल की उम्र में भी सचिन का जलवा, 33 गेंदों में ठोके 64 रन

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग
ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक

वडोदरा. महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की 64 रन की आतिशी अर्धशतकीय पारी के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने यहां इंटरनेशनल मास्टर्स लीग मुकाबले में भारत को 95 रन के बड़े अंतर से पराजित कर दिया। सचिन की 33 गेंदों में सात चौकों और चार छक्कों की मदद से खेली गई पारी भारत के लिए काम नहीं आई। टीम 270 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 174 रन पर ढेर हो गई। यूसुफ पठान ने 25 रन बनाए।

शतरंज

अराविंद ने गिरी को हराया, शीर्ष पर पहुंचे

लुसाने @पत्रिका. भारतीय ग्रैंडमास्टर अराविंद चिदंबरम ने प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट के सातवें दौर में नीदरलैंड्स के अनीश गिरी को हराकर एकल बढ़त हासिल कर ली। अराविंद ने संभावित सात में से पांच हासिल कर लिए हैं और अब वह प्रगनानंदा से आधे अंक की बढ़त पर हैं। वहीं, भारत के ही आर प्रग्गनानंदा ने चीन के वेई यी के साथ ड्रॉ खेला। अराविंद ने 39वीं चाल में जीत दर्ज करके रेकॉर्ड बुक में नाम लिखवाया। अराविंद इस जीत से लाइव रेटिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

महिला मुक्केबाजी

नेशनल चैंपियनशिप का आगाज 21 मार्च से

नई दिल्ली@पत्रिका. राष्ट्रीय महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप का आयोजन 21 से 27 मार्च तक ग्रेटर नोएडा में किया जाएगा, जिसमें 300 मुक्केबाज शिरकत करेंगी। 2023 में भी चैंपियनशिप का आयोजन ग्रेटर नोएडा में किया गया था। नियमों के अनुसार प्रत्येक राज्य इकाई से अधिकतम 10 मुक्केबाज उतर सकती हैं। शुरुआती दौर 21 से 24 मार्च तक होंगे, इसके बाद 25 मार्च को क्वार्टरफाइनल और 26 मार्च को सेमीफाइनल होंगे, जिसके बाद 27 मार्च फाइनल होगा।

महिला क्रिकेट

त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

कोलंबो @पत्रिका. श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को कहा कि 27 अप्रेल से 11 मई तक वह महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा, जिसमें मेजबान के अलावा दो अन्य टीम भारत और दक्षिण अफ्रीका होंगी। यह त्रिकोणीय सीरीज इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण होगी। तीनों टीमें चार-चार मैच खेलेंगी। सीरीज का आगाज भारत और श्रीलंका के बीच मुकाबले से होगा।

नई पारी...

अब वेबसीरीज में नजर आएंगे गांगुली

नई दिल्ली @ पत्रिका. भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली अभिनय की दुनिया में एंट्री करने जा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 52 वर्षीय गांगुली नेटफ्लिक्स की वेबसीरीज खाकी द बंगाल चैप्टर (खारे-2) में नजर आएंगे। गांगुली इस सीरीज में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। गांगुली की पुलिस वर्दी में तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और प्रशंसक उन्हें नई पारी के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। हालांकि यह वेबसीरीज कब रिलीज होगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

'खारे-2' में पुलिस अधिकारी बनेंगे दादा

प्रथम श्रेणी क्रिकेट: पाकिस्तान के पहले खिलाड़ी बने

गजब: ड्रेसिंग रूम में सो गए शकील, 'टाइम आउट' हुए

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

प्राग. पाकिस्तान के बल्लेबाज सऊद शकील क्रीज पर तीन मिनट देर से बल्लेबाजी के लिए पहुंचे, जिसके कारण उन्हें टाइम आउट दिया गया। वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में टाइम आउट होने वाले सातवें बल्लेबाज बने। यह घटना प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट प्रेसिडेंट्स ट्रॉफी के फाइनल के दूसरे दिन की है। शकील को नींद आ गई थी और वे ड्रेसिंग रूम में सो गए थे।

क्या है टाइम आउट?: अगर मैच के दौरान बल्लेबाजी करने वाली टीम का खिलाड़ी निर्धारित समय पर क्रीज पर नहीं पहुंचता है तो प्रतिद्वंद्वी कप्तान की अपील पर टाइम आउट करार दिया जाता है।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) **7276...**

बाएं से दाएं... 1. स्वामित्व, मालिक के रूप में (4), 4. समिति कक्ष (4), 7. मित्र, दोस्त (2), 8. कष्ट, परेशानी (4), 10. बरगद का पेड़ (2), 12. राय, वोट (2), 13. कार्य, काज (2), 14. शरारती, उपद्रवी (2-2), 15. बुरी आदत (2), 18. कामयाब, उत्तीर्ण (3), 20. अधिकार (2), 22. परीक्षा, जांच-पड़ताल (3), 24. उसी के आकार का (4), 26. प्रथा, रिवाज (2), 29. चर्म, खाल (2), 30. दृष्टांत, मिसाल (5), 32. फेरना, न्योछावर करना (3), 33. कामदेव (2), 34. पेड़ का शाखा रहित भाग (2)

ऊपर से नीचे...

1. . महीना, माह (2), 2. लेखनी (4), 3. गर्व, अदा (2), 4. चौरस, बराबर (4), 5. उबला, चावल (2), 6. करुणापूर्ण, सहृदय (5) 9. मैं का बहुवचन (2), 11. पिंडली एवं एड़ी के बीच का दोनों ओर उभरी हड्डी (3), 14. सीख, शिक्षा, उपदेश (4), 16. प्यास (2), 17. प्रत्येक, शिव (2), 19. कर्तव्य, जिम्मेदारी (2), 21. कुत्सित आचरण, बुरा व्यवहार (4), 22. पंख, डेना (2), 23. क्रेता (4) , 25. इच्छा, वांछा (3), 27. पेंदा (2), 28. गिनती (3), 30. पार्वती (2), 31. लीन, तन्मय (2)

हल 7275

SUDOKU 7011...

6					8	5		
	1		9		3			6
				2	6			3
		4						8
		9		4	7			
		5				2		
						9		
				3				7
	3	1		5	9		6	

हल 7010

6	2	5	9	7	4	1	3	8
9	1	3	5	8	2	6	4	7
4	7	8	6	3	1	9	2	5
2	3	7	1	9	5	4	8	6
5	9	6	4	2	8	7	1	3
8	4	1	7	6	3	5	9	2
7	8	9	2	1	6	3	5	4
1	5	2	3	4	7	8	6	9
3	6	4	8	5	9	2	7	1

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

क्लब फुटबॉल // दस खिलाड़ियों से खेलते हुए अंतिम-16 के पहले चरण में बेनफिका को 1-0 से हराया

चैंपियंस लीग में पिछले आठ मैचों से अजेय है बार्सिलोना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लिस्बन. राफिन्हा के एकमात्र गोल की बदौलत बार्सिलोना ने यूएफा चैंपियंस लीग फुटबॉल के अंतिम-16 दौर के पहले चरण के मुकाबले में बेनफिका को 1-0 से हरा दिया। हालांकि 22वें मिनट में पाउ कुबारसी को रेड कार्ड मिलने के कारण बार्सिलोना को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। बार्सिलोना की टीम ने लीग में पिछले आठ मैचों से अपना अजेय अभियान जारी रखा है।

07 मैच जीते हैं एक ड्रॉ खेला है **पिछले 8 मैचों में स्पेनिश क्लब ने**

61वें मिनट में *राफिन्हा ने दागा निर्णायक गोल*

राफिन्हा जश्न मनाते हुए।

घर में बेनफिका का खराब रेकॉर्ड: बेनफिका की टीम अपने घरेलू मैदान पर चैंपियंस लीग में खेले पिछले पांच में से एक भी मैच नहीं जीत पाई है। इस दौरान उसने तीन मैच हारे हैं, जबकि दो ड्रॉ खेले हैं। तीन में से दो मैचों में बार्सिलोना ने ही मात दी है।

सालाह की जगह उतरे हार्वी ने लिवरपूल को दिलाई जीत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. इंग्लिश क्लब लिवरपूल ने फ्रांसीसी क्लब पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) को 1-0 से हराकर अंतिम-16 दौर में अहम बढ़त हासिल कर ली। मैच में 86 मिनट तक दोनों टीमें बढ़त बनाने के लिए जूझती रहीं। अंततः 87वें मिनट में सब्सटीट्यूट खिलाड़ी हार्वी इलियट ने गोल कर टीम को जीत दिलाई। हार्वी को कोच ने मोहम्मद सालाह की जगह उतारा था।

हार्वी इलियट

बायर्न म्यूनिख और इंटर मिलान ने भी जीते: बायर्न म्यूनिख और इंटर मिलान ने भी अपने-अपने मुकाबले जीत लिए। इंटर मिलान ने फेयेनूर्ड को 2-0 से हराया, वहीं बायर्न म्यूनिख ने बायर लेवरकुसेन को 3-0 से शिकस्त दी।

डेविस कप टेनिस

सितंबर में भारतीय टीम का सामना होगा स्विट्जरलैंड से

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. डेविस कप विश्व ग्रुप-1 में भारतीय टीम का सामना स्विट्जरलैंड से होगा। यह मुकाबला 12 से 14 सितंबर तक स्विट्जरलैंड की मेजबानी में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने पिछले विश्व ग्रुप प्लेऑफ में टोगो पर 4-0 से जीत दर्ज की थी, जिससे उसे विश्व ग्रुप-1 में जगह मिली। इस दौरान स्विट्जरलैंड को क्वालीफायर मुकाबले में स्पेन के हाथों 3-1 से हार का सामना करना पड़ा था। भारत और स्विट्जरलैंड के बीच मुकाबले की विजेता टीम क्वालीफायर में आगे बढ़ेगी, जबकि हारने वाली टीम फिर से विश्व ग्रुप प्लेऑफ में खेलने को मजबूर होगी।

अमरीका का फैसला

अवैध प्रवासियों को सैन्य विमानों से नहीं भेजा जाएगा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. अमरीका विभिन्न देशों के अवैध प्रवासियों को अब सैन्य विमानों से डिपोर्ट नहीं करेगा। भारी-भरकम खर्च और लंबी दूरी की यात्रा को लेकर ट्रंप प्रशासन ने यह फैसला किया है। भारत भेजे गए तीन सैन्य उड़ानों पर अमरीका को 30 लाख डॉलर (करीब 33.96 करोड़ रुपए) खर्च करने पड़े। अमरीकी सैन्य विमान मैक्सिको के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करते हैं। इससे उन्हें लंबी दूरी तय करनी पड़ रही थी। वाणिज्यिक फ्लाइट के मुकाबले सैन्य विमानों में कम लोग भेजे जा रहे थे।

न्यूज विंडो

■ ट्रंप नोबेल पुरस्कार के लिए नामित

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ओस्लो (नॉर्वे). इस वर्ष के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप सहित 338 लोगों और संगठनों को नामित किया गया है। नॉर्वेजियन नोबेल इंस्टीट्यूट ने बताया कि इनमें 244 व्यक्ति और 94 संगठन शामिल हैं।

■ प्रेम विवाह की जिद पर बेटी की हत्या

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अनंतपुर. आंध्र प्रदेश के कासापुरम गांव में 55 साल के व्यक्ति ने बेटी को पेड़ पर लटकाकर फांसी दी और पेट्रोल छिड़ककर शव जला दिया। बाद में उसने थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। बेटी टी. भारती प्रेमी से शादी की जिद कर रही थी। माता-पिता को रिश्ता मंजूर नहीं था।

अमरीका: तेलंगाना के छात्र की गोली मारकर हत्या, लूटपाट की आशंका

हैदराबाद @ पत्रिका. अमरीका के विस्कॉन्सिन राज्य के मिल्वॉकी में एक स्थानीय स्टोर पर काम कर रहे 27 वर्षीय तेलंगाना के छात्र प्रवीण कुमार गम्पा की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के पीछे लूटपाट की आशंका जताई जा रही है। रंगारेड्डी जिले का निवासी प्रवीण यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉन्सिन में डेटा साइंस में मास्टर्स के दूसरे वर्ष का छात्र था। भारतीय दूतावास ने प्रवीण की मौत पर शोक जताते हुए परिवार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

■ कोटा : एमबीबीएस छात्र ने की आत्महत्या

कोटा@ पत्रिका. राजस्थान के कोटा में एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्र सुनील बैरवा ने बुधवार रात आत्महत्या कर ली। वह जयपुर के बस्सी का रहने वाला था। उसके कमरे से सुसाइड नोट मिला है। उसने माता-पिता से डॉक्टर बनने का सपना पूरा नहीं कर पाने के लिए माफी मांगी है।

■ तेजस्वी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे पीके

पटना@ पत्रिका. जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर राघोपुर से राजद के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। प्रदेश में कई साल से जनसंपर्क अभियान चला रहे पीके राजद को चुनौती दे रहे हैं। अब उन्होंने राघोपुर से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जयशंकर की दो टूक

‘पीओके वापस लेकर ही होगा कश्मीर मसले का समाधान’

बोले– हमें चुराए गए हिस्से की वापसी का इंतजार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लंदन/ नई दिल्ली. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को साफ कर दिया है कि कश्मीर मुद्दे का समाधान तभी होगा जब पाकिस्तान इसके कब्जे वाले हिस्से (पीओके) को लौटाएगा। जयशंकर लंदन के चैथम हाउस में पत्रकारों के सवाल का जवाब दे रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि कश्मीर मुद्दे का समाधान कैसे हो सकता है तो उन्होंने तपाक से कहा, ‘कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी करके जो पाकिस्तान के कब्जे में है।’ विदेश मंत्री जयशंकर दोनों देशों के संबंधों को नई गति देने के लिए 4 मार्च से 9 मार्च तक ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर हैं।

जयशंकर ने कहा कि ‘हमने कश्मीर के अधिकांश मामलों को सुलझा लिया है। अनुच्छेद 370 हटाना पहला कदम था। फिर, कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधि और सामाजिक न्याय को बहाल करना दूसरा कदम था। चुनाव कराना, जिसमें बहुत अधिक मतदान हुआ, तीसरा कदम था। मुझे लगता है कि हम जिस हिस्से का इंतजार कर रहे हैं, वह कश्मीर के चुराए गए हिस्से की वापसी है। जब यह हो जाएगा तो मैं आपको आश्वासन देता हूं, कश्मीर का समाधान हो जाएगा।’

विदेश मंत्री एस. जयशंकर और जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला।

करगिल युद्ध के दौरान मौका गंवाया: उमर

लंदन में कश्मीर मुद्दे पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान पर जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर ने कहा, ‘करगिल युद्ध के दौरान हमारे पास पीओके वापस लेने का मौका था, लेकिन हम ऐसा करने में विफल रहे। सरकार अब पीओके वापस क्यों नहीं लेती है? अब्दुल्ला ने कहा कि भाजपा सरकार चीन के कब्जे वाले जम्मू- कश्मीर को वापस लेने की बात क्यों नहीं करती?’

कांग्रेस नेता बंटे, दीक्षित समर्थन में आए

भाजपा नेता राम कदम ने जयशंकर का समर्थन किया तो कांग्रेस के तारिक हमीद कर्रा ने इस टिप्पणी को गैर-जरूरी बताया। जबकि एक अन्य कांग्रेसी नेता संदीप दीक्षित और टीएस सिंहदेव ने कहा कि पीओके हमारे देश का अभिन्न अंग है और हम भी चाहते हैं कि इसे फिर से देश में मिलाया जाए।

खालिस्तानी करतूत : विदेश मंत्रालय ने जताया कड़ा ऐतराज

लंदन में तिरंगे का अपमान...सुरक्षा तोड़ जयशंकर को रोकने की कोशिश

ब्रिटिश पुलिस मूक दर्शक बनी रही

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की ब्रिटेन यात्रा के दौरान खालिस्तानी अलगाववादियों एवं आतंकियों ने उनका रास्ता रोकने की कोशिश की और भारत के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया। आंतकियों ने भारत विरोधी नारे लगाए और भारतीय ध्वज फाड़ दिया जबकि, वहां मौजूद सुरक्षा अधिकारी हस्तक्षेप करने की बजाय पूरी तरह से निष्क्रिय और उदासीन बने रहे। विदेश मंत्रालय ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए ब्रिटिश सुरक्षा एजेंसियों की निष्क्रियता पर क्षोभ व्यक्त किया है।

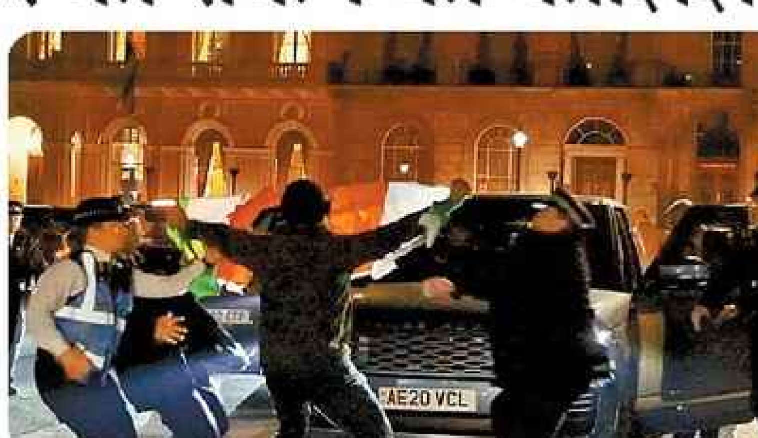

जयशंकर की कार के सामने तिरंगे का अपमान करते खालिस्तान समर्थक।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मीडिया के सवालों पर कहा, ‘हमने विदेश मंत्री की ब्रिटेन की यात्रा के दौरान सुरक्षा भंग के फुटेज देखे हैं। हम अलगाववादियों के इस छोटे समूह की भड़काऊ गतिविधियों की निंदा करते हैं। हम ऐसे तत्वों द्वारा लोकतांत्रिक स्वतंत्रता के दुरुपयोग की भर्त्सना करते हैं।’ जयशंकर की सुरक्षा में चूक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ब्रिटेन ने भी इस घटना की निंदा की और कहा कि सार्वजनिक कार्यक्रमों को डराने, धमकाने या बाधित करने के ऐसे प्रयास पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं।

रिपोर्ट : डिजिटल इंडिया फाउंडेशन का सुझाव

अवैध ऑनलाइन गेमिंग रोकने को गूगल-मेटा की मदद जरूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com%

नई दिल्ली. भारत में तेजी से बढ़ते अवैध ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर पर अंकुश के लिए जरूरी है कि सरकार गूगल व मेटा जैसी बड़ी कंपनियों के साथ मिलकर प्रयास करे। यह सुझाव शोध संस्थान ‘डिजिटल इंडिया फाउंडेशन’ की रिपोर्ट में दिया गया। इसमें कहा गया कि गैर-कानूनी ऑपरेटर डिजिटल विज्ञापन, मार्केटिंग चैनलों और सॉफ्टवेयर प्रदाताओं के परिष्कृत नेटवर्क के जरिए अपना संचालन बरकरार रखते हैं। इस गैर-कानूनी क्षेत्र का सालाना टर्नओवर 100 अरब डॉलर से ज्यादा है। यह हर साल 30 फीसदी की दर से बढ़ रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय नियामकों को गूगल और मेटा जैसे सोशल मीडिया दिग्गजों के साथ सक्रिय सहयोग करना चाहिए, क्योंकि ऑनलाइन जुए से संबंधित प्रचार पर लगाम लगाना असंगत बना हुआ है। डिजिटल इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक अरविंद गुप्ता ने कहा कि अवैध ऑनलाइन गेमिंग से धनशोधन और अवैध भुगतान तेजी से बढ़ा है। गूगल और मेटा जैसी कंपनियां विज्ञापन और सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ) से लाभ कमाती हैं।

यही कारण है कि ये अवैध सट्टेबाजी और जुआ फर्मों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई में नाकाम रहती हैं। इन कंपनियों की कमाई का कम-से-कम एक तिहाई हिस्सा इन वेबसाइट के जरिए आ रहा है। प्रभावशाली लोग गलत तरीके से इनका प्रचार कर रहे हैं।

भुगतान के लिए बना दी सरोगेट कंपनियां

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ऑनलाइन अवैध जुए और सट्टेबाजी का कारोबार काफी बड़ा है। अक्टूबर और दिसंबर, 2024 के बीच चार ऐसे प्लेटफॉर्म पर आवाजाही बढ़ाने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका रही। ये प्लेटफॉर्म सरोगेट कंपनियां बनाकर और उनके जरिए भुगतान लेकर मानदंडों को दरकिनार कर रहे हैं। रिपोर्ट में इनके खिलाफ बहुआयामी दृष्टिकोण और ‘रिवर्स गेमप्ले’ पर जोर दिया गया।

नया विवाद : रमजान में रोजे रखना फर्ज, नियमों का पालन करना जिम्मेदारी-मौलाना शहाबुद्दीन

शमी के ड्रिंक पर मौलाना ने कहा...गुनहगार भाई बोला-वह नेशनल ड्यूटी पर है, रोजा माफ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बरेली. दुबई में खेले जा रहे चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत की जीत में बड़ी भूमिका निभाने वाले मोहम्मद शमी की एक तस्वीर को लेकर नई बहस शुरू हो गया है। इस मुकाबले में शमी एनर्जी ड्रिंक पीते नजर आए। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने रमजान में शमी के एनर्जी ड्रिंक पीने पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने शमी के रोजा छोड़ने को बड़ा गुनाह बताते हुए कहा कि रमजान में रोजा नहीं रखा, जो गुनाह है। उन्होंने एक वीडियो जारी कर कहा कि शरीयत के नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है। इस्लाम में रोजा रखना फर्ज है। कोई व्यक्ति जानबूझकर रोजा नहीं रखता, तो वह इस्लामिक कानून के अनुसार गुनहगार माना जाता है। क्रिकेट खेलना बुरा नहीं है, लेकिन धार्मिक जिम्मेदारियों को भी निभाना चाहिए। मैं हिदायत देता हूं कि शमी शरीयत के नियमों का पालन करें और अपने धर्म के प्रति जिम्मेदार बनें।

वहीं, शमी के चचेरे भाई मुमताज ने मौलाना के बयान पर पटलवार करते हुए कहा, वह देश के लिए खेल रहे हैं। उन पर रोजा न रखने का आरोप लगाकर शर्मनाक हरकत की है। दूसरे क्रिकेटर चचेरे भाई मोहम्मद जैद भी उनके समर्थन में खड़े नजर आए। उन्होंने कहा कि रोजा रखना हर मुसलमान का फर्ज है, लेकिन वह देश के लिए खेल रहा है। इतनी गुंजाइश है कि वह रोजा छोड़ सकता है। मुझे लगता है कि मौलाना को थोड़ी नॉलेज लेनी चाहिए।

पलटवार...

मौलाना माफी मांगे

इस मामले में भाजपा नेता मोहसिन रजा ने मौलाना शहाबुद्दीन पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह इंसान व अल्लाह के बीच का मामला है। इसमें किसी को बीच में बोलने का अधिकार नहीं है। वह (शमी) अपना राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने गए हैं और हमारा धर्म ऐसा करने की इजाजत देता है। मौलाना ने बयान देकर खुद पाप किया है। उन्हें पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

फिरंगी महली बोले...

रोजे से छूट

मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने शमी का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि इस्लाम विशेष परिस्थितियों में रोजा रखने से छूट देता है। छूटे हुए रोजे बाद में रखे जा सकते हैं। इस्लाम में ऐसा नहीं कहा गया है कि आप नेशनल ड्यूटी पर हैं तो भी रोजा रखना ही है। आप सफर कर रहे हैं तो रोजा नहीं भी रख सकते हैं। सफर से लौटने के बाद छूटे रोजे रखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि शमी अपने प्रदर्शन से टीम इंडिया को फाइनल में जीत दिलाएंगे।

हिंदू विवाह कानून

जैन समुदाय फैसले के खिलाफ पहुंचा एमपी हाईकोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. इंदौर की एक फैमिली कोर्ट के हिंदू विवाह अधिनियम के तहत राहत से इनकार के बाद जैन समुदाय ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। फैमिली कोर्ट ने जैन धर्म का पालन करने वाले एक जोड़े को हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक देने से इनकार करते हुए कहा था कि जैन धर्म वैदिक परंपराओं का विरोध करता है, जबकि हिंदू धर्म पूरी तरह वैदिक परंपरा पर आधारित है। आवेदकों में से एक पंकज खंडेलवाल के वकील ने बताया, फैमिली कोर्ट द्वारा खारिज की गई करीब 28 याचिकाओं पर अपील की जा रही है। हाईकोर्ट में मामले पर अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी।

अजब शौक : महिला सहित 2 लोग झुलसे, इमारत को भी नुकसान

कमरे में एलपीजी भरकर बना रहे थे रील, लाइट के लिए बटन दबाया तो धमाका

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

ग्वालियर (मध्य प्रदेश). रील बनाने का शौक किस कदर खतरनाक हो सकता है, यह ग्वालियर में सामने आया। लिगेसी प्लाजा की नौ मंजिला इमारत मंगलवार की रात 2.30 बजे धमाके के साथ दहल गई। बुधवार को जांच के बाद खुलासा हुआ कि यह हादसा स्टंट करते हुए रील बनाने के दौरान हुआ। महिला और वीडियो शूट करने वाला उसका रिश्तेदार गंभीर रूप से झुलस गए गए। उन्हें बर्न यूनिट में भर्ती कराया है। धमाके से इमारत को भी नुकसान पहुंचा है। गोला के मंदिर के पास लिगेसी प्लाजा के फ्लैट एल-वन में रंजना राणा स्टंट करते हुए रील बनाती थी।

धमाके से क्षतिग्रस्त फ्लैट।

इसका रखें ध्यान

- ■ वाहन चलाते समय स्टंट न करें। सड़कों व चौराहों पर डांस की रील न बनाएं।
- ■ झील, झरनों, पहाड़ के आसपास सावधानी बरतें।
- ■ नदी और जलाशयों के बीचों-बीच में रील न बनाएं।
- ■ रेलवे ट्रैक, ट्रेन के दरवाजे पर खड़े होकर रील न बनाएं।

रील बनाने पहुंचे 3 दोस्तों की कार नहर में गिरी, 2 की मौत

अहमदाबाद. रील्स बनाने के लिए कार लेकर वासणा बैराज से शास्त्री ब्रिज के बीच पहुंचे 3 दोस्त बुधवार शाम कार के साथ केनाल में गिर गए। पुलिस ने गुरुवार सुबह दो दोस्तों यश सोलंकी और यक्ष भंखोडिया के शव केनाल से बरामद किए। एक दोस्त क्रिश दवे अभी भी लापता है। पुलिस ने बताया कि सभी किराए की कार लेकर रील बनाने के लिए निकले थे। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक रील बनाने के चक्कर में कार बेकाबू होकर नहर में गिर गई। लोगों ने कार सवारों को बचाने का प्रयास किया लेकिन विफल रहे।

कॉलेजियम की सिफारिश

जस्टिस बागची बनेंगे सुप्रीम कोर्ट जज

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस जॉयमाल्या बागची को सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में पदोन्नत करने की सिफारिश की है। कॉलेजियम ने कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस हरीश टंडन को उड़ीसा हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त करने की भी सिफारिश की है।

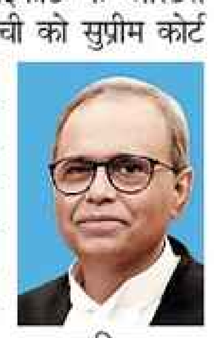

जस्टिस जॉयमाल्या बागची

कोयला खदान में गिरा छज्जा, तीन की मौत

बैतूल (सारनी)@पत्रिका. बगडोना छतरपुर-टू-कोयला खदान में गुरुवार दोपहर 3 बजे छज्जा गिरने से तीन अफसरों की मौत हो गई। हादसा खदान में मशीन से कोयला कटिंग के दौरान हुआ। मृतकों में सेफ्टी इंचार्ज गोविंद, माइनिंग सरदार नामदेव पंडोले, ओवरमैन रामप्रसाद शामिल हैं। खदान में काम कर रहे 20-25 श्रमिक बाल-बाल बचे।

कार्यशाला : कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया

भारत के अल्पसंख्यक ‘सबसे भाग्यशाली’ लोग : रिजिजू

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

तिरुवनंतपुरम (केरल). केंद्रीय संसदीय मामलों और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि भारत के अल्पसंख्यक सबसे भाग्यशाली लोग हैं। चूंकि भारत में ऐसे लोगों के लिए विशिष्ट और कल्याणकारी योजनाएं चलाई जाती हैं। ऐसी योजनाएं विश्व में कहीं और नहीं चलती हैं। रिजिजू ने गुरुवार को प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के लिए दक्षिणी क्षेत्र के राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कुछ लोग भारत में अल्पसंख्यकों को असुरक्षित बताकर गलतबयानी कर रहे हैं। ये लोग कहते हैं कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों से भेदभाव हो रहा है, जो कि सरासर झूठ है।

रंगों से दिक्कत तो घर से न निकलें : सीओ

संभल (उत्तर प्रदेश)@पत्रिका. संभल के सीओ अनुज चौधरी ने गुरुवार को शांति समिति की बैठक में कहा कि होली का पर्व साल में एक बार आता है, जबकि जुमा की नमाज साल में 52 बार होती है। ऐसे में किसी को होली के रंगों से दिक्कत महसूस होती है तो वह उस दिन घर से न निकले। उन्होंने कहा कि त्योहार मिल-जुलकर मनाने से ही समाज में एकता बनी रहती है। उन्होंने कहा कि किसी ने माहौल खराब करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एएमयू में होली मिलन समारोह पर विवाद

अलीगढ़@ पत्रिका. अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय परिसर में होली मिलन समारोह की इजाजत नहीं देने से विवाद खड़ा हो गया है। छात्रों ने आरोप लगाया कि नौ मार्च को आयोजन के लिए इजाजत मांगी गई थी, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने इनकार कर दिया। अखिल भारतीय करणी सेना के अध्यक्ष यानेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि इजाजत नहीं मिली तो 10 मार्च को हम एएमयू में घुसकर छात्रों के साथ होली मनाएंगे।

नई व्यवस्था

महाराष्ट्र सरकार ने बनाया मीडिया निगरानी केंद्र

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल मीडिया की समाचार सामग्री का विश्लेषण करने के लिए मीडिया निगरानी केंद्र (एमएमसी) स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिसके लिए 10 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। राज्य सरकार ने बुधवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी। एमएमसी का प्रबंधन सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय करेगा।

अधिसूचना के अनुसार, एमएमसी प्रिंट व प्रसारण मीडिया में तथ्यात्मक और भ्रामक रिपोर्टों को एकत्रित और विश्लेषण कर एक रिपोर्ट तैयार करेगी। इसके लिए पेशेवर सलाहकार को रखा जाएगा। खबरों को सकारात्मक, नकारात्मक, मुद्दे, घटनाएं और व्यक्ति जैसी श्रेणियों में बांटा जाएगा। खबरों के रुझान, मूड और टोन के बारे में भी अलर्ट दिया जाएगा।

ट्रेंडिंग न्यूज

सनातन मामला

उदयनिधि स्टालिन को ‘सुप्रीम’ राहत

नई दिल्ली @पत्रिका. सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सनातन धर्म संबंधी कथित बयान के लिए तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ बिना इजाजत नई प्राथमिकी दर्ज नहीं की जाए। कोर्ट ने उनके खिलाफ कार्रवाई के अंतरिम आदेश की मियाद भी बढ़ा दी।

अमरीका

हमास को ‘फाइनल वार्निंग’, बंधक छोड़ो नहीं तो सब खत्म

वाशिंगटन@ पत्रिका. अमरीकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने हमास को गाजा में बंधकों को तुरंत रिहा करने की ‘अंतिम चेतावनी’ दी है। यह चेतावनी वाइट हाउस द्वारा हमास के साथ सीधी वार्ता के लिए एक दूत भेजे जाने की वाइट हाउस की पुष्टि के बाद आई। ट्रंप ने हमास की कैद से छूटे 8 बंधकों के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा- नमस्ते और अलविदा- आप चुन सकते हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट

रेप पीड़िता से शादी की शर्त पर जमानत

प्रयागराज@पत्रिका. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बलात्कार के आरोपी को इस शर्त पर जमानत दी कि वह रिहा होने के तीन माह में पीड़िता से शादी कर लेगा। सुनवाई के दौरान 26 साल के आरोपी ने कोर्ट से कहा कि वह पीड़िता की विवाहित पत्नी के रूप में देखभाल के लिए तैयार है।

प्रतिभा पलायन | फिल्मकार अनुराग कश्यप का मुंबई को अलविदा, बेंगलूरु नया ठिकाना

रचनात्मकता में दक्षिण की फिल्में अब बॉलीवुड पर भारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मुंबई. सिनेमा को पांचवां वेद मानने वाले भारत में कभी हर कलाकार का सपना मुंबई पहुंचकर फिल्मों में किस्मत आजमाना होता था। अब यहां से प्रतिभाओं का पलायन शुरू हो गया है। ‘गैंग्स ऑफ वासेपुर’ और ‘ब्लैक फ्राइडे’ जैसी फिल्में बनाने वाले अनुराग कश्यप का दावा है कि रचनात्मकता की घटती कद्र के कारण कई फिल्मकार मुंबई छोड़कर दुबई, पुर्तगाल, लंदन, जर्मनी और अमरीका का रुख कर चुके हैं। खुद अनुराग ने बॉलीवुड को अलविदा कह दिया है। बेंगलूरु उनका नया ठिकाना है। वह दक्षिण की फिल्मों में सक्रिय होना चाहते हैं। एक फ्रैंच कहावत है-‘कोई चीज जितना बदलती है, उतनी ही पहले जैसी होती जाती है।’ बॉलीवुड में इसका उलट हो रहा है। फिल्मी कारखानों में उत्पादन तो पहले की तरह हो रहा है, कहानी सुनाने की कसौटी पर फिल्में उस रचनात्मकता से दूर हो गई हैं, जो कभी उनकी पहचान हुआ करती थी।

कहानी सुनाने की कसौटी पर हिंदी सिनेमा में पहले वाली बात नहीं

2024 की 10 कामयाब फिल्में

फिल्म	भाषा	घरेलू कारोबार (ग्रॉस)
1 पुष्पा-2 : द रूल	तेलुगू	1,381
2 कल्की 2898 एडी	तेलुगू	776
3 स्त्री-2	हिंदी	740.2
4 देवरा-1	तेलुगू	347
5 भूल भुलैया-3	हिंदी	334.6
6 सिंघम अगेन	हिंदी	316.4
7 द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम	तमिल	305
8 अमरन	तमिल	258
9 फाइटर	हिंदी	244.7
10 हनुमान	तेलुगू	240

(राशि करोड़ रुपए में)

कारोबारी सोच ने खत्म किया आनंद

अनुराग ने कहा, ‘बॉलीवुड बहुत टॉक्सिक (जहरीली) हो चुका है। हर कोई अवास्तविक टारगेट के पीछे भाग रहा है। सबका यही मोटिव रह गया है कि फिल्म 500 या 800 करोड़ रुपए कमाए। क्रिएटिविटी का दौर खत्म हो चुका है। फिल्म बनने से पहले यह सोचा जाता है कि इसे बेचें कैसे? यह फिल्म मेकिंग का पूरा आनंद खत्म कर देता है।’

कमाल की तकनीक : सैन्य बंकरों और पुल समेत कई संरचनाओं के लिए अहम

बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले से होगी इमारतों की रक्षा, आइआइटी मद्रास ने बनाया सिस्टम

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), मद्रास के शोधकर्ताओं ने ऐसा सिस्टम विकसित किया है, जिससे बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले से इमारतों को बचाया जा सकता है। शोधकर्ताओं की योजना अब इस सिस्टम की मदद से ऐसा हल्का, कम खर्च वाला टिकाऊ बैलिस्टिक-प्रूफ मटेरियल बनाने की है, जिसे सेना सीमा पर बंकर बनाने में इस्तेमाल कर सके।

‘रिलाइएबिलिटी इंजीनियरिंग एंड सिस्टम सेफ्टी’ जर्नल में छपे शोध के मुताबिक अक्सर बैलिस्टिक मिसाइलों से बुनियादी ढांचों को भारी नुकसान पहुंचता है।

भरोसेमंद, सटीक डेटा

शोधकर्ताओं ने एक फार्मूला तैयार किया है। इससे कंक्रीट पर मिसाइल हमले से बनने वाले गड्ढे का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। नए सिस्टम से डिजाइनर्स को ज्यादा भरोसेमंद व सटीक डेटा मिलेगा। इससे वे ऐसी संरचनाएं बना सकेंगे, जो मिसाइल हमलों का बेहतर सामना कर सकें।

सिमुलेशन कम्प्यूटिंग

शोधकर्ताओं ने फाइनाइट एलीमेंट (एफई) सिमुलेशन कम्प्यूटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया। इससे पता लगाया कि मिसाइलों का कंक्रीट पर क्या असर पड़ता है। सिमुलेशन ऐसी तकनीक है, जिससे असर का अनुमान लगाया जाता है और उस पर काबू पाने की विधि खोजी जाती है।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII , सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।